news@group5.in | groupSnews | group5news

www.group5news.com

सदैव आपके साथ...

www.group5news.com/epaper

हिन्दी दैनिक

ग्रुप-5 समाचार

लखनऊ || शुक्रवार || 4 अप्रैल , 2025 वर्षः 17 || अंकः 105 || पृष्ठः 12 || मूल्यः 2/-

अंदर पढ़ें

» 08 आज मुंबई और लखनऊ के बीच मैच में रोहित और पंत

» 07 13 साल में बना दिया करोड़ों का ब्रांड

» 11 कांचा गाचीबोवली मामले को लेकर ऋचा चड्ढा

सप्तम मां कालरात्रि

मां के सप्तम रूप का नाम है माँ कालरात्रि। यह मां का अति भयावह व उग्र रूप है। सम्पूर्ण सृष्टि में इस रूप से अधिक भयावह और कोई दूसरा नहीं। किन्तु तब भी यह रूप मातृत्व को समर्पित है। देवी मां का यह रूप ज्ञान और वैराग्य प्रदान करता है।

गरीब मुसलमानों को न्याय मिले, यही हमारा उद्देश्य

● राज्यसभा में रिजिजू बोले-वक्फ में गैर-मुस्लिमों का दखल नहीं होगा

कांग्रेस ने कहा-यह मुस्लिमों के खिलाफ, पोलराइजेशन के लिए लाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को वक्फ संशोधन बिल राज्यसभा में पेश किया। उन्होंने कहा कि व्यापक चर्चा के बाद तैयार किए गए बिल को जेपीसी के पास भेज दिया गया था। वक्फ को लेकर जेपीसी ने जितना काम किया, उतना काम किसी कमेटी ने नहीं किया। रिजिजू ने कहा- संशोधित बिल में मुसलमानों के धार्मिक क्रियाकलापों में किसी तरह का हस्तक्षेप कोई गैर मुस्लिम नहीं करेगा। हमने ट्रांसपैरेंसी, अकाउंटेबिलिटी, एक्यूरेसी पर केंद्रित बदलाव किए हैं। हम किसी की धार्मिक भावना को चोट पहुंचाने के लिए नहीं हैं। गरीब मुसलमानों को न्याय मिले, हमारा यही उद्देश्य है। रिजिजू ने कहा- दुनिया की सबसे ज्यादा लैंड प्रॉपर्टी वक्फ के पास है। जब इतनी प्रॉपर्टी है तो मुसलमानों को फायदा क्यों नहीं मिल रहा।

● **कांग्रेस बोली–पोलराइजेशन के लिए बिल लाया गया**– कांग्रेस सांसद सैयद नसीर हुसैन ने विपक्ष की ओर से चर्चा की शुरुआत की। उन्होंने कहा– इनको 2024 में क्यों याद आया। बीजेपी को लोकसभा चुनाव में मेजॉरिटी नहीं मिली। इसलिए ये पोलराइजेशन करना चाह रहे हैं। सभी जानते हैं कि देश में कौन ध्रुवीकरण करता है। ये बिल मिसइन्फॉर्मेशन कैंपेन पर है। पूरा गोदी मीडिया इसमें लग गया। रिजिजू कह रहे हैं कि गरीब की मदद करेंगे। आप 10 साल से सत्ता में हैं, तब क्यों नहीं किया। बीजेपी शासित राज्यों में वक्फ बोर्ड नहीं बनाए गए, फिर कहते हैं कि ट्रांसपेरेंसी लाएंगे।

हमने ट्रेन, प्लेन में नमाज पढ़ ली तो क्या वो हमारा हो गया

हुसैन ने कहा– बार–बार कहा जा रहा है कि वक्फ बोर्ड किसी भी जमीन को अपनी जमीन डिक्लेयर कर सकता है। क्या भारत में कोई कानून नहीं है। अगर हमने ट्रेन, प्लेन में नमाज पढ़ ली तो क्या ट्रेन–प्लेन हमारा हो गया। उन्होंने कहा– अगर वक्फ बोर्ड के सामने कोई शिकायत आती है तो हम जांच करते हैं। मैं 6 साल से कर्नाटक वक्फ बोर्ड में हूं। कोई शिकायत आने पर कई स्तरों पर जांच होती है। आप ट्रिब्यूनल में जा सकते हैं। ये कह रहे हैं कि पहले ट्रिब्यूनल के अलावा अपील नहीं कर सकते थे। नसीर ने आगे कहा– वक्फ के मायने दान है। ये कोई भी कर सकता है।

● भारत अंतरिक्ष में एक बार फिर रचेगा नया इतिहास

कैप्टन शुभांशु शुक्ला जाएंगे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अंतरिक्ष में नया इतिहास रचने जा रहा है। भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला स्पेसएक्स के साथ चल रहे नए मिशन का हिस्सा होंगे। वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने वाले पहले भारतीय बनेंगे। यह मिशन एक्स4) का हिस्सा होगा। इस मिशन की लॉन्चिंग तारीख सामने आ गई है। इसे नासा के फ्लोरिडा स्थित कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया जाएगा। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला भारतीय वायुसेना के अनुभवी पायलट हैं। वह भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन के लिए भी चुने गए एस्ट्रोनॉट्स में शामिल हैं। एक्स-4 मिशन में वह स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान के पायलट के रूप में अंतरिक्ष की यात्रा करेंगे। इस मिशन का नेतृत्व पूर्व नासा अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन करेंगी। उनके साथ पोलैंड के सावोस उज्नान्स्की-विस्नेवस्की और हंगरी के टिबोर कापू मिशन स्पेशलिस्ट के रूप में शामिल होंगे। यह 14 दिन का मिशन है, जिसमें विज्ञान से जुड़े प्रयोग शामिल हैं।

हरियाणा में 12 अवैध फार्महाउस पर चला सरकार का बुलडोजर

● 50 की बाउंड्री वॉल भी गिराई, फरीदाबाद में बुलडोजर ऐक्शन

फरीदाबाद (एजेंसी)। अवैध रूप से बनाए फार्महाउस और कॉलोनियों को तोड़ने का काम लगातार जारी है। इसी कड़ी में डीटीपी इंफोर्समेंट की टीम ने बुधवार को मौजाबाद और किडावली में बने 12 अवैध फार्म हाउसों को पूरी तरह से तोड़ दिया है। बता दें कि यमुना किनारे बसे इन गांवों की खेती योग्य जमीन पर लोगों ने अवैध रूप से फार्म हाउस का निर्माण कर दिया था। इसकी सूचना मिलते ही बुधवार को डीटीपी एन्फोर्समेंट की टीम मौके पर पहुंची और 12 फार्महाउसों को तोड़ दिया। इसके अलावा 50 बाउंड्री वॉल को भी गिरा दिया गया। डीटीपी एन्फोर्समेंट राहुल सिंगला ने बताया कि इस तरह से कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। वहीं बड़खल चौक से सैनिक कॉलोनी चौक तक अतिक्रमण हटाने को लेकर पीड़ित लोग बुधवार को जॉइंट कमिश्नर हितेंद्र कुमार से मिले।

अब शिंदे के पास जाएगी हर फाइल

अजित पवार से ज्यादा हुई पावर

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार में बीते कई महीनों से चली आ रही खींचतान अब खत्म होती दिख रही है। पूर्व सीएम एकनाथ शिंदे से मुख्यमंत्री पद की कुर्सी गई तो वह होम मिनिस्टर बनना चाहते थे, लेकिन वह भी नहीं मिला तो कुछ मंत्रालय लेकर डिप्टी सीएम बन गए। इसके बाद भी उनकी नाराजगी बनी ही रही। कभी प्रभारी मंत्रियों को लेकर तो कभी मंत्रालयों के फैसलों को लेकर वह खफा दिखते थे। एक मलाल यह भी रहा कि अजित पवार को उनसे ज्यादा तवज्जो दी जा रही है, लेकिन अब देवेंद्र फडणवीस सरकार में उनका कद बढ़ा दिया गया है। अब महाराष्ट्र सरकार के कामकाज की कोई भी फाइल उनसे होकर ही सीएम देवेंद्र फडणवीस तक जाएगी।

बंगाल की खाड़ी में सबसे लंबी तटरेखा हमारी है:जयशंकर

बैंकॉक (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत को बंगाल की खाड़ी बहु–क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल यानी बिमस्टेक में अपनी जिम्मेदारी का एहसास है और वह आर्थिक और भू–राजनीतिक गतिविधियों से अवगत है। उन्होंने कहा कि भारत का मानना है कि क्षेत्रीय सहयोग एक एकीकृत दृष्टिकोण है न कि चुनिंदा विषयों पर आधारित है। उन्होंने यह भी कहा कि बंगाल की खाड़ी में भारत की सबसे लंबी तटरेखा है। उनका यह बयान बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया और नोबेल पुरस्कार विजेता और अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने चीन के दौरे पर कहा था कि भारत के पूर्वोत्तर के सात राज्य स्थलबद्ध (लैंड लॉक्ड) हैं, इसलिए बंगाल की खाड़ी और सटे हिन्द महासागर का वह अकेला संरक्षक है। माना जा रहा है कि विदेश मंत्री एस जयशंकर का नवीनतम बयान कि बंगाल की खाड़ी में भारत की सबसे लंबी तटरेखा भारत की है, मोहम्मद यूनुस पर एक तरह का अप्रत्यक्ष कटाक्ष है। यूनुस के बयान ने विवाद खड़ा कर दिया था।

जानलेवा होती जा रही हैं भारत की पटाखा फैक्ट्रियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल भारत में पटाखा फैक्ट्रियों में हुए हादसों के चलते लगभग 40 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इन हादसों की सबसे बड़ी वजह नियमों का पालन नहीं होना है। मंगलवार एक अप्रैल को गुजरात की एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में धमाका होने से 21 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। रॉयटर्स के मुताबिक, धमाका इतना भयानक था कि कई मृतकों के शरीर के अंग 200–300 मीटर दूर एक खेत में बिखरे हुए मिले। ज्यादातर मृतक मध्यप्रदेश के हरदा और देवास जिले के रहने वाले थे। एक हादसा पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में भी हुआ। यहां एक पटाखा फैक्ट्री और गोदाम में भीषण आग गई जिसकी चपेट में आने से एक परिवार के आठ लोगों की मौत हो गई। मृतकों में चार बच्चे भी शामिल थे। पुलिस ने फैक्ट्री मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। विभिन्न मीडिया रिपोर्टों से जुटाई गई जानकारी के मुताबिक, इस साल पटाखा फैक्ट्रियों में हुए हादसों के चलते लगभग 40 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इससे पहले हरदा में 11 लोगों की मौत हो गई थी।

अदालत का सम्मान, पर फैसला स्वीकार नहीं

● 26 हजार भर्ती खारिज होने पर ममता बनर्जी के सख्त तेवर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में करीब 26 हजार टीचरों एवं अन्य स्टैफ की भर्ती को अवैध घोषित किए जाने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर राजनीति तेज हो गई है। इस मामले में भाजपा ने ममता बनर्जी से इस्तीफा मांगा है तो वहीं सीपीएम का कहना है कि सरकार को तुरंत खाली पद भरने की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए। इस बीच ममता बनर्जी की प्रतिक्रिया आई है और उन्होंने फैसले पर ही सवाल उठा दिए हैं। ममता ने कहा कि मेरे मन में न्यायपालिका के लिए बहुत सम्मान है, लेकिन हम इस जजमेंट को स्वीकार नहीं कर सकते। ममता बनर्जी ने इस दौरान भाजपा पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा चाहती है कि पश्चिम बंगाल का पूरा एजुकेशन सिस्टम ही ध्वस्त हो जाए। उन्होंने कहा कि बंगाल के तो पूर्व शिक्षा मंत्री जेल में हैं। भाजपा बताए कि आखिर मध्य प्रदेश के व्यापम केस में कितने लोगों को गिरफ्तार किया गया था और कौन-कौन जेल गया था। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा था कि 26 हजार अध्यापकों और अन्य स्टाफ की भर्ता में गड़बड़ियां हुई हैं और यह दागी प्रक्रिया रही। इसलिए इस भर्ती को रद्द किया जाता है। अब इस मामले पर भाजपा ने ममता पर तीखा हमला बोला है। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री और बंगाल भाजपा के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने तो ममता का इस्तीफा ही मांग लिया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'इस पूरी भर्ती प्रक्रिया की जिम्मेदार सीएम ममता बनर्जी रही हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने साफ कर दिया है कि ममता बनर्जी के शासन में मेरिटधारी युवाओं के साथ धांधली की गई है। ऐसा पैसों के बदले हुआ है। पैसों के बदले में फर्जी भर्ती कर ली गई है।' इसके आगे उन्होंने लिखा कि ममता बनर्जी ने न सिर्फ योग्य उम्मीदवारों के साथ धोखाधड़ी की है बल्कि उनके परिवारों को भी धोखा दिया है। टीएमसी की सांसद डोला सेन ने कहा कि पार्टी अदालत के फैसले का सम्मान करती है, लेकिन यह भी सच है कि हमने करप्शन के खिलाफ लंबी लड़ाई लड़ी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार इस मामले की जांच करेगी। हम इस मामले में कानूनी राय लेने के बाद जवाब देंगे। पार्टी हमेशा अच्छे उम्मीदवारों के साथ खड़ी रहेगी।

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के लिए आबकारी विभाग के 46 प्रोजेक्ट तैयार, 7,588 करोड़ का होगा इन्वेस्टमेंट, मिलेगा 10,957 लोगों को रोजगार : आबकारी मंत्री

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ सरकार के कार्यकाल के दौरान आबकारी विभाग की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि सरकार को राजस्व देने में आबकारी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि हमने टेक्नोलॉजी को इंट्रोड्यूस किया उससे विभाग के राजस्व में साल दर साल राजस्व के बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने बताया कि 2017 में 14 हजार करोड़ राजस्व था. 2024-25 के फाइनेंशियल ईयर खत्म होने तक आबकारी विभाग का राजस्व अब तक सर्वाधिक है. 52,297.08 करोड़ रुपए राजस्व प्राप्त हुआ है। पिछले साल 45,570.47 करोड़ रुपए था। पिछले साल से अब तक 6000 करोड़ से ज्यादा राजस्व प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश चाहे शीरा उत्पादन हो, चाहे एथेनॉल का उत्पादन हो, देश में सबसे ज्यादा उत्पादन उत्तर प्रदेश करता है। 2023-24 में शीरे का उत्पादन 527 लाख कुंतल था जो देश में सर्वाधिक है। एथेनॉल की बात करें पिछले वित्तीय वर्ष में 176 करोड़ लीटर हुआ है। हमारा लक्ष्य 200 करोड़ लीटर तक उत्पादन पहुंचाएं। आबकारी मंत्री ने कहा कि अभी हमारी लॉटरी का समापन हुआ है। मुझे खुशी है यह बताते हुए कि हमारी लॉटरी के दो चरण संपन्न हो चुके हैं। तीसरा चरण शुरू है। हम 99.97 प्रतिशत काम कर चुके हैं। पहले विदेशी मदिरा और अलग-अलग बियर की दुकान होती थीं अब एक हैं। इन्वेस्टर समिट में आबकारी विभाग को 137 एमओयू हुए थे। 39708 करोड़ रुपए का इन्वेस्टमेंट हुआ था। आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने बताया कि ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के लिए हमारे पास 46 प्रोजेक्ट पूरी तरह तैयार हैं। उनसे 7588 करोड़ का इन्वेस्टमेंट होगा और 10957 लोगों को रोजगार मिलेगा। प्रदेश में अब तक 10,184 करोड रुपए का इन्वेस्टमेंट हुआ है। हमारा सबसे ज्यादा फोकस प्रवर्तन कार्रवाई पर रहता है। पिछले तीन वर्षों में कोई भी अप्रिय घटना नहीं हुई है। किसी की जान माल का नुकसान नहीं हुआ है। हमने इंफोर्समेंट टीम को मजबूत किया है। लगातार कार्रवाई बढ़ाई है। इस बार एनफोर्समेंट में नई व्यवस्था लागू की है। पूरे प्रदेश को दो भागों में विभाजित किया है। नौ नौ मंडलों के दो पार्ट बनाए हैं। पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश को अलग किया है। दो संयुक्त आबकारी आयुक्त को जिम्मेदारी दी है कि प्रवर्तन कार्रवाई को और भी मजबूत किया जाए। एक लाख 12 हजार 279 अभियोग पंजीकृत किए हैं। 24 हजार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

इस बार लॉटरी में 40 प्रतिशत नए कारोबारियों को आने का मौका मिला : नितिन अग्रवाल

आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश में अन्य प्रदेशों से कोई अवैध मदिरा न आने पाए जो कच्ची शराब बनाने का अवैध कार्य करते हैं उन पर भी कड़ी कार्रवाई हो इसके लिए हम प्रयास करते हैं। इस बार लॉटरी में 40 प्रतिशत नए कारोबारियों को आने का मौका मिला है। जहां शराब बनती है और जहां बिकती है उस पूरे सिस्टम को हमने ऑनलाइन जोड़ दिया है, इससे पारदर्शिता आई है। हमने विभाग की सारी पत्रावलियों को ऑनलाइन किया है। सभी यूनिटों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं। हमने वाहनों में जीपीएस लगाए जिससे कहीं किसी लोकेशन पर जाना है तो उस डिस्टेंस में कितना समय लगेगा इसकी पूरी जानकारी हमें मिलेगी। हमने परमिट ऑनलाइन किया है। विभाग ने अपने को पूरी तरह से डिजिटाइज किया है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष का जो हमारा लक्ष्य 63000 करोड रुपए का है। राजस्व का जो पैसा पहले माफिया की जेब में जाता था उससे आबकारी विभाग को चलाया जाता था। हमने उस व्यवस्था को पूरी तरह से समाप्त कर दिया है। अब राजस्व का पैसा प्रदेश के लोगों की भलाई के लिए काम में आता है। कुल राजस्व का 40 प्रतिशत देसी मदिरा से तो 60 प्रतिशत वाइन और बीयर से आता है।

यूपीपीसीएल ने संविदा पर सीए और सीएमए पदों पर निकाली भर्ती, होने लगी सीबीआई जांच की मांग

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड ने संविदा पर सीए और सीएमए पद पर भर्ती करने का फैसला लिया है। पावर कारपोरेशन के बोर्ड आफ डायरेक्टर की तरफ से इस भर्ती से संबंधित आदेश जारी कर दिया गया संविदा पर इन पदों भर्ती होने वाले कर्मियों को 40 हजार रूपए प्रतिमाह सैलरी मिलेगी। पावर कारपोरेशन का यह भर्ती प्लान तीन वर्षों के लिए होगा। यह भर्ती इंस्टिट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड अकाउंटेंट और इंस्टिट्यूट ऑफ़ कॉस्ट अकाउंटेंट ऑफ़ इंडिया से प्राप्त बायोडाटा के आधार पर की जाएगी। हालांकि पावर कॉरपोरेशन के इस सीधी भर्ती के निर्णय पर आपत्ति भी जताई जाने लगी है। पावर कॉरपोरेशन में सीधे साक्षात्कार के माध्यम से लैटरल एंट्री का मामला अभी थमा भी नहीं था कि अब पावर कारपोरेशन के बोर्ड आफ डायरेक्टर ने विभागीय संविदा भर्ती का निर्णय ले लिया। पावर कारपोरेशन के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर ने चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) व सर्टिफाइड मैनेजमेंट अकाउंटेंट (सीएमए) पद की संविदा के आधार पर रुपया 40000 प्रतिमाह पर सीधे भर्ती का प्लान बनाकर आदेश जारी कर दिया। एक तरफ पावर कॉरपोरेशन घाटे की बात कहकर सर्विस प्रोवाइडर के माध्यम से भर्ती किए गए फील्ड में तैनात संविदा कार्मिकों की छंटनी कर रहा है, दूसरी तरफ सीधे संविदा भर्ती का प्लान बना रहा है। ऐसी भर्ती को मास्टर रोल कहा जाता था और बाद में विधिक विवाद के चलते सभी मास्टर रोल को परमानेंट करना पड़ा था। उपभोक्ता परिषद पहले ही पावर कारपोरेशन में लैटरल एंट्री व इस प्रकार की सीधी भर्ती की सीबीआई जांच करने की मांग कर चुका है. उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा का कहना है कि पावर कारपोरेशन की इस प्रकार की कार्रवाई का विरोध करते हुए बिजली दर की सुनवाई में यह मुद्दा उठाया था। उस समय उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन ने यह कहकर मामले पर चुप्पी साध ली थी रिपोर्ट नियामक आयोग को भेजी जाएगी। आज भी पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन के टेरिफ ऑर्डर में रिपोर्ट भेजने का मामला दर्ज है। रिपोर्ट भेजने की बात तो दूर सीधे भर्ती प्रक्रिया चालू कर दी गई। पावर कॉरपोरेशन से उत्तर प्रदेश सरकार को तत्काल यह सवाल करना चाहिए कि घाटे में चल रहे पावर कारपोरेशन के पास सीधी भर्ती के लिए पैसा कहां से आ रहा है। अवधेश कुमार वर्मा का कहना है कि इस प्रकार की कार्रवाई सिर्फ अकाउंट विंग और वित्त विभाग पावर कॉरपोरेशन में ही चल रही है। सबसे चौंकाने वाला मामला है कि पावर कारपोरेशन का वित्त विभाग ही निजीकरण का टेंडर निकालकर कार्रवाई कर रहा है। जो बार-बार रोना रोता है कि बिजली कंपनियां घाटे में जा रही हैं और यहां उसके पास सीधी भर्ती करने का कहां से पैसा आ रहा है? अगर यह अपने चहेतों के लिए लोन लेकर कार्रवाई की जा रही है तो इसकी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए।

तीन दिन की कार्रवाई में ही पस्त हुए अवैध ई-रिक्शा चालक

2751 ई-रिक्शा सीज, 9022 का चालान

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि परिवहन विभाग ई रिक्शा के अवैध संचालन पर रोक लगाने के लिए प्रदेश भर में बड़े पैमाने पर अभियान चला रहा है। अभियान के तीसरे दिन गुरुवार को प्रदेश भर में प्रवर्तन दल ने कुल 829 ई रिक्शा सीज किए गए और 2894 ई रिक्शा का चालान किया गया। उन्होंने बताया कि ऐसे ई रिक्शा जो बिना पंजीकरण सड़क पर दौड़ रहे हैं, बिना फिटनेस या बिना कागजात पूरे किये ही संचालित हो रहे हैं, के खिलाफ परिवहन विभाग का अभियान जारी है। मुख्यमंत्री ने सवारियों को सुरक्षित सफर कराने के साथ ही शहर को जाम मुक्त कराने के लिए अवैध तरीके से संचालित ई रिक्शा के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने प्रवर्तन दल के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जांच अभियान की कार्रवाई में और तेजी लाए, जिससे अनाधिकृत ई रिक्शा का संचालन रोका जा सके, साथ ही उन्होंने पुलिस और यातायात विभाग के अधिकारियों से भी इस कार्य में सहयोग करने के निर्देश दिये। उन्होंने सख्त निर्देश दिये कि प्रवर्तन दल सुनिश्चित करे कि किसी भी परिस्थिति में नाबालिग ई रिक्शा का संचालन न करें। नाबालिग के ई रिक्शा का संचालन मिलने पर या ई रिक्शा के वैध लाइसेंस के बिना संचालन करने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। चालकों को इस संबंध में जागरूक भी किया जाए। परिवहन मंत्री ने बताया कि लखनऊ संभाग में कुल 280 ई रिक्शा का चालान किया गया और 86 ई रिक्शा को सीज किया गया। गाजियाबाद संभाग में 280 चालान और 86 सीज, झांसी संभाग में 208 चालान व 36 सीज, आगरा संभाग में 264 चालान व 76 सीज, वाराणसी संभाग में 114 चालान और 27 सीज, मुरादाबाद संभाग में 310 चालान व 42 ई रिक्शा सीज किये गये। उन्होंने बताया कि कुल तीन दिन की कार्रवाई में 2751 ई रिक्शा सीज किये गये और 9022 ई रिक्शा का चालान किया गया।

यूपीपीसीएल के ऐप से करें बिजली बिल का भुगतान, अगले माह से राह होगी और आसान

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की डिजिटल भारत को बढ़ावा देने की पहल के तहत उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) ने मोबाइल ऐप के माध्यम से बिजली बिल भुगतान की प्रक्रिया को और आसान बना दिया है। अब उपभोक्ताओं को अपने बिजली बिल के भुगतान के लिए डिस्कॉम के स्थान पर यूपीपीसीएल और अपने जिले का नाम चयन करना होगा।

वेबसाइट पर पहले से लागू, ऐप्स में भी नई व्यवस्था

उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने बताया कि यूपीपीसीएल की आधिकारिक वेबसाइट पर यह सुविधा पहले से ही उपलब्ध थी, लेकिन अब इसे विभिन्न मोबाइल ऐप्स पर भी लागू कर दिया गया है। वर्तमान में उपभोक्ताओं के लिए पुरानी और नई दोनों व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं जिससे वे नई प्रक्रिया को आसानी से अपना सकें।

अब सिर्फ यूपीपीसीएल और जिले का चयन आवश्यक

भीम ऐप, गूगल पे, फोनपे, पेटीएम और अमेज़न पे जैसे प्लेटफार्मों पर ऑनलाइन बिल भुगतान करने के लिए उपभोक्ताओं को अब सिर्फ यूपीपीसीएल और अपने जिले का नाम चुनना होगा। इसके बाद उपभोक्ता को अपनी खाता संख्या दर्ज करनी होगी। पहले उपभोक्ताओं को डिस्कॉम का चयन करना पड़ता था, जिसमें गलती की संभावना बनी रहती थी। गलत डिस्कॉम भरने से भुगतान में परेशानी होती थी। इस समस्या को दूर करने के लिए यूपीपीसीएल ने यह बदलाव किया है।

अगले माह से पूरी तरह लागू होगी नई व्यवस्था

यूपीपीसीएल की तरफ से स्पष्ट किया गया है कि अगले माह से केवल नई व्यवस्था ही मान्य होगी। इससे उपभोक्ताओं को भुगतान में और अधिक सहूलियत मिलेगी।

लोकबन्धु राजनारायण संयुक्त चिकित्सालय का राष्ट्रीय असेसर टीम ने किया निरीक्षण

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं.)। लोकबन्धु राजनारायण संयुक्त चिकित्सालय में स्वास्थ्य गुणवत्ता आश्वासन एवं मुस्कान राष्ट्रीय प्रमाणन के तहत भारत सरकार द्वारा गठित राष्ट्रीय असेसर टीम ने तीन दिवसीय निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पताल के 16 प्रमुख विभागों का गहन मूल्यांकन किया गया। निरीक्षण के पहले दिन इमरजेंसी, सीएनसीयू, पीडियाट्रिक वार्ड, लेबर रूम और गायनी ओटी का विशेष रूप से मूल्यांकन किया गया, क्योंकि ये संवेदनशील विभाग माने जाते हैं। तीनों दिन सभी विभागों का विस्तार से निरीक्षण किया गया। बतादे कि भारत सरकार द्वारा प्रारंभ मुस्कान कार्यक्रम का उद्देश्य 12 वर्ष तक के बच्चों को सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में बेहतर देखभाल प्रदान करना है। इस कार्यक्रम के तहत नवजात एवं बाल मृत्यु दर में कमी लाने और रोकथाम योग्य बाल रोगों को कम करने पर विशेष ध्यान दिया जाता है। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय शंकर त्रिपाठी ने पूरे निरीक्षण के दौरान विभागों का मार्गदर्शन किया, इस दौरान अस्पताल के समस्त चिकित्सक व कर्मचारी उपस्थित रहे। असेसर टीम, जिसमें हिसार (हरियाणा), नई दिल्ली और भोपाल (मध्य प्रदेश) से आए विशेषज्ञों ने अस्पताल में लागू की गई गुणवत्ता आश्वासन प्रक्रियाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि अस्पताल द्वारा किए गए व्यापक प्रयास सराहनीय हैं और इससे गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा। कार्यवाहक निदेशक डॉ राजेश कुमार ने सभी को धन्यवाद दिया।

पूर्व मुख्यमंत्री नहीं मिले तो कार्यकर्ता ने कुर्ते में लगाई आग

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं.)। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव नहीं मिले तो कार्यकर्ता ने कुर्ते में आग लगाई, पीड़ित ने बताया कि लखनऊ में 3 महीने से नेता से मिलने नहीं दिया, राजनीति से संन्यास ले लिया है। पीड़ित ने कहा कि पिछले करीब 3 महीने से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिलने की कोशिश कर रहा हूं। कई नेताओं से मिलवाने का समय मांगा, लेकिन किसी ने मेरी मदद नहीं की। जब अपने नेता से ही नही मिल सकता तो पार्टी में रहकर क्या करूंगा। यह कहना है ठाकुरगंज इलाके के रहने वाले सपा नेता नवीन धवन उर्फ बंटी का। बंटी ने 31 मार्च को अपने खादी कुर्ते में आग लगाकर राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर कहा- बीते 27 सालों से समाजवादी पार्टी में सक्रिय हूं। इसके बाद भी मुझे अपने नेता से नहीं मिलने दिया जा रहा है। उधर पुलिस ने कहा है कि उनके पास ऐसी कोई सूचना नहीं है। कुर्ते में आग लगने या लगाने की कोई शिकायत उनके पास नहीं आयी है।

लोकबंधु अस्पताल की नई निदेशक बनी संगीता गुप्ता

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं.)। निदेशक, परिवार कल्याण, उ0प्र0, लखनऊ में तैनात डॉ. संगीता गुप्ता को लखनऊ के लोक बंधु श्री राजनारायण संयुक्त चिकित्सालय का निदेशक एवं प्रमुख अधीक्षक बनाया गया है।

डिजिटल हो रहे रेल यात्री, काउंटरों से बना रहे दूरी

एटीवीएम और यूपीआई का कर रहे भरपूर इस्तेमाल, अब काउंटर पर कैश न लेने की योजना बना रहा रेलवे

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। डिजिटल युग में अब रेल यात्री भी काउंटर पर कैश के बजाय स्टेशनों पर टिकट बुकिंग के लिए डिजिटल पेमेंट का भरपूर इस्तेमाल करने लगे हैं। स्टेशनों पर लगी ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीनों (एटीवीएम) के साथ ही यूपीआई का भरपूर इस्तेमाल कर रहे हैं। एक साल पहले जहां लखनऊ डिवीजन के कई स्टेशनों पर सिर्फ 10 प्रतिशत यात्री ही टिकट बुकिंग के लिए डिजिटल भुगतान करते थे अब 64 प्रतिशत तक यात्री संख्या जा पहुंची है। इनमें लखनऊ, प्रयागराज, अयोध्या और अकबरपुर मुख्य हैं। उत्तर रेलवे के डीआरएम सचिंद्र मोहन शर्मा बताते हैं कि अब हमारी यह योजना है कि जहां-जहां हमारे काउंटर हैं उन पर कैश देकर टिकट लेने की व्यवस्था ही खत्म करना है। सिर्फ डिजिटल भुगतान ही स्वीकार किया जाएगा। इससे यात्रियों के समय की बचत होगी, साथ ही अलग से कर्मचारी भी नहीं लगाना पड़ेगा। फुटकर पैसे का भी झंझट खत्म हो जाएगा।

248 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ी रेलवे की अर्निंग

उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल की बात की जाए तो अनरिजर्व्ड सेगमेंट में डिजिटल अर्निंग 248.20 प्रतिशत का जबरदस्त इजाफा हुआ है। पिछले साल जहां टिकटों की बुकिंग में रेलवे को 10.04 करोड़ रुपए का डिजिटल पेमेंट मिला था, वहीं इस साल लखनऊ डिविजन को ऑनलाइन पेमेंट के रूप में 34.96 करोड़ रुपए की भुगतान प्राप्त हुआ है। इससे अब रेलवे के अधिकारियों को महसूस होने लगा है कि हर वर्ग के लोग अब डिजिटल पेमेंट करने में सहूलियत महसूस कर रहे हैं। खासकर युवा वर्ग कैश देकर टिकट बुकिंग नहीं करता बल्कि डिजिटल पेमेंट करने में विश्वास रखने लगा है।

रेलवे ने जारी किया एटीवीएम से टिकट का आंकड़ा

उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल की तरफ से रेलवे स्टेशनों पर लगी एटीवीएम का एक अप्रैल 2024 से लेकर 28 मार्च 2025 तक का टिकट बुकिंग का आंकड़ा जारी किया गया है। यहां पर टिकट बुक करने के लिए यात्रियों ने काउंटर पर जाने के बजाय इन मशीनों का सहारा लिया। अयोध्या स्टेशन पर 64 प्रतिशत टिकट, अयोध्या कैंट स्टेशन पर 61 प्रतिशत टिकट, अकबरपुर स्टेशन पर 61 प्रतिशत टिकट, लखनऊ स्टेशन पर 64। प्रतिशत और प्रयागराज जंक्शन पर 64। प्रतिशत टिकट एटीवीएम से बुक किए गए।

क्या कहते हैं उत्तर रेलवे के डीआरएम

उत्तर रेलवे के डीआरएम सचिंद्र मोहन शर्मा का कहना है कि डिजिटल पेमेंट इस बार काफी बढ़ी हैं जो पिछले साल करीब 10 करोड़ की अर्निंग थी वह 34 करोड़ की है। मुझे लगता है कि जो नई पीढ़ी है वह अब डिजिटल यूपीआई और पीओएस से काफी कंफर्टेबल है। जो हमारे एटीवीएम से टिकट बुकिंग है वो भी काफी बढ़ी है। हमारे कई स्टेशन ऐसे हैं जहां पर एटीवीएम से ही टिकट बुक हो रहे हैं। लोग काउंटर पर नहीं जा रहे हैं. इनमें अकबरपुर, अयोध्या, अयोध्या कैंट, लखनऊ, प्रयाग संगम में करीब प्रतिशत टिकट और बनारस में 48 प्रतिशत टिकट अब एटीवीएम के माध्यम से बुक हो रहे हैं। पब्लिक को अब ईज ऑफ टिकटिंग चाहिए कि वह जाएं और फट से उन्हें टिकट मिल जाए। अब हम ज्यादा से ज्यादा एटीवीएम लगाने का प्रयास करेंगे। इसके अलावा ऑनलाइन ट्रांजैक्शन से ही टिकट बुकिंग हो इस दिशा में भी अब हम तेजी से आगे बढ़ेंगे। कई काउंटर हैं जहां पर सिर्फ ऑनलाइन पेमेंट से ही टिकट मिलें इसकी भी प्लानिंग की जा रही है।

बढ़ाई जाएंगी एटीवीएम

स्टेशनों पर रेलवे की तरफ से एटीवीएम लगाई गई हैं। इन मशीनों से टिकट लेने में यात्री सहूलियत महसूस कर रहे हैं। उनके समय की बचत हो रही है। लिहाजा, अब रेलवे के अधिकारी रेलवे स्टेशनों पर ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन की संख्या बढ़ाने का प्लान कर रहे हैं जिससे ज्यादा से ज्यादा यात्री आराम से अनरिजर्व्ड टिकट ले सकें। उन्हें काउंटर की लाइन में न लगना पड़े।

क्यू आर कोड से टिकट बुकिंग हो रही आसान

रेलवे स्टेशनों पर जगह-जगह क्यूआर कोड की व्यवस्था की गई है। अब इसी कर कोड को स्कैन कर यात्री आनन-फानन में टिकट बुक कर ले रहे हैं। ऑनलाइन भुगतान कर उन्हें उनके मोबाइल पर ही टिकट उपलब्ध हो जा रहा है। इससे उनका काफी टाइम बच रहा है और लाइन में भी नहीं लगना पड़ रहा है। अमूमन काउंटर पर एक टिकट बुक करने में चार से पांच मिनट तक का समय लगता है लेकिन मोबाइल पर टिकट बुकिंग में महज कुछ ही मिनट में काम पूरा हो जाता है, इसलिए डिजिटल पेमेंट कर लोग आराम से टिकट बुक करने लगे हैं। इससे रेलवे को भी काफी सहूलियत मिली है।

कैश काउंटर के बजाय डिजिटल काउंटर

उत्तर रेलवे के अधिकारी अब कैश काउंटर बंद कर सिर्फ डिजिटल काउंटर की व्यवस्था करने का प्लान कर रहे हैं। अधिकारी बताते हैं कि जहां-जहां अभी कैश से काउंटर पर टिकट बुक हो रहे हैं वहां पर अब सिर्फ डिजिटल माध्यम से भुगतान करके ही टिकट बुक हों, इस पर विचार किया जा रहा है। उत्तर रेलवे डीआरएम कार्यालय स्थित दो काउंटर में से एक काउंटर पर अब सिर्फ डिजिटल पेमेंट से ही टिकट बुकिंग की तैयारी है। कैश काउंटर पर सिर्फ कैश वाले लोग ही लाइन में लगेंगे जबकि जिन्हें डिजिटल भुगतान कर टिकट बुक कराना है वह डिजिटल काउंटर पर आराम से अपना टिकट ले सकेंगे।

एलएसजी के खिलाड़ियों ने की लखनऊ मेट्रो में यात्रा

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटॉर जहीर खान के नेतृत्व में एलएसजी की टीम गुरुवार को लखनऊ मेट्रो पहुंची। टीम के लिए हजरतगंज मेट्रो स्टेशन पर मीट एंड ग्रीट सेशन आयोजित किया गया। यहां उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने एलएसजी टीम के सदस्यों का गर्म जोशी से स्वागत किया। इस दौरान पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज और अपनी स्विंग के लिए मशहूर जहीर खान ने 'एलएसजी रेल' को फीता काट कर रवाना किया। एलएसजी रेल को विशेष रूप से एलएसजी के आर्ट वर्क से सजाया गया था। लखनऊ मेट्रो ने केडी सिंह बाबू स्टेडियम से करीब 15 क्रिकेट छात्रों को हजरतगंज मेट्रो स्टेशन पर एलएसजी के मेंटॉर जहीर खान, टीम के युवा बल्लेबाज आयुष बडोनी, मैथ्यू ब्रीत्जके और तेजतर्रार ऑल राउंडर अब्दुल समद से मिलवाया। बच्चों ने इस मंच का लाभ उठाते हुए क्रिकेट और उससे जुड़े सवालों को एलएसजी खिलाड़ियों के सामने रख अपनी मन की जिज्ञासा को शांत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जहीर खान ने कहा कि लखनऊ मेट्रो के स्टेशन और ट्रेनें काफी सुंदर और स्वच्छ हैं। जहीर ने लखनऊ मेट्रो की तरफ से मैच के दिनों में ऑपरेशन टाइमिंग बढ़ाए जाने की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि आधी रात को चलने वाली विशेष ट्रेनों के साथ हमारा परिवहन साझेदार होने के लिए हम लखनऊ मेट्रो के आभारी हैं। हमारी साझेदारी बहुत रणनीतिक है। लखनऊ मेट्रो की तरफ से हजरतगंज से केडी सिंह मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो यात्रा भी आयोजित की गई। केडी सिंह स्टेडियम के युवा खिलाड़ियों ने एलएसजी टीम के साथ इस मेट्रो राइड का आनंद लिया और फोटो खिंचवाई। यूपीएमआरसी के एमडी सुशील कुमार ने कहा कि यह हमारा लगातार तीसरा वर्ष है जब हम अपने खुद के लखनऊ सुपर जायंट्स के ट्रांसपोर्ट पार्टनर हैं और मैच जाने वालों को आधी रात तक एक सुरक्षित यात्रा का अनुभव प्रदान कर रहे हैं। एलएसजी खिलाड़ियों से आज मिलना और अभिवादन बच्चों और यात्रियों के लिए एक यादगार अनुभव था। लखनऊ मेट्रो और लखनऊ सुपर जायंट्स की साझेदारी बेमिसाल है। बता दें कि लखनऊ सुपर जायंट्स के कुल सात मैच लखनऊ के इकाना स्टेडियम में प्रस्तावित हैं। इनमें से छह मैच एक, चार, 14, 22 अप्रैल, नौ और 18 मई को होने वाले मैच शाम 7:30 बजे से शुरू होकर देर रात तक चलेंगे। इस दौरान दर्शकों को सुविधाजनक और सुरक्षित यात्रा कराने के लिए लखनऊ मेट्रो को रात 12:30 बजे तक चलाया जा रहा है।

खूबसूरती पर हुए मंत्रमुग्ध

मृतक की बहन ने लगाया आरोप

लखनऊ में रिटायर्ड जज दंपती वसूली कर रहे थे

» जज की पत्नी को वीडियो भेजकर बयां की थी व्यथा
» परेशान होकर कुक ने लगाई थी फांसी
» खुदकुशी के लिये उकसाने का आरोप लगाया जा रहा

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। मृतक की बहन ने संगीन आरोप लगाये है। बीते दिन प्रताड़ता का अरोप लगाकर युवक ने खुदकुशी की थी। इसके बाद जमकर हंगामा और प्रदर्शन हुआ था। मृतक की बहन ने आरोप लगाया है कि जज की पत्नी वंदना मेरे भाई पर लगातार पैसा लाने का दबाव बना रही थीं। परेशान होकर भाई ने कुछ पैसा दिया भी था। इससे भी वह संतुष्ट नहीं हुई। दबाव बनाकर अर्जुनगंज के मकान की रजिस्ट्री भी रख ली। इसके बाद डेढ़ लाख रुपए लाने का दबाव बना रही थीं। मेरा भाई बोलता रहा कि उसने चोरी नहीं की, लेकिन उसकी एक न सुनी। इससे परेशान होकर भाई ने सुसाइड कर लिया। यह कहना है शांति कश्यप का। शांति के भाई महेश कश्यप (35) ने बुधवार को घर में पंखे के सहारे फांसी लगा ली थी। परिजनों ने रिटायर्ड जज और उसकी पत्नी पर सुसाइड के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। महेश निषाद (35) लक्ष्मण मेला मैदान रोड का रहने वाला था। वह अलीगंज में रहने वाले रिटायर्ड जज अनिल श्रीवास्तव के घर में 4 साल से खाना बनाने का काम करता था। रिटायर्ड जज अनिल श्रीवास्तव के घर होली के दूसरे दिन साढ़े 6 लाख की चोरी हो गई थी। इसका आरोप महेश निषाद पर लगा था। चोरी का पता चलने पर जज ने महेश को फोन करके घर बुलाया था। लेकिन, होली होने की वजह से महेश ने उस दिन काफी शराब पी रखी थी। इसलिए वह बुलाने के बावजूद उनके घर नहीं गया था। इसकी वजह से होली के अगले दिन जज महेश के घर पहुंच। वह महेश और उसकी पत्नी कविता को अपनी गाड़ी में बैठाकर साथ ले गए। कुछ देर बाद पत्नी को घर भेज दिया। देर रात तक जब महेश नहीं लौटा, तो परिवार वालों को चिंता हुई। वे लोग जज के घर गए। वहां पता चला कि जज ने महेश को पुलिस के हवाले कर दिया है।

यह थी पूरी घटना

हजरतगंज लक्ष्मण मेला मार्ग तिलक नगर निवासी महेश निषाद (35) विकलांग पिता बरसाती, भाई राजू, पत्नी कविता, बेटी शुभी (17), बेटे आर्यन (13) के साथ रहता था। पत्नी कविता ने बताया कि महेश अलीगंज में रहने वाले रिटायर्ड रिटायर्ड जज अनिल श्रीवास्तव (78) के घर में चार साल से खाना बनाने का काम करता था। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे पत्नी कविता पड़ोस में गई थी, बच्चे बाहर खेल रहे थे, अन्य परिवारीजन भी घर पर नहीं थे। इसी दौरान महेश ने फंदा बनाकर फांसी लगा ली। कुछ देर बाद कविता घर पहुंची तो महेश को फंदे से लटकता देख उनकी चीख निकल गई। स्थानीय लोगों की मदद से फंदे से उतारकर महेश को सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने महेश को मृत घोषित कर दिया था।

सर्वेंट क्वार्टर में घायल मिला था

परिवार वाले थाने पहुंचे, लेकिन महेश वहां नहीं मिला। अगले दिन वे लोग फिर से जज के घर गए, तो उनके सर्वेंट क्वार्टर में महेश घायल पड़ा मिला। उसके शरीर पर मारपीट के निशान थे। परिजनों ने इसकी शिकायत पुलिस से की लेकिन, जज का रसूख होने के चलते कार्रवाई नहीं हुई। वहीं जज की पत्नी ने महेश को और प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। परेशान होकर महेश कश्यप ने बीते बुधवार को सुसाइड कर लिया। सुसाइड करने से पहले महेश ने अपनी बेगुनाही को बताते हुए जज की पत्नी को एक वीडियो भेजा था। मृतक के परिजनों का आरोप है कि जज की पत्नी वंदना को महेश ने सुसाइड से पहले कई मैसेज भेजे थे। इसके बाद अपनी बेगुनाही का एक ऑडियो भेजा। फिर वीडियो भी भेजा। लेकिन उन्होंने देखकर अनदेखा कर दिया। अगर वो महेश से बात कर लेती तो शायद उसकी जान बच जाती। परिजनों का कहना है कि महेश घर का अकेला कमाने वाला था। शुभी (17) और बेटा आर्यन (13) दो बच्चे हैं। अब इनकी परवरिश कैसे होगी? परिजनों ने रिटायर्ड जज और उसकी पत्नी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। परिजनों ने रिटायर्ड जज और उनकी पत्नी के खिलाफ हजरतगंज कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

लुलु मॉल और अहमामऊ चौराहे पर अभद्रता मारपीट, दो गिरफ्तार

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं.)। सुशांत गोल्फ सिटी कोतवाली क्षेत्र में स्थित लुलु मॉल और अहमामऊ चौराहे पर लोगों से अभद्रता और मारपीट करने वाले दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया। इंस्पेक्टर सुशांत गोल्फ सिटी अंजनी कुमार मिश्र ने बताया कि बीते बुधवार शाम सूचना मिली कि लुलु मॉल के अंदर फंटूरा के सामने गली में खड़ा एक युवक आने जाने वाले लोगों से अभद्रता करने के साथ मारपीट धक्का मुक्की कर रहा है, जिसमें पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक मुहम्मद मुकीम निवासी ग्राम सराबां, कुम्हरावां, थाना इंटौजा लखनऊ को गिरफ्तार कर लिया। वहीं दूसरी घटना में गुरुवार को सूचना मिली कि एक व्यक्ति अहमामऊ चौराहे के पास आने जाने वाले लोगों से वाद-विवाद कर,अभद्रता कर रहा है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी अरुण कुमार 25 पिता का नाम स्व० भारत लाल निवासी ग्राम मागहुआ, थाना गोसाईगंज, लखनऊ को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया।

स्कूटी में लगी आग, जलकर हुई खाक

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के अलीगंज थाना क्षेत्रान्तर्गत गुरुवार को एक स्कूटी में आग लगी गयी। धुआं उठता देख लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी, लेकिन तब तक स्कूटी जलकर खाक हो गयी थी। पुलिस ने बताया कि लखनऊ के अलीगंज के सेक्टर- क्यू में स्कूटी में आग लग गई। देखते ही देखते ही आग ने विकराल रूप ले लिया। आसपास मौजूद लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर दमकल गाड़ी ने आग पर काबू पाया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। आग बुझने के बाद कारणों का पता चल पाएगा। मिली जानकारी के अनुसार इंजीनियरिंग कॉलेज रोड सेक्टर- क्यू के पास गुरुवार करीब 6 बजे स्कूटी यूपी 32 पीएच 7233 में आग लग गई। सूचना पर इंदिरा नगर व बीकेटी से एक-एक गाड़ी मौके पर पहुंची। जहां पहले ही आग बुझ चुकी थी। गाड़ी मालिक की जानकारी की गई तो कुछ पता नहीं चल सका। इसके बाद दोनों गाड़ियां वहां से लौट गई।

तार से निकली चिंगारी से गेहूँ की फसल जलकर राख

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं.)। गोसाईगंज क्षेत्र के घुसकर गांव के मजरा काशीराम पुरवा मे गुरुवार को हाई टेंशन लाइन से निकली चिंगारी ने किसान के खेत मे तैयार खड़ी गेहूं की फसल को जलाकर राख हो गई। आग लगने की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस व दमकल विभाग को दी। मिली जानकारी के अनुसार काशी राम पुरवा गांव के रहने वाले किसान महादेव के खेत के ऊपर से गुजर रही हाई टेंशन लाइन में गुरुवार को अचानक स्पार्किंग हुई। जिससे निकली चिंगारी उनके गेहूँ के खेत में गिर गई। जिससे उनके खेत मे तैयार खड़ी एक बीघा की फसल जलकर राख हो गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी, लेकिन जबतक फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुँचती तब तक ग्रामीणो ने आग पर काबू पा लिया था।

एलडीए में 106 आवंटियों ने करायी रजिस्ट्री जनहित में 02 दिन के लिए बढ़ाया गया कैम्प

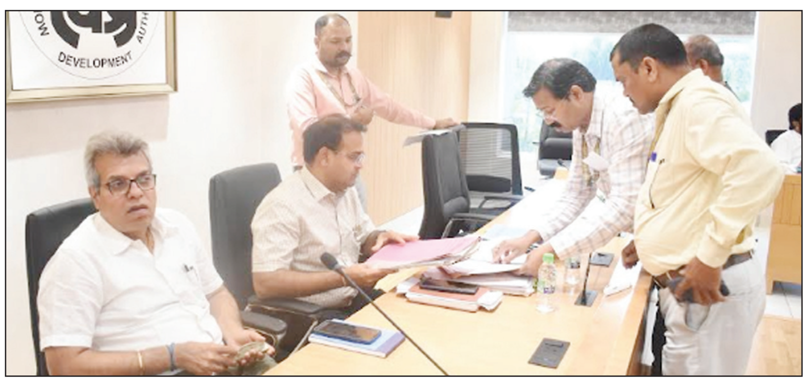

» लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार की पहल पर लगाये गये विशेष कैम्प की आवंटी कर रहे सराहना
» अब 04 एवं 05 अप्रैल को भी लगेगा कैम्प, रजिस्ट्री विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में होगी निबंधन पंजीयन की कार्यवाही

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार की पहल पर एलडीए कार्यालय में लगाये गये विशेष निबंधन शिविर में गुरूवार को 106 आवंटियों के पक्ष में सम्पत्ति की रजिस्ट्री की गयी। बिना भागदौड़ एक ही पटल पर फाइल तैयार हुयी और वहीं रजिस्ट्री हो गयी तो आवंटियों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। आवंटियों की मांग पर उपाध्यक्ष ने विशेष शिविर की अवधि 02 दिनों के लिए बढ़ा दी है। अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा ने बताया कि प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर विभिन्न आवासीय एवं व्यवसायिक सम्पत्तियों का आवंटन किया गया है। जिनमें से कई आवंटियों ने सम्पत्ति की रजिस्ट्री नहीं करायी थी। इसे ध्यान में रखते हुए आवंटियों की सहूलियत के लिए विशेष निबंधन शिविर आयोजित किया गया। जिसके अंतर्गत दिनांक-24.03.2025 से 29.03.2025 तक प्राधिकरण भवन के कमेटी हॉल में शिविर लगाया गया। जिसमें प्राधिकरण के सम्बंधित अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा सम्पत्तियों के निबंधन सम्बंधी दस्तावेज तैयार किये गये। इसके बाद 02 एवं 03 अप्रैल को पुनः शिविर लगाया गया। जिसमें प्राधिकरण कर्मियों के साथ निबंधन विभाग की टीम भी उपस्थित रही। जिनके द्वारा एक ही पटल पर काम करते हुए आवंटियों के पक्ष में सम्पत्ति की रजिस्ट्री निष्पादित करवायी गयी। गुरूवार को दिनभर चली कार्यवाही के दौरान कुल 106 आवंटियों की रजिस्ट्री की गयी। जिसमें विभिन्न अपार्टमेंट्स के फ्लैट्स, कानपुर रोड योजना, जानकीपुरम विस्तार, बसन्तकुंज व प्रधानमंत्री आवास योजना समेत अन्य योजनाओं की सम्पत्तियां शामिल हैं। आवंटियों के उत्साह को देखते हुए उपाध्यक्ष ने कैम्प की अवधि दो दिन के लिए बढ़ा दी है। अब 04 एवं 05 अप्रैल को भी शिविर लगाया जाएगा, जिसमें निबंधन पंजीयन की कार्यवाही की जाएगी।

आवंटियों की प्रतिक्रिया

केसः 1 एलडीए में लगाये गये विशेष निबंधन शिविर से बहुत सुविधा मिली। एक ही जगह सारा काम होकर रजिस्ट्री हो गयी, कहीं इधर-उधर भटकना नहीं पड़ा। एलडीए के स्टॉफ को बहुत-बहुत धन्यवाद।
- राजेश मसीह
सेक्टर-आई, जानकीपुरम

केसः 2 मुझे लॉटरी के माध्यम से प्लॉट आवंटित हुआ था। यहां एलडीए में लगे विशेष कैम्प में रजिस्ट्री की जा रही है, जोकि बहुत अच्छा है। वरना रजिस्ट्रार ऑफिस जाना पड़ता था, जिसमें बहुत समय लगता था।
- वंदना यादव
कल्याणपुर

केसः 3 एलडीए में रजिस्ट्री कैम्प लगने से बहुत सुविधा मिली। रजिस्ट्री का काम अच्छे से हो गया और दौड़भाग नहीं करनी पड़ी।
- नियाज अहमद, हुसैनगंज

केसः 4 मेरी रजिस्ट्री प्रस्तावित थी। विशेष शिविर के माध्यम से सारा काम एक ही काउंटर पर हो गया। एलडीए का स्टॉफ बहुत सपोर्टिव रहा, जिससे किसी भी तरह की परेशानी नहीं हुयी।
- मुगले आजम, लखनऊ

केसः 5 मैंने एलडीए की पहले आओ-पहले पाओ योजना के अंतर्गत फ्लैट बुक कराया था। उसकी रजिस्ट्री कराने आयी थी, कैम्प में सारा काम आसानी से हो गया और आज में अपने फ्लैट की मालकिन बन गयी, जिसकी मुझे बहुत खुशी है।
मीना कुमार, रायबरेली

लखनऊ में पुरानी रंजिश में मां बेटे को पीटा

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के मदेयगंज इलाके में पुरानी रंजिश के चलते दबंगों ने महिला और उसके बेटे की लोहे की रॉड से पिटाई कर दी। महिला का आरोप है कि उसकी अपने रिश्तेदारों से पुरानी रंजिश चल रही है। जिसके चलते बुधवार को उसके और बेटे के साथ मारपीट की गई। घायल युवक का बलरामपुर अस्पताल में इलाज चल रहा है। मदेयगंज मोहन मेकिंग रोड निवासी मरियम ने बेटे नजरूद्दीन के साथ किसी काम से घर निकली थी। बब्बू वाली गली में पहुंचने पर इरफान, फजलु, फैजान और सगीरून ने उन पर हमला कर दिया। आरोपी फैजान ने नजरूद्दीन के सिर पर ईट से हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि लोहे की रॉड से कई वार किए, जिससे नजरूद्दीन लहुलूहान हालत में वहीं गिर गया। तभी फजलु ने लोहे की रॉड से कई वार कर दिए। स्थानीय लोगों को जुटता देख आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। इसके बाद नजरूद्दीन को बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका इलाज चल रहा है। इंस्पेक्टर राजेश कुमार सिंह ने बताया कि मामले में लोहराजोत गिर्द गोंडा निवासी फजुल रहमान पुत्र मोहम्मद इरफान को गिरफ्तार किया गया है। पीड़ित और आरोपी पक्ष आपस में रिश्तेदार हैं। इनकी पुरानी रंजिश चल रही है। घटना में शामिल अन्य नामजद आरोपियों की तलाश चल रही है।

गोमतीनगर रेलवे लाइन के पास मिला एक व्यक्ति का शव

नहीं हो सकी शिनाख्त, पुलिस पूछताछ में लगी

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। गोमतीनगर इलाके में गुरुवार को रेलवे लाइन के पास 10दिन पुराना एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। डेड-बॉडी सड़ चुकी थी। देररात तक पुलिस उसकी शिनाख्त नहीं करा सकी। इस मामले में पुलिस पूछताछ करने में लगी हुयी है। इस्पेक्टर गोमतीनगर राजेश त्रिपाठी ने बताया कि राहुल कुमार (पाइन्ट्श मैन) गोमतीनगर स्टेशन ने गोमतीनगर थाना पर सूचना दिया कि गोमतीनगर स्टेशन व बादशाहनगर स्टेशन के बीच (मिठाई लाल चौराहे से बादशाहनगर की ओर) लाइन के किनारे झाड़ियों में एक डेड वॉडी पड़ी दिख्री है। इस सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने बताया कि एक पुरूष उम्र करीब 35-40 वर्ष का शव है, शिनाख्त के प्रयास किये जा रहे है, शव करीब 8-10 दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने कहा है कि शिनाख्त के बाद और पोस्टर्माट रिपोर्ट मिलने के पर मौत के सहीं कारणों की जानकारी हो सकेगी। जांच-पड़ताल की जा रही है। वहीं दुसरी ओर प्रत्यक्षदर्शियों ने अन्होनही होने की आशंका व्यक्त की है। हालांकि पुलिस ने इससे इनकार किया है।

हत्या, हादसा या खुदकुशी को लेकर हो रही तहकीकात

गोमतीनगर पुलिस का कहना है कि गुरुवार सुबह 11बजे रेलवे कर्मचारी राहुल कुमार ने शव मिलने की सूचना दी। बताया कि गोमतीनगर स्टेशन और बाद शाहनगर स्टेशन के बीच लाइन के किनारे झाड़ियों में एक युवक का शव पड़ा है। मौके पर की गई जांच में सामने आया कि युवक की उम्र करीब 35 से 40 साल है। हत्या और हादसा की हो रही जांच-पड़ताल। हालांकि युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। शिनाख्त के लिए लापता लोगों की सूची से मिलान कराया जा रहा है। पुलिस घटना की हत्या और हादसा दोनों बिंदुओं पर जांच कर रही है।

शोहदे ने युवती से की छेड़खानी मुकदमा दर्ज

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं.)। पूर्व परिचित युवक ने युवती को रास्ते में छेड़खानी की। विरोध करने पर मारपीट करके गला दबाया। युवती ने उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। युवती का आरोप है कि युवक की हरकतों से परेशान होकर उसने युवक से बातचीत बंद कर दी थी। इससे वह नाराज चल रहा था। घटना आशियाना इलाके की बतायी जा रही है। बताया जा रहा है कि बहनों के साथ बाजार गई थी युवती। मकाउखेड़ा बिजनोर निवासी युवती का आरोप है बुधवार शाम करीब 6:30 बजे अपनी बहनों के साथ विशाल मेगा मार्ट डोमिनोज गई थी। रास्ते में पूर्व परिचित घसियारी मोहल्ला बिजनोर निवासी उमेर मिल गया। उसने गंदी बातें करते हुए अश्लीलता शुरू कर दी। विरोध करने पर मारपीट करके गला दबाने लगा। घबराकर उन्होंने गोहार लगाई और पुलिस को सूचना दी। इस पर आरोपी भाग गया। उन्होंने उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले में पुलिस का कहना है जांच की जा रही है। उसके आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कई माह से कर रहा था परेशान

युवती का कहना है कि आरोपी युवक पूर्व परिचित है। पहले उससे बातचीत करती थी। बाद में उसकी हरकतों से परेशान होकर बातचीत बंद कर दी थी। उसके बाद से वह नाराज रहने लगा था। पिछले कई महीनों से परेशान कर रहा था।

इकाना स्टेडियम में आईपीएल मैच के दृष्टिगत यातायात-डायवर्ट किया गया

» किसी भी कामर्शियल वाहन को वहां सवारी भरने की अनुमति नहीं होगी
» बिना कार्ड के स्टेडियम में नहीं मिलेगा प्रवेश
» पुलिस मुख्यालय के पीछे अस्थाई पिक एण्ड ड्राप स्टैण्ड होगा

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। इकाना स्टेडियम में आईपीएल मैच के दृष्टिगत यातायात डायवर्जन व्यवस्था की गयी है। जिससे लोगों को असुविधा न हो। डीसीपी ट्रैफिक प्रबल प्रताप सिंह ने बताया कि कमता शहीद पथ तिराहा अयोध्या रोड से सामान्य यातायात कमता तिराहे से शहीद पथ होकर सुल्तानपुर रोड, रायबरेली रोड, कानपुर रोड की तरफ नही जा सकेगा, वाहन कमता तिराहा, इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान चौराहा, समतामूलक चौराहा, लालबत्ती चौराहा, करियप्पा चौराहा, तेलीबाग चौराहा, बाराबिरवा चौराहा अथवा इन्दिरानहर चौराहा से होते हुये किसान पथ होकर जाएगा। इसी तरह शहीद पथ कानपुर रोड तिराहा से सामान्य यातायात शहीद पथ होकर सुल्तानपुर रोड, रायबरेली रोड, अयोध्या रोड की तरफ नही जा सकेगा, बल्कि यह वाहन बाराबिरवा चौराहा बंगलाबाजार चौराहा, तेलीबाग चौराहा, करियप्पा चौराहा, लालबत्ती चौराहा, 1090 चौराहा अथवा दरोगाखेड़ा किसान पथ होकर जा सकेगें। गोसाईगंज कस्बा तिराहा सुल्तानपुर रोड से बड़े वाहन, बस, कामर्शियल वाहन गोसाईगंज कस्बा तिराहा अथवा अमूल डेरी कटिंग से अहिमामऊ की तरफ नहीं जा सकेगा, बल्कि यह वाहन अमूल डेरी कटिंग से बांये वृन्दावन योजना अथवा कबीरपुर किसान पथ होते हुये जा सकेगें। उतरेठिया अण्डरपास चौराहा रायबरेली रोड, कैण्ट रोड से बड़े वाहन, बस, कामर्शियल वाहन उतरेठिया अण्डरपास चौराहा से शहीद पथ पर चढ़कर अहिमामऊ चौराहा व कमता तिराहा अयोध्या रोड की तरफ नही जा सकेगा, बल्कि यह वाहन तेलीबाग चौराहा, बाराबिरवा चौराहा, करियप्पा चौराहा अथवा हरीकंशगढ़ी किसान पथ होते हुये जा सकेंगे। हुसड़िया अण्डरपास चौराहा की तरफ से सामान्य यातायात अहिमामऊ चौराहा, शहीद पथ कानपुर रोड तिराहा की तरफ नही जा सकेगा, बल्कि यह वाहन शहर क्षेत्र से होकर 1090 चौराहा होते हुये अपने गन्तव्य को जा सकेंगे। लालबत्ती चौराहा की तरफ से वाहन अहिमामऊ चौराहा, सुल्तानपुर रोड, रायबरेली रोड/कानपुर रोड की तरफ नही जा सकेगा, बल्कि यह वाहन लालबत्ती चौराहा से करियप्पा चौराहा, तेलीबाग अथवा बंगलाबाजार चौराहा, बाराबिरवा चौराहा होते हुये अपने गन्तव्य को जा सकेंगे। अर्जुनगंज की तरफ से आने वाली वाहन अहिमामऊ से बायें मुड़कर पीएचक्यू, यूपी-112, मातृत्व अस्पताल के पीछे वाली सड़क पर सवारी उतारेंगे एवं पीएचक्यू के सामने से होते हुए जी-20 तिराहे से गोमतीनगर के तरफ जायेंगे।

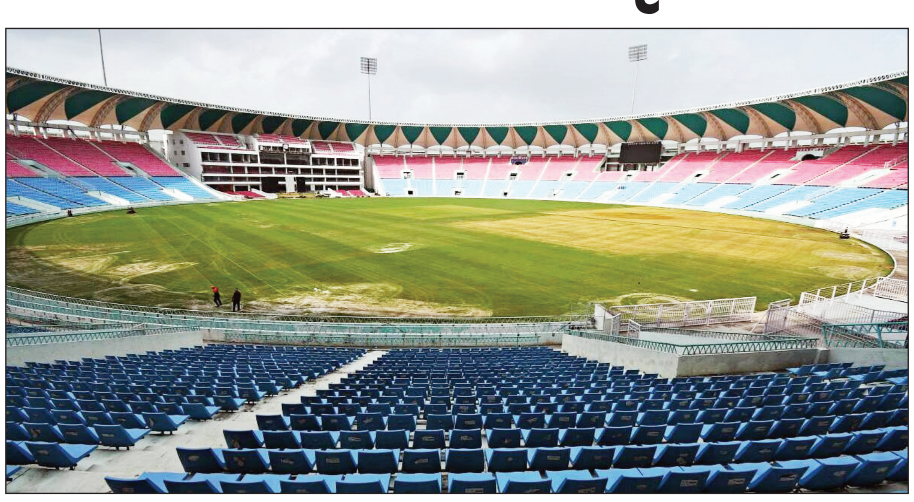

निजी वाहन

जिन वाहन स्वामियों के पास वाहन पास होगा वह अहिमामऊ से एचसीएल की तरफ जाकर वाटर टैंक तिराहा से प्लासियों होते हुए चिन्हित पार्किंग में वाहन पार्क करेंगे। जिन वाहन स्वामियों के पास वाहन पास उपलब्ध नही है वह भी अहिमामऊ से एचसीएल होकर जायेंगे। उनमें से पहले आने वाले वाहन स्वामियों को प्लासियों मॉल में पार्किंग दिया जायेगा। प्लासियों मॉल की पार्किंग भर जाने के पश्चात वाटर टैंक तिराहे से एचसीएल के बीच पार्किंग होगी।

बिना ड्यूटी कार्ड या टिकट के स्टेडियम के अन्दर प्रवेश नहीं होगा

पीएचक्यू, यूपी-112 मुख्यालय के पीछे की सड़क की तरफ अस्थाई पिक एण्ड ड्राप स्टैण्ड होगा, जहाँ निजी वाहन, ऑटो रिक्शा सवारी उतार सकेंगे, बैठा सकेंगे। कोई भी व्यक्ति बिना ड्यूटी कार्ड या टिकट के स्टेडियम के अन्दर प्रवेश नही करेगा, पकड़े जाने पर सख्त कार्यवाही की जायेगी एवं अनाधिकृत प्रवेश दण्डनीय अपराध होगा। सिक्का, ईयरफोन, ज्वलनशील पदार्थ आदि आईसीसी व वीसीसीआई के निर्देशानुसार पूर्णतः प्रतिबन्धित है।

दो पहिया वाहन

समस्त दो पहिया वाहन अहिमामऊ से एचसीएल तिराहा होते हुये प्लासियों माल के पीछे वाहन पार्क करेंगें। वीवीआईपी/वीआईपी के साथ आने वाले स्कोर्ट स्टेडियम से वापस होकर मॉल अथवा पीएचक्यू के पीछे वाली सड़कों पर वाहन पार्क करेंगे। स्टेडियम के पास किसी भी दशा में वाहन पार्क न किया जाय। वाहनों का प्लासियों मॉल के सामने या स्टेडियम के सामने ईधर-ऊधर अवैध पार्किंग करने पर टोईंग एवं क्लैम्प लगाने की कार्यवाही की जायेगी। टिकट पर क्यूआर कोड दर्ज होगा जिसको स्कैन करने पर पार्किंग स्थलों का विवरण मैप सहित प्रदर्शित होगा। 5. सुरक्षाकर्मी जो विशिष्ट अथवा अतिविशिष्ट दर्शकों के साथ आयेंगे, उन्हें अन्दर जाने की अनुमति नही होगी। पार्किंग क्षेत्र स्थापित रहेंगें। मात्र टिकट धारक ही विभिन्न प्रकार के स्टैण्ड में प्रवेश करेंगे। मैच के दिन टिकटों की विक्री का कोई काउन्टर स्टेडियम में नही होगा। अतः पूर्व से ही टिकट (हार्ड कापी) खरीदकर लेकर आयें। ऑनलाईन बुकिंग की दशा में टिकट की हार्ड कॉपी लेकर आयें। हार्ड कॉपी न होने की दशा में प्रवेश निषेध होगा। मैच प्रारम्भ होने के तीन-घण्टे पूर्व प्रवेश दिया जायेगा। अंतिम प्रवेश दूसरी पारी के मध्य तक दिया जायेगा, फिर प्रवेश अनुमन्य नहीं होगा। स्टेडियम में दुबारा प्रवेश अनुमन्य नहीं है अर्थात मैच छोड़कर बाहर निकल जाने पर दोबार स्टेडियम में प्रवेश नही मिलेगा।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु **ई–निविदा** प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा दिनांक **24.04.2025** को **15:00** बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल आफर स्वीकार नहीं किये जायेगें यदि कोई मैनुयल आफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

निविदा सूचना संख्या	03502025 dated 02.04.2025				
निविदा संख्या	1. 05-Sr.DEN-IV-LKO-2025-26		2. 01-Sr-DEN-VI-LKO-2025-26		
कार्य का नाम	1. वरि. मंडल इंजीनियर–चतुर्थ लखनऊ के तहत ट्रैक आधारित रेल गेज फेस ल्यूब्रिकेटर (इलेक्ट्रोनिक प्रकार) की आपूर्ति, जिसमें डुअल ग्रीस एप्लिकेटर/ वाइपर बार 23 नं. शामिल हैं।		2. वरि. मंडल इंजीनियर–षष्ठम लखनऊ के तहत ट्रैक आधारित रेल गेज फेस ल्यूब्रिकेटर (इलेक्ट्रोनिक प्रकार) की आपूर्ति, जिसमें डुअल ग्रीस एप्लिकेटर/ वाइपर बार 32 नं. शामिल हैं।		
अनुमानित लागत	₹ 30470400.00	₹ 42393600.00	धरोहर राशि	₹ 302400.00	₹ 362000.00
कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 60 माह।		निविदा डालने का प्रारंभ (1&2)	10.04.2025	
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय (1&2)	24.04.2025 को 15:00 बजे		वेबसाईट	www.ireps.gov.in	

नोटः निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध हैं। 1007/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मुख्यमंत्री ने वक्फ बोर्ड पर भूमि अतिक्रमण करने का लगाया आरोप

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने श्रृंगवेरपुर में जनसभा को संबोधित किया

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वक्फ बोर्ड पर बृहस्पतिवार को सीधा हमला करते हुए इस पर भूमि अतिक्रमण करने का आरोप लगाया और इस बात पर जोर दिया कि सार्वजनिक और ऐतिहासिक स्थलों पर इसका मनमाना दावा ज्यादा दिनों तक बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यहां श्रृंगवेरपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, आप यहां निषादराज की पौराणिक भूमि पर कब्जा देख रहे हैं ना। शहर में जगह-जगह वक्फ के नाम पर कब्जे किए गए हैं। यहां तक कि कुंभ के समय भी बयान दिए गए कि कुंभ की भूमि भी वक्फ की है। हमने पूछा था- क्या वक्फ बोर्ड भू-माफिया बन गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार के तहत इस तरह के अतिक्रमण हटा दिए गए हैं और माफियाओं को उत्तर प्रदेश से बाहर खदेड़ दिया गया है। उन्होंने कहा, निषाद राज से जुड़ी पवित्र भूमि समेत कई जगहों पर वक्फ के नाम पर अतिक्रमण किया गया। लेकिन ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। उनकी आपत्तियों के बावजूद भव्य और दिव्य कुंभ मेले का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री ने वक्फ बोर्ड की कथित अनियमितताओं के खिलाफ विधायी कार्रवाई करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की भी सराहना की। उन्होंने कहा, हम प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के आभारी हैं कि उन्होंने वक्फ बोर्ड की मनमानी पर लगाम लगाई है। इस मुद्दे को हल करने वाला एक महत्वपूर्ण विधेयक पहले ही लोकसभा में पारित हो चुका है और अब इसे राज्यसभा में भी पारित किया जाएगा। वक्फ (संशोधन) विधेयक बुधवार को लोकसभा में पारित हो गया और बृहस्पतिवार को राज्यसभा में प्रस्तुत किया गया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य अब अवैध दावों को बर्दाश्त नहीं करेगा और राष्ट्रीय हित को सबसे ऊपर रखना होगा। उन्होंने कहा, जो लोग राष्ट्र के प्रति वफादार हैं, वे हमेशा अपना रास्ता खोज लेंगे। भगवान राम के परम सखा निषादराज गुह्य के जन्मोत्सव पर बृहस्पतिवार को यहां भगवान राम और राजा निषादराज से जुड़ी कहानियों पर आधारित प्रदर्शनी और एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) पहल का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, मत्स्य पालन मंत्री डॉ. संजय निषाद और कई विधायक शामिल हुए। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रयागराज में 579 करोड़ रुपए की लागत वाली 181 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। महाकुंभ 2025 प्रयागराज की तैयारी में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले प्रशिक्षित गाइड, नाविकों और होमस्टे संचालकों को प्रशंसा प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के तहत 1,400 मत्स्य पालकों को 20 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई। उन्होंने भगवान राम और निषादराज के बीच ऐतिहासिक संबंध पर प्रकाश डाला और इसकी तुलना भाजपा और निषाद पार्टी के बीच मौजूदा राजनीतिक गठबंधन से की। मुख्यमंत्री ने कहा, भगवान राम और निषादराज के बीच मित्रता का यह अद्भुत संगम आज फिर देखने को मिल रहा है। वही मित्रता भाजपा और निषाद पार्टी की है। उन्होंने प्रयागराज के ऐतिहासिक महत्व को बहाल करने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, हमारा प्रयागराज अब सामान्य रूप से इलाहाबाद नहीं रहा। अब यह प्रयागराज हो गया है। प्रयागराज का मतलब महामिलन स्थल। जो लोग प्रयागराज की पहचान को छिपाते थे, वे नहीं चाहते थे कि इस पौराणिक नगर को एक पहचान मिले क्योंकि उनके लिए उनका वोटबैंक महत्वपूर्ण था। योगी आदित्यनाथ ने कहा, महाकुंभ ने यहां के लोगों को देश दुनिया में पहचान और सम्मान दिलाया है। व्यक्ति को पहचान और सम्मान मिल जाए तो इससे बढ़कर कुछ नहीं होता। पूर्ववर्ती सरकारें इस पहचान को समाप्त कर रही थीं। उत्तर प्रदेश को माफियाओं को हवाले कर रही थीं और हर जिले में एक माफिया विकसित कर रही थी।महाकुंभ के बहाने भगवान राम और निषादराज की मित्रता आज हमारे सामने जीवंत होती है। हाल ही में सम्पन्न महाकुंभ का उल्लेख करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि इस आयोजन ने विश्व के लिए एक उदाहरण स्थापित किया है। उन्होंने, महाकुंभ 2025 ने देश-प्रदेश को बहुत कुछ दिया। इतना बड़ा आयोजन सनातन धर्मावलंबी और राम भक्त ही कर सकते हैं। जिनके मन में राष्ट्र के प्रति निष्ठा नहीं है, वे ही इतना बड़ा आयोजन नहीं कर सकते। मुख्यमंत्री ने राज्य की मत्स्य पालन योजना की सफलता का भी उल्लेख किया, जिसके तहत करोड़ों रुपए के ऋण वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा, पहले किसी को पता नहीं था कि यह पैसा कहां गया। अब इसका लाभ सीधे लोगों तक पहुंच रहा है। आदित्यनाथ ने प्रयागराज को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि दिलाने का श्रेय महाकुंभ को दिया।(**भाषा**)

वक्फ बोर्ड कुछ लोगों की जागीर बन गया था : केशव मौर्य

कौशांबी। राज्यसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा के बीच उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बृहस्पतिवार को कहा कि वक्फ बोर्ड कुछ लोगों की जागीर बन गया था। अपने गृह जनपद कौशांबी में नवरात्रि के अवसर पर शीतला माता का दर्शन पूजन करने के बाद मां शीतला अतिथि गृह में पत्रकारों से बातचीत में मौर्य ने कहा कि वर्तमान में वक्फ बोर्ड की जमीनों को लेकर बड़े पैमाने पर धांधली हो रहा है तथा नए कानून के तहत जमीन को जांच के बाद ही वक्फ की संपत्ति माना जाएगा और वक्फ बोर्ड की जमीनों की जांच जिला कलेक्टर की निगरानी में होगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा इस कानून (वक्फ संशोधन विधेयक) का विरोध मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले लोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता चाहने वाले लोग इसका समर्थन कर रहे हैं और यह कानून 90 प्रतिशत गरीब मुसलमानों के हित में है। मौर्य ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने अनुच्छेद 370, राम मंदिर और तीन तलाक रोधी कानून का विरोध किया था। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 हटाया, राम मंदिर का निर्माण करवाया और मुस्लिम महिलाओं के हित में तीन तलाक कानून बनाया। (**भाषा**)

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने की वक्फ संशोधन विधेयक की आलोचना, सरकार पर विपक्ष की उपेक्षा का आरोप लगाया

वाराणसी। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित करने को लेकर बृहस्पतिवार को सरकार की आलोचना की और इसे विपक्ष की बात सुने बगैर जल्दबाजी में लिया गया फैसला करार दिया। राय ने सरकार पर मनमाने तरीके से काम करने और जनता को गुमराह करने का भी आरोप लगाया। वक्फ (संशोधन) विधेयक बुधवार को लोकसभा में पारित हुआ और बृहस्पतिवार को राज्यसभा में पेश किया गया। राय ने कहा, वक्फ विधेयक जल्दबाजी में लाया गया। सरकार ने विपक्ष की बात नहीं सुनी। जो चाहा, वह किया। सरकार ने लोगों को गुमराह करने के लिए वादे किए लेकिन उनमें से कोई भी पूरा नहीं किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर कटाक्ष करते हुए राय ने कहा, भाजपा के पास बहुमत है और वह जो चाहे कर रही है। चाहे वह नोटबंदी हो, जीएसटी हो या वक्फ विधेयक, सरकार लोगों की चिंताओं की अनदेखी करते हुए एकतरफा फैसले ले रही है। राय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उस टिप्पणी पर भी प्रतिक्रिया दी जिसमें उन्होंने कहा था कि समाजवादी पार्टी काराष्ट्रीय अध्यक्ष उनके अपने घर से ही होता है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, भाजपा में केवल अपने नेताओं की चापलूसी करने वालों को ही बढ़ावा दिया जाता है, जबकि मेहनती और योग्य कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर दिया जाता है। असली कार्यकर्ता घर पर ही पकौड़े बनाते रह जाते हैं। राय नेराष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत की वाराणसी यात्रा पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि वह प्रयागराज में महाकुंभ में क्यों नहीं गए उन्होंने कहा, भागवत हिंदुत्व और सनातन धर्म की बात करते हैं, फिर भी वह सनातन धर्म के सबसे बड़े आयोजन महाकुंभ में नहीं गए। इससे उन लोगों पर गंभीर सवाल उठते हैं जो हिंदुत्व के अलमबरदार होने का दावा करते हैं। (**भाषा**)

मुस्लिम संगठन ने वक्फ संशोधन विधेयक पारित होने का किया स्वागत

बरेली। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पारित होने का बृहस्पतिवार को स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि इससे देश में गरीब मुसलमानों की आर्थिक स्थिति में बड़ा बदलाव होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि यह विधेयक राज्यसभा में भी पारित हो जाएगा। रजवी ने कहा कि इस विधेयक के पारित हो जाने पर उम्मीद जगी है कि देश में कुछ अच्छा काम होगा और गरीब मुसलमानों की आर्थिक स्थिति में जबरदस्त इंकलाब आएगा। उन्होंने कहा कि वह उन सभी लोकसभा सदस्यों को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने इस विधेयक के पक्ष में मतदान किया है। बरेलवी मसलक के मौलाना रजवी ने कहा कि वह केन्द्र सरकार को भी मुबारकबाद देते हैं कि उसने यह विधेयक पारित करवाकर अच्छा कदम उठाया है और बुराई के खात्मे के लिए अच्छी पहल की है। उन्होंने आरोप लगाया, वक्फ बोर्ड पर काबिज लोग भू-माफिया से मिलकर करोड़ों की जमीनों को रेवड़ियों के भाव बेच देते थे। वक्फ की मंशा के मुताबिक काम नहीं होता था। वक्फ की मंशा यही थी कि उससे होने वाली आमदनी गरीब, कमजोर और यतीम मुसलमानों पर खर्च की जाए, लेकिन वह आमदनी कुछ लोगों की जेब में जाती थी। अधिक समय तक चर्चा करने के बाद देर रात करीब दो बजे वक्फ़ (संशोधन) विधेयक, 2025 और मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक, 2024 को पारित किया। विपक्षी सदस्यों के संशोधनों को खारिज करते हुए 232 के मुकाबले 288 मतों से वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को पारित किया गया। (**भाषा**)

स्कूल से लौट रही छात्रा को कार ने टक्कर मारी, घायल

फतेहपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। कार चालक की लापरवाही से स्कूल से घर लौट रही छात्रा घायल हो गई।घटना फतेहपुर थाना क्षेत्र के दशरथपुर गांव के पास की है। जानकारी के अनुसार इसरौली निवासी कमल कुमार की 15 वर्षीय बेटी प्रियंका वर्मा सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज में कक्षा 9 की छात्रा है। वह रोज की तरह स्कूल से छुट्टी के बाद साइकिल से अपने घर इसरौली लौट रही थी। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि प्रियंका साइकिल समेत सड़क पर गिर गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा करने के बाद कार चालक मौके से आनन फानन में फरार हो गया। राहगीरों ने परिवार को सूचना दी। परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे और प्रियंका को फतेहपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इलाज के लिए ले गए। अस्पताल में मौजूद चिकित्सकों ने घायल किशोरी का प्राथमिक उपचार शुरू कर दिया। परिजनों ने पीआरवी पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने गाड़ी के नंबर के आधार पर जांच शुरू कर दी है और फरार चालक की तलाश कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

तेज रफ्तार कार पुल से गिरी, गर्भवती महिला समेत चार लोग घायल

गाजियाबाद। गाजियाबाद में रेलवे पुल की रेलिंग तोडक़र एक कार झुग्गी पर जा गिरी जिससे एक गर्भवती महिला और उसका परिवार गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना मंगलवार देर रात करीब साढ़े 11 बजे हुई जब न्यू गाजियाबाद रेलवे स्टेशन के पास एक कार रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) की रेलिंग तोड़कर 50 फुट नीचे एक झुग्गी पर जा गिरी। उसने बताया कि जिस वक्त यह घटना हुई अयोध्या जिले की निवासी मधु (33) अपने पति संदीप (36) और अपने दो बच्चे शिवम (आठ) और कार्तिक (तीन) के साथ सो रही थी। पुलिस ने बताया कि चारों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर कवि नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और नौ माह की गर्भवती मधु, उसके पति और बच्चों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस उपायुक्त राजेश कुमार ने बताया कि मधु को बाद में दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया। मधु के जीजा टीटू ने संवाददाताओं को बताया कि इस दुर्घटना में मधु के पैर, पेट, कमर और सिर में चोट आई है और वह हादसे के बाद से वह होश में नहीं आई है। चिकित्सकों ने आपातकालीन ऑपरेशन किया और मधु ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। हालांकि, मधु की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त कार के अंदर फंसे चार युवकों को बाहर निकाला। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक जैसे ही उन्हें बाहर निकाला गया, वे सभी भाग गए। घटना के बाद टीटू ने कवि नगर थाने में चारों युवकों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है जिसमें आरोप लगाया गया है कि कार सवार चारों युवक शराब के नशे में थे और लापरवाही से गाड़ी चला रहे थे। पुलिस ने कार जब्त कर ली है। कार गाजियाबाद के विजय नगर थाना क्षेत्र के हरमुखपुरी निवासी जुवेद खान के नाम पर पंजीकृत है।

पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो अपराधियों को किया गिरफ्तार

नोएडा । जिले के सेक्टर-63 थाने की पुलिस ने बृहस्पतिवार को मुठभेड़ के बाद दो अपराधियों को गिरफ्तार किया जिनमें से एक पैर में गोली लगने से घायल हो गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए अपराधियों की पहचान फुर्खाबाद निवासी निलेश चौहान और नोएडा के बहलोलपुर निवासी आदित्य कुमार के रूप में हुई है जो 50 से अधिक आपराधिक वारदात को अंजाम दे चुके हैं। पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि पुलिस टीम बहलोलपुर अंडरपास पर जांच कर रही थी तभी गढ़ी गोल चक्कर की तरफ से बिना नंबर प्लेट वाली मोटरसाइकिल पर दो संदिग्ध व्यक्ति आते दिखे। उन्होंने बताया कि जब उन्हें रुकने का इशारा किया गया तो वे भागने की कोशिश करने लगे। पुलिस टीम ने लगभग एक किलोमीटर दूर तक उनका पीछा किया। अवस्थी ने कहा, खुद को घिरता देख एक बदमाश ने पुलिस पर गोली चला दी। जवाबी कार्वाई के दौरान पुलिस की गोली एक आरोपी के पैर में जा लगी। उन्होंने बताया कि दोनों के पास से एक तमंचा, चोरी किए आठ मोबाइल फोन और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई। (**भाषा**)

लंगूरों को तस्करी कर ले जा रही कार डिवाइडर से टकराई, तस्कर भागे

बरेली। बरेली में फतेहगंज पूर्वी थाना क्षेत्र में लखनऊ-दिल्लीराष्ट्रीय राजमार्ग पर लंगूरों को तस्करी कर ले जा रही एक कार डिवाइडर से टकरा गई जिसके बाद तस्कर मौके से फरार हो गए। अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि लखनऊ-दिल्लीराष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार तडक़े करीब तीन बजे हुलासनगरा ओवरब्रिज के पास बरेली जा रही एक कार डिवाइडर से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद कार सवार दो लोग मौके से भाग गए। उसने बताया कि पुलिस और ग्रामीण मौके पर पहुंचे तभी कार के अंदर एक बोरे में हलचल देखी और उसे खोला तो उसमें 10 लंगूर मिले। पुलिस ने बताया कि आठ लंगूर भाग निकले जबकि दो लंगूर घायल हालत में पाए गए जिन्हें कटरा स्थित पशु चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। उनमें से एक को बरेली स्थित भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान में रेफर किया गया है। कटरा पुलिस थाने के प्रभारी जुगल किशोर पाल ने बताया कि कार चालक का नाम यासीन है और वाहन का मालिक वीरेश शाहजहांपुर का निवासी है। उन्होंने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है।(**भाषा**)

इटावा में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, 18 श्रद्धालु घायल

इटावा। जिले में नवरात्रि के मौके पर ब्राह्मणी देवी के मंदिर में दर्शन करके लौट रहे श्रद्धालुओं की ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई जिससे 18 लोग घायल हो गए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर क्षेत्र) अभय नाथ त्रिपाठी ने बताया कि घटना बुधवार शाम बलरई थाना क्षेत्र के कीरतपुर गांव के पास की है। उन्होंने बताया कि आगरा जिले के चित्राहट क्षेत्र से 35 लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर इटावा जिले में ब्राह्मणी देवी मंदिर में दर्शन के लिए गए थे और वहां से लौटते समय यह हादसा हुआ। अधिकारी ने बताया कि ट्रैक्टर-ट्रॉली के पलटने के बाद उसके नीचे दबने से 18 श्रद्धालु घायल हो गए। घायलों की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद गांव के लोगों ने श्रद्धालुओं को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। त्रिपाठी ने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को जसवंत नगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां से पांच घायलों को गंभीर हालत के मद्देनजर सैफई मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। (**भाषा**)

धारदार हथियार से किशोर पर हमला

सुलतानपुर। शहर के पंचोपीरन इलाके में 17 वर्षीय एक छात्र पर चार से पांच लोगों के एक समूह ने कथित तौर पर धारदार हथियार से हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना बुधवार रात करीब 11 बजे कोतवाली देहात थाना क्षेत्र की है जब दुबेपुर गांव का निवासी अभिषेक वर्मा घर लौट रहा था तभी चार-पांच लोगों ने उसे रोक लिया। उसने बताया कि उन लोगों ने वर्मा के साथ दुर्व्यवहार किया और मारपीट की। पुलिस ने बताया कि बचने की कोशिश करने पर आरोपियों ने छात्र पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। (**भाषा**)

सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह आयोजित

ग्रुप 5 संवाददाता

अम्बेडकरनगर। सेवानिवृत्त हुए सीएमएस डॉ. ओमप्रकाश को मंगलवार को जिला अस्पताल में भावभीनी विदाई दी गई। इस दौरान वहां मौजूद चिकित्सकों व अन्य कर्मचारियों ने उन्हें स्मृति चिंह व शॉल देकर सम्मानित किया। सेवानिवृत्त हुए सीएमएस ने कहा कि उन्होंने अपने साढ़े चार वर्ष के कार्यकाल में जिला अस्पताल में व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए कई प्रकार के ठोस कदम उठाए। इसका मरीजों व तीमारदारों को व्यापक लाभ भी मिला। विदाई के दौरान डॉ मनोज शुक्ला ने कहा सीएमएस द्वारा पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपनी सेवाएं दी है। यह सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। निश्चित ही उनके मार्गदर्शन में अन्य कर्मचारियों को बहुत कुछ सीखने को मिला होगा। सेवानिवृत्त एक प्रक्रिया है, इससे सभी को गुजरना है। सरकार की ओर से संचालित की जा रही स्वास्थ्य संबंधित योजनाओं को गरीब लाभार्थियों तक पहुंचाने को लेकर हमेशा गंभीर रहते थे। डॉ संजय खरवार ने कहा कि सरकारी सेवा ग्रहण की तिथि के साथ ही उसकी रिटायर तिथि भी उनकी सर्विस में अंकित हो जाती है। बस कर्मचारी अपनी पूरी सेवा ईमानदारी के साथ बिता ले जाये वहीं उसकी मेहनत का सही मूल्य है। डॉक्टर पुरंदर कुमार ने कहा कि उनके साथी ओम प्रकाश ने निस्वार्थ भाव और ईमानदारी से विभागीय कार्य किया। आज हम अपने साथी को विदा जरूर कर रहे, लेकिन उनका अनुभव हमेशा काम आएगा। डॉ योगेश वर्मा कहा कि रिटायर्ड होने के बाद भी सरकारी कर्मियों को सक्रियता के साथ समाज के उन्मुखीकरण पर ध्यान देते हुए समय का उपयोग करना चाहिए। इस कार्य से आत्मिक संतुष्टि मिलेगी। डॉ आर'एम वर्मा ने कहा कि उनके साथी डॉ ओम प्रकाश ने निःस्वार्थ भाव और ईमानदारी से विभागीय कार्य किया। आज हम अपने साथी को विदा जरूर कर रहे, लेकिन उनका अनुभव हमेशा काम आएगा।

नगर पंचायत के सभासदों ने अधिशाषी अधिकारी को दिया चार सूत्रीय मांग पत्र

जैदपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। नाराज नगर पंचायत जैदपुर के सभासदों ने चार सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन दिया, पत्र में जैदपुर के विभिन्न मुद्दों दर्शाया गया है।जानकारी के अनुसार नगर पंचायत जैदपुर के सभी 17 वार्डो मे मिनी वाटर एटीएम बोर्ड में सभासदों द्वारा लिखवाया गया था तो उसका टेंडर होना चाहिए जिससे आने वाली चिलचिलाती धूप में नगरवासियों व राहगीरों को पानी के लिए इधर उधर भटकना न पड़े। वहीं नगर पंचायत जैदपुर के सभी वार्डो मे नालों की सफाई बरसात से पहले सही ढंग से होनी चाहिए जिससे जल भराव की समस्या न उत्पन्न हो सके। इसी तरह बांध चौराहा पर राहगीरों के लिए शौचालय होना अति आवश्यक है। वही नगर पंचायत जैदपुर के तालाबों में जैसे की

छिटीताल छोटी चमरही धोबिन गढडही व बड़ा तालाब आदि की खुलीं बोली होनी चाहिए जिससे जैदपुर की जनता को बोली की जानकारी हो सके। इन सभी मांगों को लेकर सभासदों ने अधिशाषी अधिकारी आलोक कुमार वर्मा को लिखित पत्र दिया गया है। इस दौरान मौके पर सभासदो मे ताहिर अंसारी, साएम मेंहदी, शाहे आलम कुरैशी, सुफियान अंसारी, मोहम्मद क़ासिम, रामसिंह, अबसार अंसारी, नसीम शाहरूख आदि सभासद मौजूद रहे। इस संबंध मे अधीशाषी अधिकारी आलोक वर्मा से बात की गयी तो बताया गया कि सभासदों की मांगे जायज है जिसको देखा जायेगा।

कुएं से मिला शव

अमेठी। जिले के जायस थाना क्षेत्र के खरका गांव से लापता एक व्यक्ति का शव एक कुएं से बृहस्पतिवार को बरामद हुआ। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, 45 वर्षीय अजय कुमार मौर्य दो अप्रैल की सुबह लापता हो गए थे तथा उनका शव आज जायस थाना क्षेत्र के कुमेदान गांव के पास स्थित नवाब की बगिया के कुएं से बरामद किया गया।(**भाषा**)

शाही ईदगाह मस्जिद के स्थान पर विवादित ढांचा शब्द का उपयोग करने की प्रार्थना

प्रयागराज। मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि- शाही ईदगाह विवाद मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने दो अलग-अलग वाद से जुड़े आवेदनों पर निर्णय सुनाने के लिए छह मई की तिथि बृहस्पतिवार को निर्धारित की। इनमें से एक आवेदन वाद संख्या 13 से जुड़ा है जिसमें आगे की संपूर्ण सुनवाई में शाही ईदगाह मस्जिद शब्द के स्थान पर विवादित ढांचा शब्द का उपयोग करने की प्रार्थना की गई है। वहीं, वाद संख्या सात से जुड़े आवेदन में राधा रानी को वादी के तौर पर पक्षकार बनाने की प्रार्थना की गई है। इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की अदालत कर रही है। उच्च न्यायालय में वाद संख्या 13 से जुड़े आवेदन में इस अदालत के समक्ष लंबित अन्य सभी संबंधित मामलों में भी शाही ईदगाह मस्जिद शब्द के स्थान पर विवादित ढांचा शब्द का उपयोग करने की प्रार्थना की गई है। सुनवाई के दौरान, मुस्लिम पक्ष की ओर से कहा गया है कि संशोधन आवेदन की अनुमति के आदेश के खिलाफ उन्हें उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर करनी है। उच्च न्यायालय ने पांच मार्च 2025 को वादी पक्ष की ओर से कुछ संशोधन की मांग स्वीकार कर ली थी। उल्लेखनीय है कि हिंदू पक्ष ने शाही ईदगाह मस्जिद का ढांचा हटाने, भूमि पर कब्जा लेने और मंदिर का पुनर्निर्माण के लिए 18 मुकदमे दाखिल किए हैं। इससे पूर्व, एक अगस्त 2024 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने हिंदू पक्षों द्वारा दायर इन मुकदमों की पोषणीयता (सुनवाई योग्य) को चुनौती देने वाली मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज कर दी थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि ए मुकदमे समय सीमा, वक्फ अधिनियम और पूजा स्थल अधिनियम 1991 से बाधित नहीं हैं। पूजा स्थल अधिनियम किसी भी धार्मिक ढांचे की उस स्थिति को परिवर्तित करने से रोकता है जो 15 अगस्त 1947 को थी।(**भाषा**)

श्रवण क्षेत्र धाम में भगवान हनुमान की भव्य प्रतिमा के स्थापना का कार्य अंतिम चरण में

अंबेडकरनगर, (ग्रुप 5 सं.)। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने जिला पर्यटन अधिकारी जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी अनुपम सिंह के साथ श्रवण क्षेत्र धाम में स्थापित प्रभु श्री राम जी की भव्य प्रतिमा तथा भगवान शंकर जी की प्रतिमा के साथ-साथ भगवान हनुमान जी की प्रतिमा की स्थापना सहित विभिन्न पर्यटन विकास कार्यो के प्रगति का भौतिक निरीक्षण किया तथा समस्त कार्यो को अपेक्षित समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान श्रवण क्षेत्र धाम में भगवान शंकर की प्रतिमा के बगल भगवान हनुमान की प्रतिमा की

स्थापना हेतु किए जा रहे फाउंडेशन वर्क, स्ट्रीट लाइट एवं परिसर के विकास आदि कार्यो का अवलोकन किया तथा कार्यदाई संस्था को आगामी रामनवमी/हनुमान जयंती पर्व से पूर्व ही प्रतिमा स्थापना से संबंधित समस्त कार्यो को पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने समस्त कार्यो में आगणन की विशिष्टियों एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान देने हेतु कार्यदाई संस्था को निर्देशित किया। उन्होंने भगवान श्री राम जी की प्रतिमा के परिसर में विकसित किए जा रहे जन सुविधाओं में आकर्षण एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए, उन्होंने परिसर में लगाई जा रही बेंचेज को एक सरेखण में व्यवस्थित रूप से लगाने की निर्देश दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि श्रवण क्षेत्र धाम को एक आधुनिक धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में तीव्रगति से विकसित किया जा रहा है। अयोध्या में भगवान श्री राम के भव्य मंदिर के निर्माण के उपरांत अयोध्या माहात्म्य में वर्णित जनपद के पवित्र एवं पौराणिक धार्मिक स्थल श्रवण क्षेत्र धाम में श्रद्धालुओं की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है।

विद्युत विभाग के जेई मिर्जा परवेज़ हुसैन के नेतृत्व में चला सफाई का कार्य

जैदपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। आने वाली भीषण गर्मी में किसी तरह की दिक्कत विद्युत उपभोक्ताओं को न हो इसलिये गुरुवार को जैदपुर उपकेंद्र के जेई के नेतृत्व में टीम द्वारा तीन घंटे तक सप्लाई को बधित कर पेड़ खर पतवार को साफ करने का कार्य किया गया। बताते चलें कि गुरुवार को सुबह दस बजे से एक बजे तक जेई मिर्जा परवेज़ हुसैन के नेतृत्व में सुपर वाईजर वकार मेहंदी सहित जैदपुर विद्युत वितरण उपकेंद्र के कर्मचारियों द्वारा तार पोल, लाईन ट्रांसफर के आस पास लगे कर पतवार पेड़ टहनियों को काटने का बहुत ही तेजी के साथ कर पुनः विद्युत सप्लाई को सुचारू रूप से चालू किया गया। इस संबंध में जेई मिर्जा परवेज़ हुसैन ने बताया कि तीन अप्रैल गुरुवार को 33/11 केवी

विद्युत उपकेन्द्र जैदपुर के अन्तर्गत आने वाले तारों के बगल व आस पास फैली गंदगी व पेड़ घास आदि को टीम द्वारा सफाई कराने हेतु सप्लाई को तीन घंटे तक बंद कर कार्य किया गया है। जिससे आने वाले समय में तमाम होने वाली दिक्कतों से निजात मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज में बड़ी संख्या में प्रवेश लेने पहुंच रहे छात्र

देहरादून, एजेंसी। पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज सेलाकुई में नए सत्र में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अभिभावक बड़ी संख्या में विद्यालय पहुंचकर अपने बच्चों का प्रवेश करवा रहे हैं। दो दिन में कक्षा नौ में 90 और छह में 30 छात्र प्रवेश ले चुके हैं। विद्यालय प्रशासन के अनुसार केवल कक्षा छह, नौ और 11 में ही प्रवेश दिए जाएंगे। प्रधानाचार्य यशवंत सिंह बर्तवाल ने बताया कि विद्यालय में प्रवेश लेने के लिए क्षेत्र से बाहर के अभिभावक भी बड़ी संख्या में आ रहे हैं। खासतौर पर कक्षा नौ में प्रवेश के लिए अधिक आवेदन आ रहे हैं, जिसमें अधिकांश छात्र आसपास के निजी विद्यालयों से स्थानांतरित होकर यहां दाखिला ले रहे हैं। विद्यालय प्रशासन ने कक्षा नौ में 250 छात्रों के प्रवेश लेने का निर्णय लिया है। बताया कि कक्षा नौ के लिए तीन सेक्शन बनाए गए हैं, जिनमें प्रत्येक सेक्शन में लगभग 75 से 80 छात्र होंगे। बताया कि इस वर्ष विद्यालय की छात्र संख्या एक हजार के पार पहुंचने की संभावना है। विद्यालय प्रशासन इस बढ़ती संख्या के अनुरूप संसाधनों के विस्तार के लिए प्रयासरत है। ताकि, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा सके। विद्यालय में सीटों की सीमित उपलब्धता ध्यान में रखते हुए प्रवेश प्रक्रिया तय की जा रही है।

कबाड़ के गोदाम में लगी आग, 10 पुरानी कार व सामान जलकर राख

देहरादून, एजेंसी। ढकरानी मोड स्थित एक कबाड़ी के गोदाम में बुधवार को आग लग गई। सूचना पर डाकपत्थर से अग्निशमन वाहन घटनास्थल पर पहुंचे। अग्निशमनकर्मियों ने आग बुझाना शुरू किया, लेकिन आग का दायरा बढ़ता जा रहा था। सेलाकुई से भी अग्निशमन वाहन बुलाने पड़े। आग से गोदाम में रखे 10 पुरानी कार और वाहनों से निकाले गए पार्ट्स आदि जल गए। करीब तीन घंटे बाद अग्निशमनकर्मियों ने आग पर काबू पाया। सुबह करीब 11.30 बजे ढकरानी मोड़ पर स्थित खलील के कबाड़ के गोदाम में अचानक से आग लग गई। जब तक आसपास के लोग कुछ समझ पाते गोदाम से आग की बड़ी-बड़ी लपटें और धुएं के गुबार उठने लगे। ग्रामीणों ने स्वयं ही मोर्चा संभाला, लेकिन आग का दायरा बढ़ने लगा। जब ग्रामीण सफल नहीं हुए तो हरबर्टपुर पुलिस और डाकपत्थर अग्निशमन स्टेशन को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही स्टेशन से एक टीम अग्निशमन वाहन के साथ मौके पर पहुंच गई। इस बीच आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था। सेलाकुई अग्निशमन स्टेश से भी वाहन बुलाया गया। तीन वाहनों की मदद से अग्निशमनकर्मियों ने आग पर काबू पाया। आग बुझाने वाली टीम में मनोज नेगी, आकाश चौधरी, रविकांत, सुरुचि रावत, कल्पना, सनम पंवार, सोबरन सिंह, शिवकुमार, मीनाक्षी रावत, सरस्वती आदि शामिल रहे।

ऊखीमठ के रुद्रपुर गांव में जमीन कब्जाने का आरोप

देहरादून, एजेंसी। रुद्रप्रयाग के ऊखीमठ ब्लॉक में तीर्थ पुरोहितों के गांव रुद्रपुर में गोचर भूमि को लेकर पूर्व विधायक केदारनाथ मनोज रावत ने ग्रामीणों के साथ प्रेसवार्ता की। उन्होंने 220/33 केवी उप-स्टेशन के निर्माण में प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए। कहा, ग्रामीणों की पूरी जमीन पिटकुल को दे दी गई है। पूर्व विधायक मनोज रावत ने कहा कि रुद्रपुर गांव में 1974 में जमीन का एक हिस्सा अनुसूचित जाति के भूमिहीन परिवारों को दिया गया, जबकि शेष भूमि हमेशा गोचर के रूप में ही अंकित रही। आरोप लगाया कि पिटकुल ने 2008 से इस भूमि पर कब्जा करने के लिए योजनाएं बनानी शुरू कर दी थीं और 2010 में वन विभाग ने इस भूमि को 30 साल की लीज पर पिटकुल को दे दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि पिटकुल ने प्रशासनिक अधिकारियों और सरकारी कर्मचारियों से मिलकर साजिश रची और फर्जी दस्तावेज के आधार पर लीज हासिल की। इसके विरोध में रुद्रपुर के ग्रामीण उच्च न्यायालय का रुख कर चुके हैं और 2021 में उच्च न्यायालय ने जिला प्रशासन को इस मामले की सुनवाई का आदेश दिया था। मामले की अगली सुनवाई 24 मार्च को होनी है। कहा कि 10 मार्च को जब स्थानीय प्रशासन ने पुलिस बल, पिटकुल कर्मचारियों और ठेकेदारों के साथ गोचर भूमि पर कब्जे का प्रयास किया था तब गांव की महिलाओं ने अपनी भूमि बचाने के लिए संघर्ष किया। इस मौके पर गणेश शुक्ला, शैलेंद्र कोटवाल, पंकज शुक्ला, अमित आदि मौजूद रहे।

साइबर ठगी के तीन मामले, एक करोड़ से ज्यादा का फ्रॉड, 6 आरोपी गिरफ्तार

देहरादून, एजेंसी।
साइबर क्राइम पुलिस टीम ने डिजिटल अरेस्ट स्कैम के दो मामलों और एक अन्य धोखाधड़ी के मामले में दक्षिण भारत के तीन राज्यों (आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु) और एक केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में कार्रवाई करते हुए 6 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की है.

पहले मामले में रुड़की निवासी पीड़िता सेवानिवृत्त महिला बैंक अधिकारी को साइबर ठगों ने उनके पति के बैंक खाते में मनी लॉन्ड्रिंग होने का भय दिखाकर ठगी को अंजाम दिया था. ठगों ने पीड़िता को 24 घंटे से भी अधिक समय तक वीडियो/ऑडियो कॉल के माध्यम से डिजिटल अरेस्ट कर 32 लाख 31 हजार रुपये ठगे थे. जिसके संबंध में मुकदमा दर्ज कराया गया था.

दूसरे मामले में पीड़िता के मोबाइल नंबर पर अनजान नंबर से एक व्हाट्सएप कॉल आई. जिसने खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर कहा कि आपके आधार कार्ड से कैनरा बैंक की मुंबई शाखा में एक बैंक खाता खोला गया है. जिसमें 2 करोड़ रुपये की अवैध धनराशि का लेनदेन हुआ है, जो कि नरेश गोयल नाम के व्यक्ति के मनी लॉन्ड्रिंग केस से संबंधित है. उसके बाद पीड़िता को उसी व्हाट्सएप नंबर से नरेश गोयल नाम के व्यक्ति का फोटो और गिरफ्तारी वारंट भेजे गए. पीड़िता को वीडियो कॉल पर सीबीआई गिरफ्तारी वारंट, आरबीआई, आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय का एक नोटिस दिखाया. पीड़िता को 24 घंटे से भी अधिक समय तक वीडियो/ऑडियो कॉल के माध्यम से डिजिटल अरेस्ट कर 23 लाख रुपये की धनराशि ठगे जाने के संबंध में मुकदमा दर्ज कराया गया था. तीसरे मामले में खुद को देहरादून स्थित एक प्रतिष्ठित कार कंपनी के शोरूम का स्वामी बताकर और उनकी फोटो को एक नया व्हाट्सएप नंबर पर डीपी के रूप में प्रयोग कर कार कंपनी के अकाउंटेंट को मैसेज किया गया. बताया गया कि यह मेरा नया नंबर है. नेटवर्क प्रॉब्लम के कारण पुराना नंबर काम नहीं कर रहा है. वर्तमान में किसी जगह पर आया हुआ हूं. किसी प्रोजेक्ट में तत्काल कुछ राशि निवेश करनी है. चूंकि घटना के समय कंपनी के मालिक देहरादून से कहीं बाहर गए हुए थे. जिससे अकाउंटेंट को विश्वास हो गया. उसके बाद स्वयं को कार कंपनी का मालिक बताने वाले शख्स के द्वारा एक खाता नंबर बताया गया और अकाउंटेंट को आरटीजीएस के माध्यम से 38 लाख रुपये की धनराशि जमा करने को कहा गया. राशि को जमा करने के बाद दोबारा 15 लाख रुपये की धनराशि जमा करने के लिए कहा गया. यह राशि भी जमा होने के बाद दोबारा 35 लाख रुपये की धनराशि जमा करने के लिए कहा गया. शक होने पर अकाउंटेंट के द्वारा कार कंपनी के स्वामी से घटना का जिक्र किया गया. तब जाकर पता लगा कि वो किसी ठगी का शिकार हो गए हैं. जिस पर तत्काल साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन मुकदमा दर्ज किया गया. आरोपियों की गिरफ्तारी के साइबर पुलिस टीम द्वारा मुकदमे की जांच की तो डिजिटल अरेस्ट के पहले मामले में सथुलुरी सिंधु और मुव्वा भार्गव को मल्लमपेट थाना डूंडीगल कमिश्नरेट हैदराबाद तेलंगाना और पी मणिकन्दन निवासी पुडुचेरी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई और कब्जे से पीड़ित के साथ धोखाधड़ी में प्रयोग बैंक खाते के एसएमएस अलर्ट नंबर सहित 1 मोबाइल, संबंधित बैंक खाते की चेक बुक, आधार कार्ड, पैन कार्ड आदि बरामद हुआ.

सहायक निबंधकों को पर्वतीय जिलों में मिली पहली तैनाती, लोक सेवा आयोग से चयनित

देहरादून, एजेंसी। राज्य लोक सेवा आयोग से चयनित छह सहायक निबंधकों को प्रदेश के विभिन्न पर्वतीय जिलो में पहली तैनाती दे दी गई है।

सहकारिता विभाग को राज्य लोक सेवा आयोग से मिले सहायक निबंधकों को पहली तैनाती पर्वतीय जिलों में दी गई है। सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा, इन अधिकारियों के मिलने से विभागीय कार्यों में जहां तेजी आएगी, वहीं प्रशासनिक कार्यों में भी सुधार होगा।

सहकारिता मंत्री ने कहा, सरकार प्रशासनिक ढांचे को मजबूत कर योजनाओं को धरातल पर उतराने में जुटी है ताकि सहकारी योजनाओं का लाभ प्रदेश के अधिक से अधिक काश्तकारों, किसानों, महिलाओं और युवाओं को मिल सके।

इसी कड़ी में राज्य लोक सेवा आयोग से चयनित छह सहायक निबंधकों को प्रदेश के विभिन्न पर्वतीय जिलो में पहली तैनाती दे दी गई है। जिसमें सौरभ कुमार को पौड़ी गढ़वाल, रोहित कुमार को अल्मोड़ा, प्रियंका घनसेला को उत्तरकाशी, आशीष को बागेश्वर, प्रवीण रावत को चंपावत और अंकित कुमार को पिथौरागढ़ जिले में नियुक्ति दी गई है।

डॉ. रावत ने बताया कि नव नियुक्त सहायक निबंधकों को डॉ. रघुनन्दन सिंह टोलिया उत्तराखंड प्रशासन अकादमी नैनीताल में 12 सप्ताह का प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद इन्हें विभागीय जानकारी व अनुभव प्रदान करने के लिए सहकारी प्रबंध संस्थान देहरादून में 43 दिन का प्रशिक्षण दिया गया।

लैंड फ्रॉड से बचाएगा राज्य का पहला डेडिकेटेड ई कंप्यूटर कियोस्क सचेतक

देहरादून, एजेंसी। भूमि फर्जीवाड़ा रोकने और आमजनता को भूमि खरीदने-बेचने में फर्जीवाड़े से बचाने के लिए राज्य का प्रथम डेडिकेटेड ई-कम्प्यूटर कियोस्क की शुरुआत हो गई है. बुधवार को देहरादून कलेक्ट्रेट परिसर स्थित रजिस्ट्री ऑफिस के पास बने राज्य के प्रथम डेडिकेटेड ई-कियोस्क 'सचेतक' का उद्घाटन जिलाधिकारी ने किया है. अब जनता को क्लेक्ट्रेट परिसर में स्थापित कियोस्क से निशुल्क और पुख्ता जानकारी मिलेगी. इससे भूमि खरीदने-बेचने से पहले खतौनी, चौहदवी, जियो लोकेशन और भूमि के वास्तविक स्वामी की जांच की सुविधा मिलेगी.

राज्य का पहला डेडिकेटेड ई कंप्यूटर कियोस्क सचेतक लॉन्च- बता दें कि जनता दरबार, बहुउद्देशीय शिविर और अन्य माध्यमों से भूमि धोखाधड़ी की अधिकांश शिकायतें और मामले सामने आ रहे थे. इसका मुख्य कारण भूमि खरीदने वाले लोगों को भूमि के संबंध में पहले से जानकारी नहीं रहना है. खरीददार को पता नहीं होता कि उस भूमि का असली मालिक कौन है. परिसंपत्तियों के रिकॉर्ड के लिए राज्य में एक पोर्टल बना है. इस पोर्टल में भूमि संबंधी पूरी जानकारी रहती है. आम लोगों को ई-रजिस्ट्रेशन पोर्टल में एक्सेस करने के लिए साधन, सुविधा की कमी रहती है. इसके लिए रजिस्ट्रार और स्टॉप रजिस्ट्रेशन अधिकारियों के साथ इसकी समीक्षा की गई. इसके लिए एक डेडिकेटेड कियोस्क तैयार किया गया है. भूमि रजिस्ट्री के लिए रजिस्ट्रार ऑफिस जाने से पहले भूमि खरीदने वाले बायर्स निशुल्क इस कियोस्क में भूमि की पुष्टि कर सकते हैं. कियोस्क से भूमि धोखाधड़ी संबंधी समस्याओं पर अंकुश लगेगा. इस ई-कियोस्क का नाम सचेतक रखा गया है. 'सचेतक' ई-कियोस्क के नाम से इसे जनहित में लॉन्च किया गया है. अब संपत्ति खरादने वाली आमजनता को धोखाधड़ी से बचाया जा सकेगा. इसका मकसद राजस्व बढ़ाना ही नहीं, बल्कि जनता को धोखाधड़ी से बचाना भी है. और ये विभाग की जिम्मेदारी है.

डीएम सविन बंसल ने बताया कि जनता को जागरूक करने के लिए कलेक्ट्रेट में अलग-अलग स्थानों पर जागरूकता स्लोगन वाले फ्लैक्सी भी लगाए गए हैं. इससे जनता भूमि खरीदने बेचने से पहले जानकारी प्राप्त कर सकती है.

लंबे समय से प्रतिनियुक्ति पर तैनात कार्मिकों की बढ़ेगी मुश्किलें, अब मुख्य सचिव की समिति लेगी निर्णय

देहरादून, एजेंसी।
लंबे समय से प्रतिनियुक्ति पर तैनात कार्मिकों की मुश्किलें बढ़ने जा रही हैं। प्रदेश सरकार प्रतिनियुक्ति, सेवा स्थानांतरण और बाह्य सेवा में कार्मिकों की तैनाती को हतोत्साहित करेगी। प्रतिनियुक्ति पर अधिकतम पांच वर्ष ही तैनाती मिलेगी। इसके बाद समय अवधि बढ़ाने की आवश्यकता होने पर पांच वर्ष की अवधि कूलिंग पीरियड होगी। इसके पूरी होने के बाद संबंधित कर्मचारी दोबारा आवेदन करेगा, लेकिन इस संबंध में निर्णय लेने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है।

किसी भी कार्मिक को सेवाकाल में अधिकतम दो बार ही यह सुविधा मिलेगी। प्रतिनियुक्ति समाप्त होने के बाद मूल विभाग में लौटने से कन्नी काटी तो संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। प्रदेश में विद्यालयी शिक्षा, उच्च शिक्षा, अभियांत्रिकी सेवाओं समेत विभिन्न विभागों के कार्मिक प्रतिनियुक्ति पर तैनात हैं। यह स्थिति तब है, जब मूल विभाग स्वयं कार्मिकों की कमी से जूझ रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रतिनियुक्ति के साथ ही बाह्य सेवा और सेवा स्थानांतरण के माध्यम से मूल विभाग से अन्यत्र कार्मिकों की तैनाती पर नाराजगी व्यक्त की थी। उन्होंने प्रतिनियुक्ति पर तैनाती की व्यवस्था को हतोत्साहित करने के निर्देश दिए थे।

इस क्रम में वित्त सचिव वी षणमुगम ने समस्त प्रमुख सचिवों, सचिवों एवं प्रभारी सचिवों के साथ मंडलायुक्तों, विभागाध्यक्षों एवं कार्यालयाध्यक्षों को मंगलवार को आदेश जारी किया है। आदेश में प्रतिनियुक्ति, बाह्य सेवा और सेवा स्थानांतरण की परिभाषाओं को स्पष्ट करने के साथ ही इन माध्यम से तैनाती को लेकर नियम कड़े किए गए

हैं। अब इनके माध्यम से सामान्य तैनाती तीन वर्ष होगी। इसे दो वर्षों के लिए वित्त विभाग की सहमति से बढ़ाया जा सकता है। यह अवधि अधिकतम पांच वर्ष होगी और इसे अब किसी भी दशा में आगे विस्तारित नहीं किया जाएगा। प्रतिनियुक्ति पूरी करने के बाद पांच वर्ष की अवधि कूलिंग पीरियड होगी। इसके पूरा होने के बाद ही प्रतिनियुक्ति, बाह्य सेवा और सेवा स्थानांतरण के प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा। इस प्रस्ताव पर मुख्य सचिव की समिति निर्णय लेगी। समिति में कार्मिक, वित्त, कर्मचारी के पैतृक विभाग और प्रतिनियुक्ति से संबंधित विभाग के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव या सचिव बतौर सदस्य सम्मिलित हैं।

बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं में तैनात कार्मिकों के लिए अधिकतम पांच वर्ष की सामान्य सीमा लागू नहीं होगी, लेकिन समय अवधि विस्तारित करने के लिए मुख्य सचिव की समिति से अनुमोदन लिया जाएगा। जिन कार्मिकों की सेवानिवृत्ति में पांच वर्ष का समय शेष रह गया है, उन्हें प्रतिनियुक्ति, बाह्य सेवा एवं सेवा स्थानांतरण का लाभ नहीं मिलेगा।

होम स्टे की राष्ट्रीय नीति में समाहित होंगे उत्तराखंड के प्रावधान, सुविधाएं विकसित कर रही सरकार

देहरादून, एजेंसी।
ग्रामीण क्षेत्रों में भी पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने पर केंद्र सरकार जोर दे रही है। इसी क्रम में सैलानियों के ठहरने व भोजन की सुविधा उपलब्ध कराना सबसे अहम कड़ी है और होम स्टे इसका बेहतर विकल्प है। इसके दृष्टिगत केंद्र सरकार राष्ट्रीय स्तर पर होम स्टे नीति बनाने की तैयारी में है।

नीति आयोग की टीम ने कुछ समय पहले उत्तराखंड समेत चार राज्यों की होम स्टे नीति का अध्ययन किया था। अब आयोग अपनी संस्तुतियां केंद्र को भेजने जा रहा है, जिसमें उत्तराखंड की होम स्टे नीति के प्रावधान भी शामिल किए जा रहे हैं। इनमें स्थानीय निवासियों के लिए सब्सिडी, पानी व बिजली की घरेलू दरें जैसे प्रावधान समाहित हैं।

नैसर्गिक सुंदरता से परिपूर्ण उत्तराखंड में पर्यटन व तीर्थाटन आर्थिकी से जुड़ा महत्वपूर्ण पहलू है। साल-दर-साल पर्यटकों व तीर्थयात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सरकार इसी हिसाब से सुविधाएं भी विकसित कर रही है।

पहले से स्थापित पर्यटक स्थलों से इतर ग्रामीण क्षेत्रों में भी पर्यटन पर ध्यान केंद्रित किया गया है। ग्रामीण स्तर पर पर्यटकों के लिए आवासीय सुविधा के दृष्टिगत वहां होम स्टे की पहल की गई है। अभी तक पांच हजार से अधिक होम स्टे स्थापित हो चुके हैं।

होम स्टे के लिए सरकार अनुदान राशि देने के साथ ही पर्यटन विकास परिषद की वेबसाइट पर पंजीकरण इनके प्रमोशन में भी मदद करती है। साथ ही योजना में कई तरह की छूट के प्रावधान हैं।

योजना के लाभार्थी के लिए शर्त यही है कि होम स्टे का संचालक उसी में निवास करेगा और वहां ठहरने वालों को राज्य की सांस्कृतिक थाती से भी परिचित कराएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी कई अवसरों पर राज्य की होम स्टे की पहल की सराहना कर चुके हैं। इसके बाद सरकार ने योजना में कुछ और रियायत भी दी हैं।

न केवल उत्तराखंड, बल्कि केरल, गोवा व उत्तर प्रदेश में भी होम स्टे योजना के सार्थक परिणाम आए हैं। केंद्र सरकार को भी यह पहल बेहतर लगी है। इसी क्रम में केंद्र सरकार के निर्देश पर नीति आयोग की टीम ने बीते दिसंबर-जनवरी माह में उत्तराखंड समेत इन चार राज्यों की नीति का अध्ययन करने के साथ ही धरातलीय स्थिति का जायजा लिया।

कार्रवाई के विरोध में व्यापारियों का प्रदर्शन, बंद रखीं दुकानें

देहरादून, एजेंसी।
दून में किताबों की दुकानों पर कार्रवाई के विरोध में बुधवार को व्यापारियों ने दुकानें बंद रखकर विरोध जताया। व्यापारियों ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। सिटी मजिस्ट्रेट को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

व्यापारियों ने विरोध में बृहस्पतिवार को भी किताबों की दुकानें बंद रखने का निर्णय लिया। व्यापारियों ने मांग पूरी न होने तक दुकान बंद रखने का एलान किया। मंगलवार को दून में पुलिस और प्रशासन की टीम ने किताबों की चार दुकानों को सील किया था। व्यापारियों का आरोप है कि टीम ने बिना सूचना दिए और अनाधिकृत रूप से दुकानों को सील किया। साथ ही मुकदमे दर्ज किए। विरोध में दून वैली महानगर उद्योग व्यापार मंडल और दून घाटी बुक सेलर एसोसिएशन के नेतृत्व में व्यापारियों ने डीएम कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया।

साथ ही दुकानों को अनिश्चितकाल तक बंद करने और आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। व्यापार मंडल के अध्यक्ष पंकज मैसोंन और एसोसिएशन के अध्यक्ष रणधीर अरोड़ा ने कहा कि प्रशासन ने बेबुनियाद मुकदमे दर्ज किए हैं। कहा कि मुकदमा वापस लिया जाए और सील की गई दुकानों को खेला जाए। ऐसा नहीं हुआ तो जल्द ही किताबों के साथ ही दून की सभी दुकानों को बंद रखा जाएगा।

इस मौके पर संयोजक अशोक अग्रवाल, हरीश वीरमणि, पंकज डीढ़ान, सुमित कोहली, रोहित बेहल, दीपू नागपाल, दिव्य सेठी, रजत गुप्ता, देवेंद्र साहनी, मन्नी अरोड़ा आदि मौजूद रहे।

व्यापारियों ने सिटी मजिस्ट्रेट को दिए ज्ञापन में 29 मार्च को हुई अधिकारियों की ओर से की गई कार्रवाई पर सवाल उठाए है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने ओवररेटिंग का हवाला देते हुए जो कार्रवाई की, उसमें किसी प्रकार की अनियमितता नहीं पाई गई। इसके बावजूद आईएसबीएन का हवाला देते हुए कुछ किताबों को गलत और डुप्लीकेट बताया गया। कहा, आईएसबीएन किसी भी पुस्तक को कानूनी रूप से वैध या अवैध घोषित नहीं करता। यह केवल राजा राम मोहन रॉय नेशनल एजेंसी की ओर से अलॉट किया जाता है और इसका उल्लंघन किसी भी कॉपीराइट कानून या पायरेसी अधिनियम के तहत नहीं आता।

गौ तस्कर गिरोह का पर्दाफाश, उत्तराखंड और हिमाचल पुलिस ने किया 10 तस्करों को गिरफ्तार

विकासनगर, एजेंसी।
उत्तराखंड और हिमाचल सीमा पर हुई गोकशी की घटना का 24 घंटे में पुलिस ने खुलासा किया. घटना में शामिल अंतरराज्यीय गौ तस्कर गिरोह को उत्तराखंड और हिमाचल पुलिस से संयुक्त कार्रवाई में गिरफ्तार किया. गिरोह के आठ आरोपियों को देहरादून पुलिस ने सहसपुर क्षेत्र और दो आरोपियों को सिरमौर पुलिस ने पुरूवाला सिरमौर से किया गिरफ्तार. घटना की संवेदनशीलता को लेकर एसएसपी देहरादून अजय सिंह ने सिरमौर जाकर एसएसपी सिरमौर से मुलाकात की थी. जिसके बाद आरोपियों की धरपकड़ के लिए संयुक्त रणनीति बनाई गई. गिरफ्तार सभी आरोपी पूर्व में भी पशु क्रूरता और गोकशी की घटना में जेल जा चुके हैं. घटना के मुताबिक, उत्तराखंड एवं हिमाचल प्रदेश की सीमा पर देवपुर नदी किनारे 31 मार्च को 13 गोवंश के अवशेष पड़े होने की विकासनगर कोतवाली पुलिस को सूचना मिली. पुलिस

ने मौके पर पहुंचकर जांच की जिसमें सामने आया कि गोवंश का अनियन अवैध कटान के रूप में किया गया है. जिसके बाद अवशेषों को नदी किनारे फेंका गया. घटना की जानकारी मिलते ही एसएसपी देहरादून और एसडीएम विकासनगर समेत कई अधिकारी भी मौके पर पहुंचे. घटना की संवेदनशीलता के देखते हुए जगबीर सिंह सैनी ने कोतवाली विकासनगर पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ गोवंशों की हत्या, अवशेष नदी में फेंकने और लोगों की धार्मिक भावना आहत करने समेत सामाजिक सौहार्द को बिगड़ने का प्रयास करने के संबंध में मुकदमा दर्ज कराया. पुलिस की जांच में घटना के तार हिमाचल प्रदेश के सिरमौर से जुड़ा होना पाया गया. इसके बाद देहरादून एसएसपी अजय सिंह ने हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में जाकर एसपी सिरमौर से मुलाकात की. दोनों राज्यों की पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए पूर्व में गोकशी की घटनाओं में प्रकाश में आए आरोपियों और वर्तमान में जेल से जमानत से बाहर आए आरोपियों की जानकारी साझा की. 1 अप्रैल को विकासनगर घटना में शामिल 8 आरोपियों को सहसपुर क्षेत्र और सिरमौर पुलिस ने दो आरोपियों को पुरूवाला सिरमौर से गिरफ्तार किया. आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस टीम ने घटना में इस्तेमाल किए गए धारदार हथियार नदी किनारे झाड़ियों से बरामद किए गए. पुलिस ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ की. जिसमें बताया कि वह हिमाचल और उत्तराखंड की सीमावर्ती क्षेत्रों, नदी किनारे लावारिस घूमने वाले गोवंशों को चोरी कर उनका अवैध रूप से कटान करते है. गोमांस और पशु मांस बेच देते हैं. जिससे उन्हें काफी मुनाफा होता है. 31 मार्च को भी आरोपियों द्वारा यमुना नदी में गोवंश को ले जाकर उनका अवैध रूप से कटान किया गया और अवशेषों को पास में ही फेंककर मौके से गोमांस को अपने साथ ले गए थे. घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फिर से आज गोकशी की घटना को अंजाम देने की फिराक में थे. लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने 30 वर्षीय नौशाद, 38 वर्षीय गुलबहार, 35 वर्षीय नौशाद, 50 वर्षीय मुशर्रफ ऊर्फ काला, 19 वर्षीय समीर, 26 वर्षीय शाहरुख, 20 वर्षीय तौसीब सभी निवासी खुशहालपुर थाना सहसपुर देहरादून और 40 वर्षीय शहनवाज, 60 वर्षीय इरशाद को निवासी मानपुर देवडा, पौंटा साहिब सिरमौर, हिमाचल प्रदेश को गिरफ्तार किया गया.

सम्पादकीय

कोर्ट की अवहेलना चिंताजनक

सैयद अहमर हसनैन

यह पहली बार नहीं है कि देश की शीर्ष अदालत को कहना पड़ा कि कथित अवैध निर्माणों के खिलाफ बुलडोजर की कार्रवाई न्याय के नैसर्गिक नियमों का उल्लंघन है। लेकिन ऐसी बलपूर्वक की गई कार्रवाई को असंवैधानिक करार दिए जाने के बावजूद पिछले दिनों उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में बुलडोजर की नाइंसाफी नजर आई। कोर्ट का कहना था कि यह बुलडोजरी अन्याय केवल झुग्गियों व मकानों को ही नहीं गिरा रहा है, बल्कि यह कानून की उचित प्रक्रिया व अनुच्छेद 21 का भी अतिक्रमण है। जो हर नागरिक के जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा की गारंटी देता है। शीर्ष अदालत ने प्रयागराज में घरों को गिराए जाने को अमानवीय और अवैध बताते हुए शहरी विकास प्राधिकरण को प्रत्येक पीड़ित घर के मालिक को दस लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर में अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान घटी उस घटना को तंत्र की संवेदनहीनता बताया जिसमें बुलडोजर द्वारा झोपड़ी गिराए जाने पर एक बालिका अपनी किताबें पकड़कर भाग रही थी।

अदालत का कहना था कि तसवीर देश की अंतरात्मा को झकझोर देने वाली है। साथ ही अधिकारियों की मनमानी और असंवेदशीलता को उजागर करती है। कहा गया कि अतिक्रमणकारियों को खुद की स्थिति को स्पष्ट करने का उचित अवसर दिए बिना बुलडोजर से उनके मकान या झोपड़ियों को ध्वस्त करना अन्याय जैसा ही है। जिससे निष्कर्ष निकलता है कि प्रशासन का इरादा अनधिकृत निर्माण को हतोत्साहित करने के बजाय उन्हें सबक सिखाना लगता है। दरअसल, उत्तर प्रदेश में शासन-प्रशासन कथित 'तत्काल न्याय' के बुलडोजर मॉडल को लागू करने में सबसे आगे रहा है। इस विवादास्पद कार्रवाई का बचाव करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री ने कहा था कि कभी-कभी कुछ लोगों को उनकी समझ में आने वाली 'भाषा' में चीजों को समझाने की जरूरत होती है। जिसके मायने यह भी हैं कि ऐसे तत्वों को अदालतों द्वारा उन्हें दोषी या निर्दोष ठहराये जाने का इंतजार किए बिना ही दंडित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि बीते साल नवंबर में, सर्वोच्च न्यायालय ने बुलडोजर के लगातार इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिये कई दिशा-निर्देश दिए थे। इसमें मकान आदि के ध्वस्तीकरण से पंद्रह दिन पहले कब्जाधारियों को सचेत करना भी शामिल था। अदालत ने तो यहां तक चेतावनी दी थी कि निर्देशों का अतिक्रमण करने वाले दोषी अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाएगी। उनके खिलाफ मुकदमा चलाया जाएगा। लेकिन इसके बावजूद जमीनी हकीकत में बदलाव नहीं आया। इसमें दो राय नहीं कि सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण के प्रति शून्य-सहिष्णुता का नजरिया जरूरी है। अवैध निर्माण हटाया जाना चाहिए, लेकिन सभी कायदे-कानूनों का पालन भी उतना ही जरूरी है। अदालत मानती रही है कि जल्दबाजी में बुलडोजर का इस्तेमाल असंवैधानिक है और नागरिक अधिकारों का उल्लंघन भी है। जिसकी कानून इजाजत नहीं देता। प्रयागराज व महाराष्ट्र में कई जगह लोगों ने आरोप लगाया कि नोटिस देने के चौबीस घंटों में ही उनके मकान गिरा दिए गए। ऐसी ही कार्रवाई नागपुर हिंसा के बाद आरोपियों के घर गिराने में की गई। कहा गया कि लोगों को अपील करने का भी मौका नहीं दिया गया। वैसे यह नैसर्गिक न्याय की अवहेलना है कि एक कथित दोषी के कृत्यों की सजा उसके पूरे परिवार को दी जाती है। उस घर में उस व्यक्ति के परिवार के अन्य सदस्य भी रहते हैं। यह विडंबना है कि नागपुर मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बैंच ने आरोपियों की संपत्ति के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगायी थी, लेकिन जब तक आदेश पहुंचा तब तक स्थानीय प्रशासन कार्रवाई कर चुका था। वैसे हकीकत यह भी है कि कोई अवैध निर्माण रातोंरात खड़ा नहीं हो जाता। जब उसका निर्माण होता है तो स्थानीय प्रशासन की नजर उस पर क्यों नहीं जाती। एकाएक ऐसी स्थिति क्यों पैदा हो जाती है कि उसे गिराने की तत्काल जरूरत पड़ती है। फिर तुरत-फुरत बुलडोजर चल जाता है। सवाल यह भी कि हर छोटे-बड़े, धनाढ्य वर्ग, प्रभावशाली नेताओं के अवैध निर्माण पर पीला पंजा क्यों नहीं चलता? निस्संदेह, बुलडोजर की गति राजाश्रय के संरक्षण में ही तेज होती है।

बार्डर पर घुसपैठ चिंताजनक

घुसपैठियों के लिए आसान लांचिंग पैड नेपाल बॉर्डर के मदरसे

संजय सक्सेना

नेपाली सुरक्षा एजेंसी की रिपोर्ट इस बात की पुष्टि करती है कि बांग्लादेश के एक आतंकवादी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन के आतंकवादी को नेपाल के सीमा क्षेत्र में पनाह दी गई थी। इसी तरह, अलकायदा इन इंडियन सब कांटिनेंट (एक्यूआईएस) जैसे अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठन भी नेपाल के बदलते हालात का फायदा उठा सकते हैं। इन संगठनों का लक्ष्य भारत में घुसपैठ कर आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देना हो सकता है। इस संदर्भ में पूर्व आईबी अधिकारी प्रवीण गर्ग का कहना है कि काठमांडू में जो हिंसा हुई, वह नेपाल में राजावादी आंदोलन को बदनाम करने की एक साजिश हो सकती है। उनके अनुसार, बांग्लादेश को अस्थिर करने के बाद, पाकिस्तान और चीन के सुरक्षा एजेंसियां नेपाल को भी अस्थिर करने की कोशिश कर रही हैं। इन दोनों देशों की खुफिया एजेंसियों की नेपाल में सक्रियता इस संभावना को और मजबूत करती है। खासकर इस साल की शुरुआत से इन दोनों देश की एजेंसियों की भारत से सटे नेपाली क्षेत्र में बढ़ी सक्रियता एक गंभीर चिंता का विषय है। चौंकाने वाली बात यह भी है कि जो नेपाल कुछ वर्षों तक हिन्दू राष्ट्र होता था, वहां अब शरिया कानून की मांग भी उठने लगी है, जो कि पहले नेपाल के मुसलमानों के लिए एक दूर का ख्वाब था...

पड़ोसी राज्य नेपाल, भारत और चीन के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी माना जाता है। वैसे तो नेपाल के भारत से हमेशा प्रगाढ़ संबंध रहे हैं,लेकिन पिछले कुछ वर्षों में चीन की भी दखलंदाजी वहां बढ़ी है। चीन के कई प्रोजेक्ट नेपाल में चल रहे हैं। भौगोलिक रूप से देखा जाये तो चीन और नेपाल की सीमा 1439 किलोमीटर लम्बी है। वहीं भारत और नेपाल की सीमा की लम्बाई 1751 किलोमीटर है। यह सीमाएं उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, सिक्किम से जुड़ी हुई हैं। सबसे लम्बी सीमा 726 किलोमीटर बिहार से उसके बाद उत्तर प्रदेश से 551 और उत्तराखंड से 275 किलोमीटर और पश्चिमी बंगाल से 100 एवं सिक्किम से 99 किलोमीटर तक जुड़ी है। कभी यह सीमाएं लगभग पूरी तरह से खुली रहती थीं, लोग आसानी से बिना वीजा और पासपोर्ट के एक-दूसरे देशों में आ जा सकते थे। दोनों देशों के बीच व्यापार करने पर भी कोई प्रतिबंद्ध नहीं था,लेकिन अब हालात काफी बदल गये हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि अब इन सीमाओं को लांघकर अराजक तत्व और आतंकवादी ताकतें भी भारत में प्रवेश करने लगी हैं। सीमा खुली होने का फायदा उठाकर पाकिस्तानी, बांग्लादेशियों सहित कई देशों के घुसपैठिये और आतंकवादी आसानी से भारत में आते हैं और यहां आतंक फैलाते हैं। यही वजह है नेपाल और भारत के बीच की सीमा क्षेत्र में सुरक्षा के मुद्दे को लेकर पिछले कुछ सालों में खासी चिंता देखी गई है।

सबसे खास बात यह है कि इन घुसपैठियों और आतंकवादियों के लिये भारत-नेपाल के बार्डर के बार्डर पर बने मदरसे सुरक्षित ठिकाना बन कर उभर रहे हैं। कई मदरसों के तार भारत विरोधी ताकतों से साथ जुड़े हुए हैं। नेपाल की सीमा से सटे इलाकों में संदिग्ध गतिविधियों का बढ़ना और आतंकवादियों का घुसपैठ करने का प्रयास स्थानीय पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा रहा है। खासकर, 28 फरवरी को काठमांडू में हुई हिंसा ने इस क्षेत्र में तनाव को और बढ़ा दिया है।यह हिंसा सिर्फ नेपाल तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि भारत में भी सुरक्षा के लिहाज से इसे गंभीर माना जा रहा है। नेपाल सीमा के पास रहने वाले एक पूर्व शिक्षक का कहना है कि पिछले कुछ दिनों में सरहदी क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों का बढ़ना चिंताजनक है। उनका मानना है कि पाकिस्तान और चीन द्वारा नेपाल सीमा को घुसपैठियों का लॉन्चिंग पैड बनाने की साजिश चल रही है। उनका यह भी कहना है कि कुछ मजहबी शिक्षण संस्थानों में भारत से भागने वाले कुख्यात अपराधियों से लेकर भारत में घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों को भी शरण मिल रही है। बीते फरवरी महीने में सीमा से बांग्लादेशी नागरिक को पकड़ा गया था, जिसे नेपाली मदरसे में शरण मिली थी। यह घटना यह साबित करती है कि नेपाल में कुछ जगहें आतंकवादी गतिविधियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन चुके हैं। नेपाली सुरक्षा एजेंसी की रिपोर्ट इस बात की पुष्टि करती है कि बांग्लादेश के एक आतंकवादी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन के आतंकवादी को नेपाल के सीमा क्षेत्र में पनाह दी गई थी। इसी तरह, अलकायदा इन इंडियन सब कांटिनेंट (एक्यूआईएस) जैसे अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठन भी नेपाल के बदलते हालात का फायदा उठा सकते हैं। इन संगठनों का लक्ष्य भारत में घुसपैठ कर आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देना हो सकता है। इस संदर्भ में पूर्व आईबी अधिकारी प्रवीण गर्ग का कहना है कि काठमांडू में जो हिंसा हुई, वह नेपाल में राजावादी आंदोलन को बदनाम करने की एक साजिश हो सकती है। उनके अनुसार, बांग्लादेश को अस्थिर करने के बाद, पाकिस्तान और चीन के सुरक्षा एजेंसियां नेपाल को भी अस्थिर करने की कोशिश कर रही हैं। इन दोनों देशों की खुफिया एजेंसियों की नेपाल में सक्रियता इस संभावना को और मजबूत करती है। खासकर इस साल की शुरुआत से इन दोनों देश की एजेंसियों की भारत से सटे नेपाली क्षेत्र में बढ़ी सक्रियता एक गंभीर चिंता का विषय है। चौंकाने वाली बात यह है कि जो नेपाल कुछ वर्षों तक हिन्दू राष्ट्र होता था, वहां अब शरिया कानून की मांग भी उठने लगी है, जो कि पहले नेपाल के मुसलमानों के लिए एक दूर का ख्वाब था। लेकिन अब इसे संसद में कुछ मुस्लिम सांसदों द्वारा उठाया गया है, जो इसे नेपाल के लिए एक नई राजनीतिक दिशा के रूप में देख रहे हैं।

वैसे मुस्लिमों की बढ़ती आबादी और शरिया कानून की वकालत के बीच हिन्दू संगठन भी एक बार फिर से नेपाल को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने की वकालत करने लगे हैं। हालांकि, राजनीति के कई जानकार नेपाल में शरिया कानून की मांग को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस द्वारा प्रायोजित किया हुआ कदम बता रहे है, जो नेपाल को राजनीतिक रूप से अस्थिर करने की साजिश का हिस्सा है। नेपाली सीमा पर बढ़ रही इन आतंकी गतिविधियों की ओर इशारा करते हुए आंकड़े भी सामने आए हैं, जो यह साबित करते हैं कि भारत में आतंकवादियों के घुसपैठ के प्रयास बढ़े हैं। बात बार्डर पर चल रहे मदरसों की आतंकवादी गतिविधियों में लिप्तता की की जाये तो इसके कई केस मिल जाते हैं। इसी वर्ष के शुरूआती महीनों में मटर-धमऊर रेलवे स्टेशन के पिलर संख्या 501-6 के पास से एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया था, जिसे मदरसा मदीनतुल में शरण मिली थी। इसी तरह, 2024 में हिजबुल मुजाहिदीन के तीन आतंकवादी गिरफ्तार हुए थे, जो नेपाली सीमा के पास स्थित एक मदरसे में ठहरे हुए थे। 2020 में पापुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के एक ट्रेनिंग कमांडर राशिद को गिरफ्तार किया गया था, जो नेपाल सीमा से सटे मदरसे में सक्रिय था। इस तरह की घटनाएं यह साबित करती हैं कि नेपाल सीमा पर आतंकवादियों की सक्रियता बढ़ रही है, और सुरक्षा एजेंसियों को इसके प्रति सजग रहने की आवश्यकता है।इसके लिये मदरसों के भी पेंच कसना जरूरी है।

नजीर बनेगी सुप्रीम कोर्ट की संवदेनशीलता

इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले

रोहित माहेश्वरी

इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा ने फैसला सुनाते हुए कहा था-पीड़िता के निजी अंगों को पकड़ना और पायजामे का नाड़ा तोड़ना दुष्कर्म या दुष्कर्म की कोशिश नहीं मानी जा सकती। इस फैसले पर न्यायविदों, नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बहुत तल्ख प्रतिक्रियाएं जताई थीं। 'वी द वुमेन ऑफ इंडिया' की अर्जी पर सर्वोच्च अदालत को स्वतः संज्ञान लेना पड़ा। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की न्यायिक पीठ ने कहा कि 'यह मामला नाबालिग से दुष्कर्म का है, जो बेहद गंभीर है। खेद है कि फैसला देने वाले जज के खिलाफ कठोर शब्दों का प्रयोग करना पड़ रहा है। यह फैसला जज का असंवेदनशील और अमानवीय नजरिया दिखाता है, लिहाजा इस पर रोक जरूरी है।' बेंच ने माना कि फैसला लिखने में संवेदनशीलता की कमी दृष्टिगोचर होती है। कोर्ट का मानना था कि जब फैसला चार माह तक सुरक्षित रखने के बाद सुनाया गया तो यह नहीं कहा जा सकता कि इस पर गंभीर मंथन नहीं हुआ। वहीं शीर्ष अदालत ने इस मसले पर केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार को भी नोटिस जारी किया है। केंद्र के सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने भी पीठ के फैसले से सहमति जताई। उन्होंने कहा कि दुष्कर्म की तैयारी थी, दुष्कर्म नहीं किया गया...

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने 17 मार्च के एक फैसले में कहा था कि पीड़िता के स्तन को छूना और पायजामे की डोरी तोड़ने को बलात्कार या बलात्कार की कोशिश के मामले में नहीं गिना जा सकता है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले से पूरा देश हतप्रभ था। कोर्ट के फैसले पर देशभर में चर्चा का दौर तो शुरू हुआ ही, वहीं यह फैसला सवालों के घेरे में भी था। वी द वुमन ऑफ इंडिया नामक संगठन ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख़ किया था। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले का स्वतः संज्ञान लिया। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने कहा कि क्योंकि फैसला पूरी तरह से असंवेदनशील और अमानवीय नज़रिए को दिखाता है, इसलिए फैसले पर रोक लगाना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले पर रोक लगाकर न्याय की संवेदनशीलता को मजबूती प्रदान की है। जिस केस में यह फैसला सुनाया गया, यह मामला उत्तर प्रदेश के कासगंज जनपद के पटियाली थाना क्षेत्र में एक किशोरी से जुड़ा था।

घटना साल 2021 में एक नाबालिग लड़की के साथ हुई थी। इस मामले में लड़की की मां ने आरोप लगाया था कि 10 नवंबर 2021 को शाम पांच बजे जब वो अपनी 14 वर्षीय बेटी के साथ देवरानी के गांव से लौट रही थीं तो अभियुक्त पवन, आकाश और अशोक मोटरसाइकिल पर उन्हें रास्ते में मिले। मां का कहना था कि पवन ने उनकी बेटी को घर छोड़ने का भरोसा दिलाया और इसी विश्वास के तहत उन्होंने अपनी बेटी को जाने दिया। लेकिन रास्ते में मोटरसाइकिल रोककर इन तीनों लोगों ने लड़की से बदतमीजी की और उसके प्राइवेट पार्ट्स को छुआ। उसे पुल के नीचे घसीटा और उसके पायजामे का नाड़ा तोड़ दिया। लेकिन तभी वहां से ट्रैक्टर से गुज़र रहे दो व्यक्तियों सतीश और भूरे ने लड़की का रोना सुना। अभियुक्तों ने उन्हें तमंचा दिखाया और फिर वहां से भाग गए। जब नाबालिग की मां ने पवन के पिता अशोक से शिकायत की तो उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई जिसके बाद वे थाने गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ये मामला कासगंज की विशेष कोर्ट में पहुंचा जहां पवन और आकाश पर आईपीसी की धारा 376 (बलात्कार), पॉक्सो एक्ट की धारा 18 (अपराध करने का प्रयास) और अशोक के खिलाफ धारा 504 और 506 लगाई गई। इस मामले में सतीश और भूरे गवाह बने, लेकिन इस मामले को अभियुक्तों की तरफ से इलाहाबाद हाई कोर्ट में चुनौती दी गई। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा ने फैसला सुनाते हुए कहा था-पीड़िता के निजी अंगों को पकड़ना और पायजामे का नाड़ा तोड़ना दुष्कर्म या दुष्कर्म की कोशिश नहीं मानी जा सकती। इस फैसले पर न्यायविदों, नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बहुत तल्ख प्रतिक्रियाएं जताई थीं। 'वी द वुमेन ऑफ इंडिया' की अर्जी पर सर्वोच्च अदालत को स्वतः संज्ञान लेना पड़ा। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की न्यायिक पीठ ने कहा कि 'यह मामला नाबालिग से दुष्कर्म का है, जो बेहद गंभीर है। खेद है कि फैसला देने वाले जज के खिलाफ कठोर शब्दों का प्रयोग करना पड़ रहा है। यह फैसला जज का असंवेदनशील और अमानवीय नजरिया दिखाता है, लिहाजा इस पर रोक जरूरी है।' बेंच ने माना कि फैसला लिखने में संवेदनशीलता की कमी दृष्टिगोचर होती है। कोर्ट का मानना था कि जब फैसला चार माह

तक सुरक्षित रखने के बाद सुनाया गया तो यह नहीं कहा जा सकता कि इस पर गंभीर मंथन नहीं हुआ। वहीं शीर्ष अदालत ने इस मसले पर केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार को भी नोटिस जारी किया है। केंद्र के सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने भी पीठ के फैसले से सहमति जताई। उन्होंने कहा कि दुष्कर्म की तैयारी थी, दुष्कर्म नहीं किया गया, जज के फैसले में ऐसा कहा गया है। यह बेहद गंभीर टिप्पणी है। दरअसल, इलाहाबाद हाईकोर्ट की एकल पीठ का कहना था कि दुराचार करने की कोशिश और अपराध की तैयारी के बीच के अंतर को सही ढंग से समझना चाहिए। हाईकोर्ट ने निचली अदालत को आईपीसी व पॉक्सो एक्ट की हल्की धाराओं में मुकदमा चलाने की अनुमति दी थी। जहां अभियुक्तों पर आईपीसी की धारा 376 व पॉक्सो एक्ट की धारा 18 लगाई गई। जिसको अभियुक्तों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इसी मामले में आए इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ लोगों में नाराजगी देखी गई। माना गया कि इसका समाज में गलत संदेश जाएगा और महिलाओं की सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। इसके चलते ही एक महिला संगठन वी द वूमेन ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। कालांतर सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में स्वत-संज्ञान लिया। उल्लेखनीय है कि एक ऐसे ही मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच के फैसले को पलट कर कानून की संवेदनशीलता को संबल दिया था। तब भी सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2021 में कहा था कि किसी बच्चे के यौन अंगों को यौन इरादे से छूना पॉक्सो अधिनियम की धारा 7 के तहत यौन हिंसा माना जाएगा। अब चाहे इसमें त्वचा का संपर्क नहीं हुआ हो। कोर्ट का मानना था कि अभियुक्त का इरादा ज्यादा मायने रखता है। बहरहाल सवाल है कि 'दुष्कर्म' का भाव क्या होता है? आरोपितों ने उस नाबालिग लडकी के निजी अंगों को क्यों पकड़ा था? पायजामे का नाड़ा क्यों तोड़ा या खोला था? और उस लडकी को पुलिया के नीचे क्यों ले जाना चाहते थे? इन सभी हरकतों में दुष्कर्म की नीयत अथवा मंशा साफ थी, लिहाजा एक आम आदमी के तौर पर हम इसे दुष्कर्म ही मानेंगे। आमतौर पर फैसले के ऐसे चरण में सर्वोच्च अदालत हस्तक्षेप नहीं करती और न ही रोक लगाती, लेकिन न्याय के नाम पर यह अनैतिक था और न्यायिक सिद्धांतों से परे था, लिहाजा विवादित हिस्से पर रोक लगानी पड़ी। वो तो लड़की जोर से चीखती रही, लिहाजा कुछ लोग उसे बचाने को वहां आ गए और आरोपित वहां से भाग गए, नतीजतन लड़की दुष्कर्म के दंश से बच गई। अलबत्ता दुष्कर्म हो सकता था। वर्ष 2021 में सर्वोच्च अदालत ने आरोपित पैतृक और स्त्री-द्वेषी रवैये के खिलाफ एक व्यापक चेकलिस्ट जारी की थी। खासकर न्यायिक फैसलों के संदर्भ में यह किया गया था, लेकिन अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। निचली अदालतों में स्थितियां काफी खराब हैं।

केंद्रीय वक्फ़ अधिनियम लागू

वक्फ से जुड़ा भ्रम टूटा नहीं !

के. विक्रम राव

उर्दू शब्दकोश के अनुसार वक्फ़ का अर्थ है अल्लाह को समर्पित संपत्ति। हालांकि भारत में वक्फ़ के तहत भूमि अधिकतर छिपे तरीके से निजी हित में कब्जियाकर इस्तेमाल होती रही। यह गंभीर पहलू कल के (02 अप्रैल 2025) संसदीय बहस में सुनाई नहीं दिया। बात 1955 की है जब हैदराबाद सरकार ने पहला वक्फ़ बोर्ड गठित किया था, तभी एक साल बीते थे नेहरू सरकार को केंद्रीय वक्फ़ अधिनियम लागू किये। मगर महाराष्ट्र की कांग्रेस सरकार ने औरंगाबाद मंडलायुक्त का प्रशासक नियुक्त कर इस पहले वक्फ़ बोर्ड को भंग कर दिया था। वक्फ की अवधारणा इस्लाम के प्रारंभिक दौर में शुरू हुई। इसे धार्मिक और सामाजिक प्रयोजनों के लिए संपत्तियों को समर्पित करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया। समय के साथ, वक्फ संस्थाएं बनीं, जिनका उद्देश्य समुदाय की भलाई को बढ़ावा देना था। एक कहानी और प्रचलित है कि एक बार खलीफा उमर ने खैबर में एक जमीन खरीदी। उन्होंने पैगंबर मोहम्मद से पूछा कि इस जमीन का सबसे अच्छा उपयोग कैसे किया जा सकता है।

पैगंबर ने उन्हें सलाह दी कि इस जमीन को रोक लेना चाहिए। इसे बेचने, उपहार में देने या विरासत में देने के बजाय, इसके फायदे को लोगों की जरूरतों पर खर्च करना चाहिए। इस तरीके से उस जमीन को वक्फ कर दिया गया, जिसका मतलब है कि उस जमीन से होने वाले लाभ सभी लोगों के लिए उपयोगी होंगे। कुछ इतिहास का संदर्भ देखें। वक्फ की संपत्ति की शुरुआत दो गांवों के दान से हुई थी, जो हमलावर मोहम्मद गोरी से जुड़ी हुई है। बारहवीं शताब्दी के अंत में जब मोहम्मद गोरी ने पृथ्वीराज चौहान को हराया, तो उसने अपनी शक्ति को मजबूत करने के लिए मुसलमानों की शिक्षा और इबादत के लिए कदम उठाए। उसने मुल्तान की जामा मस्जिद के लिए दो गांव दान किए और इसे भारत में वक्फ का एक शुरुआती उदाहरण माना जाता है। मगर कालांतर में हिंदुओं की संपत्ति भी जबरन वक्फ़ के कब्जे में जाती रही। गनीमत है कि मुख्तार अंसारी और अतीक अहमद द्वारा कब्जियाई संपत्ति वक्फ़ नहीं बन पाई। इसी परिवेश में जानना जरूरी है कि भारत का नया संसद भवन यदि कांग्रेस शासन लौटा तो वक्फ़ संपत्ति घोषित की जा सकती है। हालांकि यह संभावना 2021 में सच साबित हो रही थी। न्यायिक निर्णय (हाईकोर्ट : 1 जून 2021) के बाद राजधानी के सेन्ट्रल विस्तार योजना का निर्माण कार्य निर्बाध रुप से चलेगा। किन्तु दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष और ओखला क्षेत्र से आम आदमी पार्टी के विधायक मियां मोहम्मद अमानतुल्ला खान ने (4 जून 2021) प्रधानमंत्री को पत्र लिख कर आग्रह किया कि इस नयी राजधानी निर्माण क्षेत्र में आनेवाली मस्जिदों को बनी रहने दिया जाये। उन्होंने लिखा कि इंडिया गेट के पास के जलाशय के समीपवाली जाब्तागंज मस्जिद न तोड़ी जाये। इसी प्रकार कृषि भवन तथा राष्ट्रपति भवन की मस्जिद भी सुरक्षित रहें। उनकी लिस्ट में सुनहरी बाग रोड, रेड क्रास रोड की (संसद मार्ग), जामा मस्जिद (शाहजहांवाला नहीं) आदि भी शामिल हैं। ध्यान रहें कि ये सब वक्फ की संपत्ति नहीं हैं। एक दफा हरियाणा के चन्द जाट किसानों ने रायसीना हिल्स पर अपना दावा ठोका था। वे राष्ट्रपति को बेदखल कर खुद रहना चाहते थे (20 फरवरी 2017, दि हिन्दू)। इस जाट किसान महाबीर का कहना था कि उसके परदादा के पिता कल्लू जाट रायसीना भूभाग पर हल चलाते थे। उनके पुत्र नत्थू भी यहीं जोताई करता था। मगर 1911 में नयी राजधानी निर्माण पर ब्रिटिश राज ने उन्हें बेदखल कर दिया था। विधायक खान ने दस दिन की नोटिस भारत सरकार को दिया है। वे नहीं चाहते कि अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़े। इसकी पूरी रपट चैन्नई के वामपंथी अंग्रेजी दैनिक दि हिन्दू में (5 जून 2021, पृष्ठ–3, कालम 4–6 में) छपी है। यूं तो नयी दिल्ली के कई चौराहों पर के उद्यानों में मस्जिदों को असलियत में बिना नक्शे को पारित कराये बनी इमारतें ही कहा जायेगा। यहां मजहबी मुसलमानों को वक्फ़ से जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों से अवगत हो जाना चाहिए। मक्का में डेढ़ सौ से अधिक पुरानी मस्जिदों को गत वर्षों में साउदी बादशाह के हुक्म से तोड़ा गया था ताकि हज के लिये आनेवाले जायरीनों के आवास, भोजन और दर्शन हेतु पर्याप्त व्यवस्था हो सके। मक्का–मदीना इस्लाम का पवित्रतम तीर्थस्थल है।

अनमोल विचार

- संसार में सबकुछ ख़त्म धीरे-धीरे ही होता है पर उसको जानने में लोगो को सैंकडो साल लग जाते है ।
- जब तक हो सके मौन रहना सीखिए क्योंकि जहाँ बोलना है वहाँ आप अच्छे से खुद को व्यक्त कर सके ।
- लक्ष्य का आपका कब पूरा होगा किसी को नहीं पता बस ज़रूरत है उसे पूरा करने की बीच में कभी ना हटे ।
- व्यक्ति को अपनी दिनचर्या पर ख़ास ध्यान देना चाइए क्योंकि इससे ही व्यक्ति आगे बढ़ सकता है ।
- सफल व्यक्तियों से अगर आप उनसे सफलता का राज पूछेंगे तो यही बतायेंगे के हर कार्य उन्होंने समय के साथ पूरा किया ।

रोचक जानकारी — आत्मसम्मान की रक्षा

स्वामी विवेकानंद लाहौर में अपने कुछ अनुयायियों के साथ एक धार्मिक बैठक में भाग लेने गए थे। वहां स्वामी विवेकानंद एक छोटे से बाजार से गुजर रहे थे, तब उन्होंने देखा कि एक वृद्ध महिला एक दुकान से बर्तन खरीद रही थी। वह महिला गरीब थी और बाजार में बहुत परेशान दिख रही थी। स्वामी विवेकानंद ने महिला को देखा और बिना किसी भूमिका के उसके पास गए। उन्होंने महिला से पूछा, 'आप इतनी परेशानी में क्या खरीदने की कोशिश कर रही हैं?' महिला ने जवाब दिया, 'बर्तन, जिन्हें घर में इस्तेमाल करना है। यह मेरे परिवार की जरूरत है, लेकिन मेरे पास पर्याप्त पैसे नहीं हैं।' स्वामी विवेकानंद ने महिला को देखा और बिना एक शब्द बोले अपनी जेब से कुछ पैसे निकालकर महिला को दे दिए। महिला चुपचाप पैसे लेकर चली गई। इसके बाद उन्होंने अपने अनुयायियों से कहा कि हमारी सभ्यता और हमारी सोच का मूल यही होना चाहिए, ताकि हम किसी भी व्यक्ति को आत्मसम्मान और सम्मान से जीने का अवसर दे सकें।

आज का राशिफल

मेष: आज अपनी घरेलू कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। खासकर महिलाएं विशेष सावधानी रखें। किचन में अचानक चोट लग सकती है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ: आपको आज का दिन कारोबार हेतु लाभदायक बना रहेगा। नौकरी वर्ग में चैन रहेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। घरेलू कार्य समय पर होंगे। सुख-शांति बनी रहेगी। थकान व कमजोरी रहेगी। अविवाहितों के लिए वैवाहिक प्रस्ताव आ सकता है।

मिथुन: परिवारजनों के साथ किसी बड़ी भूमि व भवन के खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। व्यापार से बड़ा लाभ होने के योग हैं। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार लाभदायक रहेगा।

कर्क : विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

सिंह: नौकरीपेशा वर्ग को मासिक आय में निश्चितता बनी रहेगी। व्यवसाय-व्यापार लाभदायक रहेगा। पुराने शत्रु सक्रिय रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है।

कन्या: नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। धन के निवेश में स्वः विवेक का प्रयोग करें। व्यापार में धनार्जन होगा। घर-परिवार के छोटे सदस्यों के अध्ययन कार्य प्रारंभ होगा। संतान के स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

तुला: आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। जल्दबाजी न करें। धनागम होगा। थकान महसूस होगी। शारीरिक आराम की आवश्यकता रहेगी।

वृश्चिक : कार्य में उत्साह बढ़ेगा। कार्य की बाधा दूर होकर स्थिति लाभप्रद रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। शरीर साथ नहीं देगा। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु: अपनी कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी की अपेक्षाएं बढ़ेगी। तनाव रहेगा। दूसरों के कार्य की जवाबदारी न लें। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे।

मकर: आपकी व्यावसायिक यात्रा आज सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास मनोनुकूल रहेंगे। आप भी अपनी देनदारी समय पर चुका पाएंगे। नौकरी वर्ग को लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। धनार्जन होगा।

कुंभ : नौकरी पेशा के कार्यप्रणाली में आज सुधार होगा। धन लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। कारोबारी अनुबंध होंगे। आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होगी।

मीन: आज व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल होगी। नौकरीपेशा के आय में अच्छी वृद्धि होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

आज का पंचांग

4 अप्रैल को चैत्र शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि और शुक्रवार का दिन है। सप्तमी तिथि शुक्रवार रात 8 बजकर 13 मिनट तक रहेगी। 4 अप्रैल को नवरात्रि का सातवां दिन है। शुक्रवार रात 9 बजकर 45 मिनट तक शोभन योग रहेगा। साथ ही 4 अप्रैल को पूरा दिन, पूरी रात पार कर शनिवार सुबह 5 बजकर 21 मिनट तक आर्द्रा नक्षत्र रहेगा। इसके अलावा शुक्रवार को अन्नपूर्णा परिक्रमा शुरू हो रही है।

04 अप्रैल 2025 का शुभ मुहूर्त

चैत्र शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि- 04 अप्रैल 2025 को रात 8 बजकर 13 मिनट तक

शोभन योग- 04 अप्रैल 2025 को रात 9 बजकर 45 मिनट तक

आर्द्रा नक्षत्र- 04 अप्रैल 2025 को पूरा दिन, पूरी रात पार कर शनिवार सुबह 5 बजकर 21 मिनट तक

04 अप्रैल 2025 व्रत-त्यौहार- नवरात्रि का सातवां दिन, अन्नपूर्णा परिक्रमा शुरू

सूर्योदय-सूर्यास्त का समय

सूर्योदय- सुबह 6:07बजे

सूर्यास्त- शाम 6:40 बजे

फोकस लाइटिंग को रिलोटो ऑटोमेशन से 15 करोड़ का बड़ा ऑर्डर!

मुंबई, एजेंसी। फोकस लाइटिंग एंड फिक्स्चर लिमिटेड , जो एलईडी लाइट्स और फिक्स्चर्स केनिर्माण और नवीनतम लाइटिंग समाधानों में अग्रणी है, ने रिलोटो ऑटोमेशन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड से एक महत्वपूर्ण ऑर्डर प्राप्त किया है। कंपनी को रिलोटो ऑटोमेशन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड से ?14.59 करोड़ (जीएसटी को छोड़कर) का ऑर्डर प्राप्त हुआ है, जो लाइटिंग और फिक्स्चर्स के निर्माण, आपूर्ति और डिलीवरी से संबंधित है। यह डोमेस्टिक कमर्शियल ऑर्डर अगले एक वर्ष में पूरा किया जाएगा। यह अनुबंध कंपनी की उच्च गुणवत्ताऔर अत्याधुनिक तकनीक वाली लाइटिंग सॉल्यूशंस प्रदान करने की विशेषज्ञता को दर्शाता है, जो विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए अनुकूलित हैं। सटीकता और स्थायित्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ, यह ऑर्डर फोकस लाइटिंग की राजस्व वृद्धि को बढ़ावा देगा और इसे उद्योग में अग्रणी कंपनियों में से एक के रूप में और मजबूत करेगा। साथ ही, यह सौदा कंपनी की बाजार में उपस्थिति को और विस्तारितकरने में सहायक होगा।इस विकास पर टिप्पणी करते हुए, फोकस लाइटिंग एंड फिक्स्चर्स के प्रबंध निदेशक, अमित शेठ ने कहा, हमें रिलोटो ऑटोमेशन सॉल्यूशंस से एक और महत्वपूर्ण ऑर्डर प्राप्त करके अत्यंत हर्ष हो रहा है, जिससे हमारे व्यावसायिक संबंध और अधिक सशक्त हुए हैं। पहले से ही 5.72 करोड़ के ऑर्डर के साथ, यह नया अनुबंध हमारे कौशल पर विश्वास और उच्च गुणवत्ता व अत्याधुनिक तकनीक से युक्त प्रकाश समाधान प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित करता है। साथ ही, गांधीनगर नगर निगम से हाल ही में प्राप्त ऑर्डर इस बात का प्रमाण है कि हम बड़े पैमाने पर और विविध प्रकाश परियोजनाओं को कुशलतापूर्वक पूरा करने की क्षमता रखते हैं।

दुनिया के सबसे अधिक अरबपतियों वाले टॉप-3 देशों में इंडिया

नईदिल्ली, एजेंसी। फोर्ब्स वर्ल्ड बिलियनेयर्स लिस्ट 2025 के मुताबिक दुनिया भर में 3,000 से अधिक अरबपतियों की कुल संपत्ति 1,344 लाख करोड़ (.16.1 ट्रिलियन) है, जैसा कि में बताया गया है। इनमें से 50 प्रतिशत अरबपति केवल तीन देशों अमेरिका, चीन और भारत से हैं। इन तीनों देशों ने पिछले साल सबसे ज्यादा बिलियनेयर एसेट्स भी बनाई है। वहीं, दुनिया के 78 देशों में कम से कम 1 अरबपति मौजूद है। दुनिया में कुल 3,028 अरबपति हैं। यह संख्या पिछले साल से 247 अधिक है। इन अरबपतियों की कुल संपत्ति 1,344 लाख करोड़ (.16.1 ट्रिलियन) है, जो पिछले साल से 167 लाख करोड़ (2 ट्रिलियन) ज्यादा है।

मोहित मलिक ने चमकः द कन्क्लूजन में मनोज पाहवा के साथ काम को बताया सीखने का यादगार अनुभव

मुंबई एजेंसी। जल्द ही रिलीज होने जा रही म्यूज़िकल थ्रिलर वेबसीरीज़ चमक : द कन्क्लूजन में अभिनेता मोहित मलिक दिग्गज कलाकार मनोज पाहवा के साथ अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। इस सीरीज़ में मोहित, मनोज पाहवा द्वारा निभाए गए प्रताप देओल के बेटे गुरु देओल का किरदार निभा रहे हैं। मनोज पाहवा के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए मोहित ने कहा, मनोज सर के साथ काम करना मेरे लिए किसी सपने के पूरे होने जैसा था। उनके जैसे अनुभवी अभिनेता के साथ स्क्रीन साझा करना न सिर्फ प्रेरणादायक था, बल्कि एक सीखने वाला अनुभव भी रहा। उनकी हर अदा और हावभाव में वर्षों का अनुभव झलकता है। उन्होंने सिर्फ मार्गदर्शन ही नहीं किया, बल्कि अपने सूक्ष्म इम्प्रोवाइजेशन से मेरे अभिनय को और निखार दिया, जिससे दृश्य कहीं अधिक प्रभावशाली बन पाए। मोहित ने बताया कि शूटिंग के पहले ही दिन मनोज सर का व्यवहार अचानक सख्त हो गया, जिससे वह थोड़े असहज हो गए।

आईआईटी से पढ़ाई, झुग्गी बस्ती से की काम की शुरुआत...

13 साल में बना दिया करोड़ों का ब्रांड

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑनलाइन फैशन ब्रांड बेवकूफ ने हाल ही में अपने 13 साल पूरे किए हैं। इसके संस्थापक और सीईओ प्रभकिरण सिंह हैं। उन्होंने सिद्धार्थ मुनोत के साथ इसकी नींव रखी थी। दोनों आईआईटी बॉम्बे से पासआउट हैं।

यह ब्रांड अपने मजेदार और अलग डिजाइन के लिए जाना जाता है। कंपनी का पहला ऑफिस मुंबई की झुग्गी बस्ती में टिन शेड के साथ सबसे ऊपरी मंजिल पर था। परिस्थितियां कठिन थीं। लेकिन, जमीन से एक बड़ा व्यवसाय बनाने की अपनी अटूट इच्छा के कारण वह कामयाब रहे। जो कंपनी कुछ हजार रुपये से शुरू हुई थी, देखते ही देखते करोड़ों का ब्रांड बन गई। 2022 में आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल (एबीएफआरएल) ने अपनी सहायक कंपनी टीएमआरडब्ल्यू हाउस ऑफ ब्रांड्स के जरिये बेवकूफ में बड़ी हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया।

सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक – प्रभकिरण सिंह का जन्म 1990 में हुआ था। उन्होंने आईआईटी बॉम्बे से पढ़ाई की। सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक किया। वह हमेशा से क्रिकेटर बनना चाहते थे। उन्हें लगता था कि वह 9-5 की नौकरी नहीं कर पाएंगे। इसलिए वह कॉलेज के दिनों से ही अपना बिजनेस शुरू करने की योजना बनाने लगे थे। कॉलेज के दिनों में उन्होंने खड़के जी लस्सी नाम से एक लस्सी कैफे शुरू किया। 2012 में उन्होंने बेवकूफ की सह-स्थापना की। वह अभी मुंबई में रहते हैं। प्रभकिरण सिंह ने दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में दो महीने की इंटर्नशिप भी की।

फैशन ब्रांड से पहले लस्सी कैफे चलाया –फरवरी 2010 से सितंबर 2010 तक प्रभकिरण ने लस्सी कैफे चलाया। 23 साल की उम्र में साल 2012 में उन्होंने बेवकूफ नाम से अपना

सिर्फ 30,000 रुपये से शुरुआत

प्रभकिरण सिंह ने बेवकूफ की शुरुआत सिर्फ 30,000 रुपये से की थी। छह महीने बाद कंपनी को सीड फंडिंग मिलनी शुरू हो गई। प्रभकिरण ने स्नैपडील के संस्थापकों कुणाल बहल और रोहित बंसल के अलावा आईडीएफसी सिक्योरिटीज के पूर्व एमडी निखिल वोरा के जरिये एंजेल फंडिंग भी जुटाई। दिसंबर 2022 में आदित्य बिड़ला के टीएमआरडब्ल्यू ने बेवाकूफ में 200 करोड़ रुपये का निवेश करके 70-80 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर ली। बेवकूफ अब आदित्य बिड़ला के टीएमआरडब्ल्यू की सहायक कंपनी है।

लाखों के लिए प्रेरणा – बेवकूफ भारत के सबसे बड़े डी2सी ऑनलाइन ब्रांडों में से एक है।

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड ने ग्राहकों के लिए शुरू की नई सुविधा

नईदिल्ली, एजेंसी। म्यूचुअल फंड निवेशकों को एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने बड़ा तोहफा दिया है। इस कंपनी ने 2 अप्रैल को व्हाट्सएप आधारित टैप2इन्वेस्ट सुविधा शुरू करने की घोषणा की। इसके तहत एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के मौजूदा ग्राहक मैसेजिंग ऐप पर 'सिंपल' टैप-आधारित अनुभव के माध्यम से योजनाओं में निवेश कर सकेंगे। उद्योग में पहली बार शुरू की गई यह पहल एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के मौजूदा केवाईसी-सत्यापित निवेशकों के लिए है। यह सुविधा व्हाट्सएप पर एक सरल, टैप-आधारित अनुभव के माध्यम से म्यूचुअल फंड योजनाओं में निवेश करने की अनुमति देती है।

क्या है नंबर– निवेशक व्हाट्सएप नंबरः 82706 82706 के माध्यम से सीधे एचडीएफसी म्यूचुअल फंड योजनाओं में एक व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) शुरू कर सकते हैं या एकमुश्त निवेश कर सकते हैं। यह प्लेटफॉर्म यूपीआई ऑटोपे, नेट बैंकिंग और अन्य डिजिटल मोड सहित कई भुगतान विकल्पों का सपोर्ट करता है। एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन के साथ यह सर्विस सिक्योरिटी को प्राथमिकता देती है।

रक्षा मंत्रालय से मिला 270 करोड़ का ऑर्डर

नईदिल्ली, एजेंसी। किर्लोस्कर ऑयल इंजन्स के शेयर आज गुरुवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज शुरुआती कारोबार में ही 5 प्रतिशत तक चढ़ गए और 765 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। इसका पिछला बंद प्राइस 729.20 रुपये है। किर्लोस्कर ऑयल इंजन्स के शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ा ऑर्डर है। दरअसल, कंपनी को रक्षा मंत्रालय से ऑर्डर मिला है और यह ऑर्डर 270 करोड़ रुपये का है।

कंपनी ने दी है जानकारी

कंपनी ने अपनी विज्ञप्ति में कहा, ... को मेक-ढ्ढ योजना के तहत 6 मेगावाट क्षमता के मध्यम गति वाले समुद्री डीजल इंजन के डिजाइन और विकास के लिए रक्षा मंत्रालय से एक बड़ा ऑर्डर मिला है। प्रोटोटाइप डीजल इंजन में 50 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री होगी और इसे 270 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जाएगा, जिसमें 70 प्रतिशत वित्त पोषण भारत सरकार से होगा। कंपनी इनहाउस, मध्यम गति के इंजन डिजाइन और विकसित करेगी, जो 3 मेगावाट से 10 मेगावाट तक स्केलेबल होंगे और विकसित इंजन भारतीय नौसेना और इंडियन कोस्ट गार्ड के जहाजों पर मेन प्रोपल्शन और पावर प्रोडक्शन के लिए उपयोग किए जाएंगे।

गिरावट भरे मार्केट में उबल रहे पराग मिल्क फूड्स के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर मार्केट में गिरावट के बीच पराग मिल्क फूड्स के शेयर गुरुवार को 9 प्रतिशत से अधिक की उछल गए। इस उबाल के पीछे कंपनी का वह ऐलान है, जिसमें कहा गया है कि कंपनी ने कन्वर्टिबल वारंट्स के प्रिफरेंशियल इश्यू के जरिए 161 करोड़ रुपये की फंड रेजिंग करेगी। पराग मिल्क फूड्स के शेयर बीएसई पर 9.56 प्रतिशत चढ़कर 185.00 रुपये प्रति शेयर तक पहुंच गए। दोपहर 12:00 बजे, पराग मिल्क फूड्स के शेयर 7 प्रतिशत की तेजी के साथ 180.74 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे थे।

प्रिफरेंशियल इश्यू के जरिए 161 करोड़ रुपये जुटाने को मंजूरी– 3 अप्रैल को हुई बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक में, पराग मिल्क फूड्स ने कर्ज को कम करने और/या कंपनी की वर्किंग कैपिटल/कैपिटल एक्सपेंडिचर जरूरतों को पूरा करने के लिए कन्वर्टिबल वारंट्स के प्रिफरेंशियल इश्यू के जरिए 161 करोड़ रुपये जुटाने को मंजूरी दी।

90,00,000 कन्वर्टिबल वारंट्स जारी करने को मंजूरी– कंपनी ने 3 अप्रैल को रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि बोर्ड ने प्रस्तावित आवंटनकर्ताओं को 90,00,000 कन्वर्टिबल वारंट्स जारी करने को मंजूरी दी है, जिन्हें 10 रुपये फेस वैल्यू वाल 90,00,000 इक्विटी शेयरों में बदला जा सकता है। प्रत्येक वारंट की कीमत 179.10 रुपये (169.10 रुपये प्रीमियम सहित) रखी गई है। बोर्ड ने प्रिफरेंशियल इश्यू के लिए शेयरधारकों की मंजूरी लेने के लिए 3 मई, 2025 को एक एक्स्ट्राऑर्डिनरी जनरल मीटिंग (ईजीएम) आयोजित करने का भी फैसला किया, जो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या अन्य ऑडियो-विजुअल माध्यमों के जरिए होगी।

पराग मिल्क फूड्स शेयर प्राइस ट्रेंड– पराग मिल्क फूड्स के शेयर ने पिछले एक महीने में 28 प्रतिशत से अधिक की बढ़त दर्ज की है, लेकिन यह स्टॉक साल-दर-साल आधार पर 3.5 प्रतिशत नीचे है। इस स्मॉल-कैप स्टॉक ने पिछले एक साल में 15 प्रतिशत की गिरावट दिखाई है। हालांकि, लंबी अवधि में पराग मिल्क फूड्स के शेयर ने मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। इस स्मॉल-कैप स्टॉक ने दो साल में 135 प्रतिशत और पांच साल में 180 प्रतिशत रिटर्न दिया है।

गेम्स24|7 के टेकएक्सपेडाइट पिच डे के मौके पर एक मंच पर आए भारत के उभरते टेक स्टार्टअप्स

मुंबई एजेंसी। ऑनलाइन गेमिंग के क्षेत्र में अग्रणी टेक-फर्स्ट ऑर्गनाइजेशन गेम्स24×7 ने अपने टेकएक्सपेडाइट एक्सलरेटर प्रोग्राम के पिच डे की मेजबानी की। इसमें 12 उभरते टेक स्टार्टअप्स ने निवेशकों, उद्योग जगत के अग्रणी लोगों एवं सरकारी प्रतिनिधियों के सम्मानित पैनल के समक्ष अपने इनोवेटिव समाधान प्रदर्शित किए। इन चुने गए स्टार्टअप्स में कोइरा, मैपल डॉट एआई, ग्लोवाट्रिक्स, लियाप्लस एआई, गैबिफाई, आर्फिकस, काइरोविजन, चिट्ठ, नोहा डॉट एआई, स्पोडा, ज्यूरॉन डॉट एआई और बीएबल हेल्थ शामिल हैं।

महाराष्ट्र सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी एवं सांस्कृतिक मामले मंत्री आशीष शेलार ने इन स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा, 'टेकएक्सपेडाइट जैसी पहल अगली पीढ़ी के विचारों को पोषित करने, भारत में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को गति देने और मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए जरूरी है। ऐसी पहलें भविष्य की अग्रणी टेक कंपनियों को बढ़ावा देने के लिए मंच प्रदान करने और उत्प्रेरक के रूप में काम करने के भारत सरकार के लक्ष्य के अनुरूप हैं। हम इस प्रोग्राम के प्रभाव और इससे समर्थन पाने वाले अद्वितीय स्टार्टअप्स की सफलता के साक्षी बनने के लिए उत्साहित हैं।'उभरते स्टार्टअप्स को महत्वपूर्ण संसाधन, मेंटरशिप और उद्योग में जरूरी एक्सपोजर देते हुए सशक्त करना इस प्रोग्राम का लक्ष्य है। इसमें देशभर के चुनिंदा स्टार्टअप्स ने निवेशकों एवं उद्योग के अग्रणी प्रतिनिधियों के समक्ष अपने इनोवेटिव सॉल्यूशंस प्रदर्शित किए।

एयरबीएनबी ने गोवा अनसीन लॉन्च किया

गोवा की छुपी सांस्कृतिक धरोहर का डिजिटल मार्गदर्शक

गोवा, एजेंसी। गोवा अपनी खूबसूरत समुद्र तटों, शानदार नाइटलाइफ और पर्यटन के लिए मशहूर है। लेकिन इसके अलावा, यहां ऐतिहासिक हवेलियों, सुगंधित मसाला बागानों और पारंपरिक बाजारों से सजी एक सांस्कृतिक दुनिया भी है जो गोवा की विरासत और कला को जीवंत बनाती है। गोवा की कम चर्चित लेकिन समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को सामने लाने के लिए एयरबीएनबी ने गोवा पर्यटन विभाग के साथ मिलकर गोवा अनसीन डिजिटल गाइडबुक लॉन्च की है जो यात्रियों को राज्य के छिपे हुए ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों से अवगत कराएगी। एयरबीएनबी और गोवा पर्यटन विभाग की रीडिस्कवर गोवा पहल के अंतर्गत गोवा अनसीन गाइडबुक को लॉन्च किया गया है जिसका उद्देश्य यात्रियों को गोवा की अनदेखी खूबसूरती से परिचित कराना है इसे गोवा के पर्यटन मंत्री श्री रोहन खंवटे, एयरबीएनबी के भारत एवं साउथ ईस्ट एशिया के कंट्री हेड अमनप्रीत सिंह बजाज, और प्रसिद्ध अभिनेता अभय देओल की उपस्थिति में जारी किया गया,

जिनका इस राज्य से विशेष जुड़ाव है।

एयरबीएनबी के भारत और साउथ ईस्ट एशिया के कंट्री हेड अमनप्रीत सिंह बजाज ने कहा गोवा हमेशा एयरबीएनबी के लिए एक महत्वपूर्ण गंतव्य रहा है और रीडिस्कवर गोवा एवं गोवा पर्यटन विभाग के साथ मिलकर शुरू की गई गोवा अनसीन जैसी पहलों के जरिए, हम राज्य की सांस्कृतिक धरोहर, जीवंत समुदायों और अनूठे आवासों को प्रस्तुत करने का प्रयास कर रहे हैं। आतिथ्य के क्षेत्र में उद्यमियों की बढ़ती संख्या के साथ, एयरबीएनबी जिम्मेदारी से भरे पर्यटन को बढ़ावा देने और यात्रियों को गोवा के वास्तविक, कम ज्ञात पहलूओं का अनुभव कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

रीडिस्कवर गोवा 2.0 और गोवा अनसीन गाइडबुक के बारे में गोवा सरकार के पर्यटन मंत्री श्री रोहन खंवटे ने कहा पर्यटन गोवा की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है और रीजेनरेटिव पर्यटन को प्रोत्साहित करके हम सुनिश्चित कर रहे हैं कि इसका लाभ स्थानीय समुदायों, छोटे व्यवसायों और युवा उद्यमियों को मिले ग्रामीण क्षेत्रों में होमस्टे को बढ़ावा देकर और महिलाओं व युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर हम माननीय प्रधानमंत्री के नारी शक्ति और युवा शक्ति के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं एयरबीएनबी के साथ हमारे समझौते को आगे बढ़ाते हुए गोवा अनसीन गाइडबुक जैसी पहलों के ज़रिए, हम यात्रियों को गोवा का एक असली और अनूठा अनुभव देने का प्रयास कर रहे हैं-जो सिर्फ समुद्र तटों तक सीमित नहीं बल्कि राज्य की सांस्कृतिक धरोहर, प्राकृतिक सौंदर्य और स्थानीय परंपराओं को भी उजागर करता है।

लर्निंग के भविष्य में आगे बढ़ने के लिए कैंब्रिज ने दक्षिण एशिया के स्कूलों के सम्मेलन का आयोजन किया

सम्मेलन ने एजुकेटर्स को सशक्त बनाने के लिए नए प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम पेश किए

लर्निंग के भविष्य में आगे बढ़ने के लिए कैंब्रिज ने दक्षिण एशिया के स्कूलों के सम्मेलन का आयोजन किया

मुंबई एजेंसी। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस एंड एसेसमेंट (कैंब्रिज) में इंटरनेशनल एजुकेशन ग्रुप ने आज अपने दूसरे वार्षिक दक्षिण एशिया कैंब्रिज स्कूल्स सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें भारत, नेपाल, श्री लंका, भूटान, बांग्लादेश और मालदीव्स के 400 एजुकेटर्स, स्कूलों और वैचारिक नेतृत्वकर्ताओं ने हिस्सा लिया। इस क्षेत्र में कैंब्रिज योग्यता की बढ़ती मांग के साथ सम्मेलन में कैंब्रिज ने स्कूलों, टीचर्स, और लर्नर्स को तेजी से विकसित होते हुए शिक्षा के परिदृश्य में आगे बढ़ने में सहयोग देने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

इस सम्मेलन का आयोजन 2030 तक विश्व में 44 मिलियन नए टीचर्स की मांग की पृष्ठभूमि में किया गया। कैंब्रिज ने इस जरूरत को समझते हुए नए प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम्स एवं क्वालिफिकेशंस, अपस्किलिंग कोर्स, प्रि-सर्विस टीचर ट्रेनिंग और शॉर्ट-टर्म ई-लर्निंग मॉड्यूल्स द्वारा क्षेत्र के एजुकेटर्स को सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया, ताकि इस क्षेत्र में टीचिंग की क्षमता का विकास हो सके। कैंब्रिज में ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल एजुकेशन ग्रुप, रॉड स्मिथ ने क्षेत्र में उन स्कूल लीडर्स की सराहना की, जो पाठ्यक्रम और संसाधन तैयार करने के लिए कैंब्रिज के साथ काम कर रहे हैं और लर्नर्स को विश्व के लिए तैयार करने के उद्देश्य से नए इनोवेटिव प्रोग्राम पेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''कैंब्रिज में हम लर्नर्स को तेजी से बदलती हुई दुनिया के लिए तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह उद्देश्य पूरा करने के लिए हम टीचर्स को प्रोफेशनल डेवलपमेंट में मदद करते हैं। हम मूल्यांकन के लिए डिजिटल परीक्षाएं पेश कर रहे हैं।

सैंडविच जेनरेशन की महिलाओं के लिए फाइनेंशियल लिटरेसी ज़रूरी : एडलवाइस लाइफ़

मुंबई, एजेंसी। एडलवाइस लाइफ़ के चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर, अनुप सेठ कहते हैं कि, सैंडविच जेनरेशन की महिलाओं को फाइनेंस के बारे में अपनी जानकारी को बेहतर बनाने के साथ-साथ फाइनेंशियल प्लानिंग की जिम्मेदारी अपने हाथों में लेने के लिए भी आगे बढ़कर कदम उठाने चाहिए।

कंपनी की ओर से हाल ही में जारी की गई एक स्टडी के नतीजे बताते हैं कि, इस जेनरेशन की 50 प्रतिशत महिलाएँ अलग-अलग तरह के फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट्स की समझ की कमी को अपनी जमा-पूंजी बनाने में एक बड़ी चुनौती मानती हैं। सामान्य तौर पर सैंडविच जेनरेशन में 35 से 54 साल के लोग शामिल होते हैं, जिन पर दो अलग-अलग जेनरेशन - यानी अपने बुजुर्ग माता-पिता और बढ़ते बच्चों की परवरिश की जिम्मेदारी होती है। श्री सेठ ने कहा लंबे समय से महिलाएँ अपने घरों में सीएफओ की भूमिका निभाने के साथ-साथ परिवार में रोजमर्रा की आर्थिक गतिविधियों को संभालती रही हैं। फिर भी ज़्यादातर महिलाएँ लंबे समय की फाइनेंशियल प्लानिंग का काम अपने पिता या पतियों पर छोड़ देती हैं, चाहे वे कितनी भी पढ़ी-लिखी हों या कहीं भी रहती हों। हालांकि पहले की तुलना में इन दिनों उनकी भागीदारी थोड़ी बेहतर हुई है, लेकिन हमें ज़्यादा-से-ज़्यादा महिलाओं को आगे बढ़कर अपने वित्तीय भविष्य की जिम्मेदारी उठाने के लिए तैयार करने की जरूरत है, जिसकी शुरुआत शिक्षा से होती है।

एजीआई ग्रीनपैक लिमिटेड बोर्ड द्वारा 25 प्रतिशत क्षमता विस्तार के लिए मध्यप्रदेश में एक नए कंटेनर ग्लास प्लांट में 700 करोड़ का निवेश किया जाएगा

मुंबई, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी कंटेनर ग्लास निर्माता कंपनी, एजीआई ग्रीनपैक लिमिटेड (एनएसई- एजीआई; बीएसई- 500187) द्वारा आज मध्य प्रदेश में 700 करोड़ के निवेश से अत्याधुनिक ग्रीनफील्ड, उच्च-उत्पादन और उच्च-दक्षता के विनिर्माण संयंत्र का निर्माण किया जाएगा। इस विस्तार द्वारा उच्च गुणवत्ता के ग्लास पैकेजिंग उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कंपनी की कंटेनर ग्लास विनिर्माण उत्पादन क्षमता में 25 प्रतिशत वृद्धि होगी।

यह नया प्लांट 500 टन की दैनिक उत्पादन क्षमता के लिए डिज़ाइन किया गया है। यहाँ अल्कोहल बेवरेज, फार्मास्यूटिकल्स और खाद्य पदार्थों सहित मुख्य सेक्टर्स के लिए कमर्शियल ग्लास का उत्पादन होगा। एजीआई ग्रीनपैक द्वारा 24 महीनों में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हो जाने की उम्मीद है। इस अवधि से परियोजना का प्रभावी क्रियान्वयन करने और बाजार के लिए प्रतिक्रियाशील रहने की कंपनी की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है।

मध्य प्रदेश देश के मध्य में स्थित होने, अपने मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर, और आसानी से उपलब्ध कच्चे माल के कारण एजीआई ग्रीनपैक को एक रणनीतिक बढ़त प्रदान करेगा। इन सभी लाभों से एजीआई ग्रीनपैक की कंटेनर ग्लास उत्पादन क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी, तथा भारत में इसके रणनीतिक विस्तार को मदद मिलेगी।

भारत दूसरे संयुक्त राष्ट्र खेलों का सह आयोजक, योग और शतरंज में करेगा अगुआई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत खेलों के माध्यम से कूटनीति और सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे दूसरे संयुक्त राष्ट्र खेलों का सह आयोजक है जिसमें वह योग और शतरंज जैसे खेलों में अगुवाई करेगा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पार्वथनेनी हरीश ने बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दूसरे संयुक्त राष्ट्र खेलों के उद्घाटन समारोह का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। सह आयोजक के रूप में, भारत शतरंज और योग में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

हरीश ने कह कि संयुक्त राष्ट्र खेल एकता और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भावना का उत्सव है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी

मिशन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, %मुझे उम्मीद है कि अगली बार इन खेलों में क्रिकेट को भी शामिल किया जाएगा मैं सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देता हूं। भारतीय टीम को अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं।% संयुक्त राष्ट्र खेल अप्रैल-मई 2025 में आयोजित किए जाएंगे।

योग नौ अप्रैल को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में नॉर्थ लॉन के रोज़ गार्डन में, जबकि शतरंज भी उसी दिन नॉर्थ लॉन के ओलंपिक कॉर्नर में आयोजित किया जाएगा। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 जून, 2023 को नौवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशाल नॉर्थ लॉन में एक ऐतिहासिक योग सत्र का नेतृत्व किया था। हरीश ने कहा कि हालांकि हर कोई सक्रिय खिलाड़ी नहीं हो सकता है, लेकिन राजनयिक समुदाय के अधिकतर सदस्य उत्साही प्रशंसक हैं। लोग अलग-अलग टीमों के समर्थक हो सकते हैं, लेकिन खेल उन्हें एकजुट करते हैं।

उन्होंने कहा कि एक अरब से अधिक भारतीयों की तरह वह भी क्रिकेट प्रेमी हैं और उम्मीद जताई के अगली बार संयुक्त राष्ट्र खेलों में क्रिकेट भी शामिल होगा। हरीश ने कहा कि योग और शतरंज में आगे बढ़ना भारत के लिए सौभाग्य की बात है, जैसा कि पिछले साल हुआ था। उन्होंने कहा, %2014 में रिकॉर्ड संख्या में सदस्य देशों के सह-प्रायोजन के साथ 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित करने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से अपनाने के बाद से, योग दुनिया भर में लाखों लोगों के लिए जीवन का एक तरीका बन गया है।

हरीश ने कहा, जहां तक शतरंज का सवाल है तो भारत ने सदियों पहले इस खेल को अपना दिया था। वर्तमान समय में शतरंज की दुनिया में भारत के युवा खिलाड़ियों का दबदबा है जो रिकॉर्ड तोड़कर और वैश्विक चैंपियनशिप जीतकर इतिहास रच रहे हैं।% पिछले साल भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश विश्व शतरंज चैंपियनशिप में चीन के डिंग लिरेन को हराकर 18 साल में सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बने थे।

भारतीय दूत ने विश्वास जताया कि मित्रता और सौहार्द की भावना क्षेत्र के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए पेशेवर और कार्यात्मक आचरण में भी दिखाई देगी। संयुक्त राष्ट्र खेल सितंबर 2024 के संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र खेल और खेल के माध्यम से शांति और बेहतर दुनिया को बढ़ावा देने वाले अन्य प्रस्तावों पर आधारित हैं।संयुक्त राष्ट्र ने कहा, उद्घाटन संस्करण की तरह संयुक्त राष्ट्र खेल 2025 खेलों के माध्यम से सौहार्द, कूटनीति और सहयोग को बढ़ावा देना जारी रखेंगे। संयुक्त राष्ट्र खेल 2025 का उद्घाटन समारोह बुधवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित किया गया।

एटलेटिको को हराकर बार्सिलोना फाइनल में, चिर प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड से होगा खिताबी मुकाबला

मैड्रिड। बार्सिलोना की तरफ से फेरान टोरेस ने पहले हाफ में गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इससे पहले इन दोनों टीमों के बीच फरवरी में खेला गया सेमीफाइनल के पहले लेग का खेल 4-4 से बराबर रहा था।स्पेन के दिग्गज फुटबॉल क्लब

बार्सिलोना ने बुधवार को एटलेटिको मैड्रिड को कोपा डेल रे टूर्नामेंट के सेमीफाइनल के दूसरे लेग में 1-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। खिताबी मुकाबले में अब उसका सामना अपने चिर प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड से होगा। बार्सिलोना की तरफ से फेरान टोरेस ने पहले हाफ में गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इससे पहले इन दोनों टीमों के बीच फरवरी में खेला गया सेमीफाइनल के पहले लेग का खेल 4-4 से बराबर रहा था।इस तरह से बार्सिलोना ने कुल मिलाकर 5-4 से जीत दर्ज करके फाइनल में जगह बनाई। यह पिछले चार सत्र में पहला अवसर है जब बार्सिलोना इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा है।रियल मैड्रिड ने मंगलवार को अतिरिक्त समय तक चले मैच में रियल सोसिदाद को 5-4 के कुल स्कोर से पराजित करके फाइनल में जगह बनाई थी। इन दोनों टीमों के बीच 2013-14 सत्र के बाद पहली बार फाइनल खेला जाएगा। तब रियल मैड्रिड ने खिताब जीता था।

आज मुंबई और लखनऊ के बीच मैच में रोहित और पंत पर रहेगी निगाह

लखनऊ (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जॉइंट्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में शुक्रवार को यहां जब आमने सामने होंगी तो सभी की निगाह रोहित शर्मा और ऋषभ पंत के प्रदर्शन पर टिकी रहेगी। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस का इस सत्र में अभी तक प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है तथा तीन मैच में उसके केवल दो अंक हैं।

भारतीय कप्तान रोहित की खराब फॉर्म मुंबई के लिए चिंता का विषय है। यही बात लखनऊ के कप्तान पंत पर भी लागू होती है जो रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इन दोनों प्रमुख बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन का असर परिणाम पर साफ नजर आ रहा है। इन दोनों टीमों ने अभी तक तीन में से केवल एक मैच जीता है और ऐसे में शुक्रवार को होने वाले मैच में जो टीम परिस्थितियों से बेहतर सामंजस्य बिठाएगी, उसकी जीत की संभावना बढ़ जाएगी।

यही नहीं इस बार क्यूरेटर घरेलू टीमों के अनुकूल पिच तैयार नहीं कर रहे हैं जिस पर कुछ फ्रेंचाइजी के कोच और खिलाड़ियों ने खुलकर नाराजगी व्यक्त की है। ऐसे में पावर प्ले में अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम की जीत की संभावना

बढ़ जाएगी। मुंबई के लिए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की चोट भी चिंता का विषय है। बुमराह कब तक वापसी करेंगे इसको लेकर हार्दिक पांड्या की अगुवाई वाली टीम ने चुप्पी साध रखी है।

बुमराह की जगह लेना आसान नहीं है लेकिन बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार ने पिछले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करके मुंबई की टीम में आशा की नई किरण जगाई है। अश्वनी कुमार ने इस मैच में 24 रन देकर 4 विकेट लिए थे। पंजाब के रहने वाले इस 23 वर्षीय तेज गेंदबाज ने घरेलू क्रिकेट में केवल चार टी20 मैच खेलने के बाद मुंबई की तरफ से आईपीएल में पदार्पण करते हुए शानदार प्रदर्शन किया तथा अजिंक्य रहाणे, मनीष पांडे, रिंकू सिंह और आंद्रे रसेल जैसे बल्लेबाजों को आउट किया।

मुंबई के गेंदबाजों ने कोलकाता के खिलाफ वानखेड़े में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन वह दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज रयान रिकेलटन थे जिन्होंने टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। मुंबई को अगर इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखना है तो फिर रोहित और सूर्यकुमार यादव को बड़ी भूमिका निभानी पड़ेगी।

जहां तक लखनऊ की बात है तो विशाखापत्तनम में आईपीएल के शुरुआती मैच में दिल्ली कैपिटल्स से मिली एक विकेट की निराशाजनक हार के बाद उसकी टीम अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई है। लखनऊ के लिए अच्छी बात यह है कि वेस्टइंडीज के बल्लेबाज निकोलस पूरण अच्छी फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने तीन मैच में अभी तक 189 रन बनाए हैं लेकिन ऑस्ट्रेलिया के मिशेल मार्श को छोड़कर लखनऊ का कोई भी अन्य बल्लेबाज पूरण की तरह बल्लेबाजी नहीं कर पाया है।

लखनऊ की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी गेंदबाजी और कप्तान पंत का अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाना है। लखनऊ के कुछ तेज गेंदबाज चोटिल हैं और ऐसे में उसके गेंदबाजी विभाग की जिम्मेदारी शार्दुल ठाकुर और रवि बिश्नोई संभाल रहे हैं। जहां तक पंत की बात है तो उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने का मौका नहीं मिला और मैच अभ्यास की कमी का असर उनकी बल्लेबाजी में स्पष्ट रूप से नजर आ रहा है। यह आक्रामक बल्लेबाज अभी तक तीन मैच में केवल 17 रन बना पाया है।

टीमें

लखनऊ सुपर जाइंट्स – ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल समद, आकाश दीप, आकाश सिंह, अवेश खान, आयुष बदोनी, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, युवराज चौधरी, राजवर्धन हंगरगेकर, हिम्मत सिंह, शमर जोसेफ, आर्यन जुयाल, अर्शिन कुलकर्णी, एडेन मार्करम, मिशेल मार्श, डेविड मिलर, निकोलस पूरन, प्रिंस यादव, दिग्वेश राठी, रवि बिश्नोई, शाहबाज़ अहमद, मणिमारन सिद्धार्थ, शार्दुल ठाकुर, मयंक यादव।

मुंबई इंडियंस – हार्दिक पंड्या (कप्तान), अश्वनी कुमार, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रित बुमरा, दीपक चाहर, विल जैक्स, बेवॉन जैकब्स, रॉबिन मिंज, मुजीब उर रहमान, नमन धीर, विग्नेश पुथुर, सत्यनारायण राजू, रयान रिकेलटन, मिशेल सेंटनर, कर्ण शर्मा, रोहित शर्मा, कृष्णन श्रीजीत, अर्जुन तेंदुलकर, तिलक वर्मा, रीस टॉपले, सूर्यकुमार यादव।

समय – शाम 7 :30 बजे।

घरेलू टीमों को पिच की स्थिति चुनने का अधिकार होना चाहिए

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय खिलाड़ी और मौजूदा कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पिच की स्थिति तय करने के घरेलू टीमों के अधिकार पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि घरेलू टीमों को अपनी पसंद की पिच की स्थिति तय करने का अधिकार होना चाहिए, उन्होंने तर्क दिया कि यह घरेलू लाभ का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हर घरेलू टीम को यह तय करने का अधिकार होना चाहिए कि वे किस तरह की सतह चाहते हैं, उन्हें सतह की मांग करनी चाहिए, और उन्हें यह मिलना चाहिए, ऐसा मुझे लगता है, क्योंकि घरेलू लाभ वास्तविक है, और यह केवल दो रूपों में आता है- एक वह सतह जिसे आप चुनते हैं और दूसरा वह भीड़ का समर्थन जो वहां होता है। इसके अलावा यह एक दूर का खेल है। आकाश चोपड़ा ने का यह भी मानना था कि पिच किसी टीम के प्रदर्शन के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारक है, यहां तक कि भीड़ के समर्थन से भी ज्यादा। उनका तर्क है कि अगर पिच की स्थिति प्रतिकूल है, तो टीम की पूरी खेल योजना बाधित हो सकती है। उन्होंने कहा, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे किस सतह पर खेलने जा रहे हैं - भीड़ अभी भी गौण हो सकती है। अगर आप पिच को हटा देते हैं, तो मुझे लगता है कि पूरी योजना पूरी तरह से पटरी से उतर जाएगी।

शिखर धवन ने सोफी शाइन से रिलेशनशिप पर लगाई मोहर!, 'इस कमरे में सबसे खूबसूरत लड़की'

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन ने हाल ही में एक समिट के दौरान मिस्त्री गर्ल सोफी शाइन को लेकर अपने रिश्तों के बारे में बात की। अपने शानदार

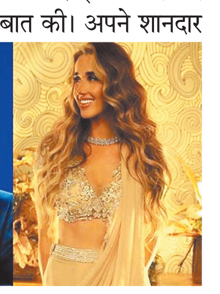

स्ट्रोक-प्ले और करिश्माई व्यक्तित्व के लिए जाने जाते पूर्व ओपनर को चैम्पियंस ट्रॉफी के दौरान सोफी के साथ देखा गया था और सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें और वीडियोज भी सामने आए थे। अब इस रिलेशनशिप को लेकर उन्होंने खुलकर बात की है।

धवन ने समिट में बातचीत करते हुए अपने पिछले रिश्ते से आगे बढ़ने के बारे में पूछे जाने पर कहा, हां, मैं आगे बढ़ चुका हूं। मैं यह नहीं कहूंगा कि मैं प्यार में बदकिस्मत था बल्कि मेरे विकल्प अनुभवहीनता से आए थे। लेकिन अब मेरे पास अनुभव है, और यह काम आएगा। यह मेरे लिए सीखने की अवस्था थी। अच्छे पल थे, बुरे पल थे और मैं उन सभी के लिए आभारी हूं।

धवन से जब पूछा गया कि क्या वह फिर से प्यार करने के लिए तैयार हैं? अपनी खास मुस्कान के साथ उन्होंने चुटकी ली, मैं हमेशा प्यार में हूं! जब उनसे पूछा गया कि क्या वह किसी को डेट कर रहे हैं, तो धवन ने कहा, देखिए, मैं क्रिकेट में बाउंसर से बचना जानता हूं, और मुझे पता है कि अब आप मुझ पर एक बाउंसर फेंक रहे हैं। लेकिन मैं पकड़ा नहीं जाऊंगा! उन्होंने हंसते हुए किसी का नाम लेने से इनकार कर दिया।

भुवनेश्वर कुमार ने बेंगलुरु में रचा इतिहास, आईपीएल में ड्वेन ब्रावो की बराबरी की

बेंगलुरु (कर्नाटक) (एजेंसी)। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने अपना नाम इतिहास की किताब में दर्ज करा लिया है और मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए अपने शानदार स्पेल के बाद तेज गेंदबाजों में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए।

बेंगलुरु के घरेलू मैदान में रजत पटडियार को आरसीबी कप्तान के रूप में पहली हार का सामना करना पड़ा। टाइटन्स ने 170 रन के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया और 8 विकेट की शानदार जीत के साथ अपना दबदबा कायम रखा। अपने घरेलू मैदान पर हारने के बावजूद वे कुछ सकारात्मक चीजें हासिल करने में सफल रहे जिनमें भुवनेश्वर का शानदार स्पेल भी शामिल था। उन्होंने अपने चार ओवर के स्पेल का पूरा कोटा फेंका, त्नज्ञ के कप्तान शुभमन गिल को आउट करके शुरुआती बढ़त हासिल

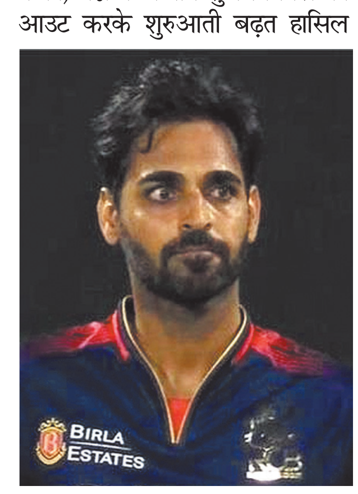

की और 1/23 के आंकड़े के साथ लौटे।

भले ही उनके शुरुआती प्रयास व्यर्थ गए लेकिन भुवनेश्वर ने रिकॉर्ड बुक को फिर से लिखने के लिए पर्याप्त प्रभाव डाला। उन्होंने ड्वेन ब्रावो के 183 स्कैलप के टैली की बराबरी करने के बाद तेज गेंदबाजों में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में स्टेडियम छोड़ा। पूर्व कैरेबियाई स्टार ने 161 मैचों में 183 विकेट लिए जबकि भुवनेश्वर ने 178 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की।

??कुल मिलाकर वह कैश-रिच लीग में सर्वकालिक विकेट लेने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं। उनके टैली से केवल युजवेंद्र चहल (206) और पीयूष चावला (192) बेहतर हैं। भुवनेश्वर ने अपने कौशल सेट पर भरोसा किया और इसे पूर्णता के साथ निष्पादित किया। उन्होंने अपनी ताकत का फायदा उठाया और मेजबान टीम के लिए सबसे किफायती गेंदबाज बनकर उभरे, उन्होंने महज 5.80 रन दिए।

कैरम बॉल पर पिछले 3-4 वर्षो से काम कर रहा था : साई किशोर

बेंगलुरु (एजेंसी)। टाइटंस के स्पिनर आर साई किशोर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएलर्तमान सत्र में अपनी कैरम बॉल से बल्लेबाजों को गच्चा देने के लिए तैयार हैं जिस पर वह पिछले तीन-चार वर्षो से काम कर रहे थे। किशोर ने बुधवार को यहां गुजरात टाइटंस की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ आसान जीत के दौरान अपनी कैरम बॉल से क्रुणाल पांड्या को हैरान कर दिया था। इस 28 वर्षीय स्पिनर ने मैच के बाद खुलासा किया कि वह पिछले कुछ सत्र से कैरम बॉल पर काम कर रहे थे लेकिन उन्होंने किसी भी तरह के मैच में अभी तक इसका उपयोग नहीं किया था। किशोर ने आधिकारिक प्रसारक से कहा, 'टी20 क्रिकेट में प्रासंगिक बने रहने के लिए आपको हमेशा अपने खेल में कुछ नया जोड़ना होगा। मैं पिछले तीन-चार वर्षो से इसका अभ्यास कर रहा था लेकिन मैंने कहीं भी इसका उपयोग नहीं किया था।% उन्होंने कहा, 'मैं आईपीएल में इसका उपयोग करने को लेकर आश्वस्त था और मैंने खुद पर भरोसा बनाए रखा।

17 चौके, 15 छक्के... क्रिकेट किंग से प्रिंस ऑफ क्रिकेट तक पूरन अकेले भारी, आईपीएल में खूब गरज रहा बल्ला

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में अब तक 14 मैच हो चुके हैं। आखिरी मैच में क्रिकेट किंग विराट कोहली और प्रिंस ऑफ क्रिकेट शुभमन गिल की भिड़ंत हुई थी। रोचक बात यह है कि दोनों का ही बल्ला कुछ खास नहीं कर सका। ये दोनों ही फिलहाल ऑरेंज कैप की दौड़ से बाहर नजर आ रहे हैं। दूसरी ओर, एक खिलाड़ी ऐसा है, जिसने अपने बल्ले के दम पर गेंदबाजों की नाम में दम कर दिया है। जी हां, यहां बात निकोलस पूरन की हो रही है, जिन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए जबरदस्त खेल दिखाया है। वेस्टइंडीज के इस बाएं हाथ के तूफानी बल्लेबाज ने इस सीजन में अपनी पावर हिटिंग से विपक्षी गेंदबाजों की नींद उड़ा रखी है।

आईपीएल 2025 में पूरन ने अब तक खेले गए तीन मैचों में दो हाफ सेंचुरी लगाई हैं और उनका सर्वाधिक स्कोर 75 है। पूरन ने कुल 189 रन बनाए हैं और ऑरेंज कैप की रेस में वह नंबर वन पर बने हुए हैं। इसके अलावा पूरन अन्य बल्लेबाजों की तुलना में टूर्नामेंट में अब तक तीन मैचों में 32 चौके-छक्के लगाकर सबसे आगे चल रहे हैं। चलिए जानते हैं कि इस टूर्नामेंट में निकोलस पूरन के अलावा किस टीम के किस खिलाड़ी ने चौके-छक्के की बरसात की है।

निकोलस पूरन के बाद गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 3 मैचों की 3 पारियों में 186 रन बनाए हैं। वह ऑरेंज कैप की रेस में पूरन के बाद दूसरे नंबर पर हैं। साई सुदर्शन ने आईपीएल 2025 में 25 चौके-छक्के लगाए हैं। गुजरात टाइटंस के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर के नाम इस सीजन में 23 चौके-छक्के हैं। ऑरेंज कैप की रेस में वह साई सुदर्शन के बाद तीसरे नंबर पर हैं। जोस बटलर ने 3 मैचों की 3 पारियों में 166 रन बनाए हैं।

5 खिलाड़ी जिनकी सैलरी 10 करोड़ से ज्यादा, अभी तक आईपीएल में रहे हैं फुस्स

यशस्वी जायसवाल को राजस्थान रॉयल्स ने रिटेन किया था। टीम अभी तक 3 मैच खेल चुकी है और यशस्वी का बल्ला सभी में शांत रहा है। तीनों मैचों में वह सलामी बल्लेबाज करने उतरे और अभी तक 34 रन ही बना पाए हैं। इसमें 29 रन तो एक ही मैच में केकेआर के खिलाफ बनाए थे।

केकेआर ने स्टार ऑलराउंडर आंद्रे रसेल को रिटेन किया था। 12 करोड़ रुपये में रिटेन होने वाले रसेल का प्रदर्शन अब तक 30 लाख वाले खिलाड़ी जैसा भी नहीं रहा है। दो पारियों में वह अभी तक 4 और 5 रन बनाकर आउट हुए हैं। मुंबई के खिलाफ उन्हें दो विकेट तो मिला लेकिन तब तक टीम मैच हार चुकी थी।

केकेआर ने नीलामी में वेंकटेश अय्यर को खरीदने के लिए पूरा जोर लगा दिया। अंत में 23 करोड़ 75 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा। अय्यर ने अभी तक इस सीजन दो मैचों में बल्लेबाजी की है। आरसीबी के खिलाफ 6 रन बनाकर आउट हुए तो मुंबई के खिलाफ सिर्फ 3 रन बना पाए।मुंबई इंडियंस ने अपने पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को 16 करोड़ 30 लाख रुपये देकर रिटेन किया था। रोहित पहले मैच में चेन्नई के खिलाफ खाता नहीं खोल पाए। गुजरात के खिलाफ पहले ही ओवर में दो चौके मारकर आउट हो गए। केकेआर के खिलाफ भी उनका बल्ला नहीं बोला।

आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी का नाम ऋषभ पंत है। लखनऊ सुपर जायंट्स ने खरीदने के बाद उन्हें कप्तान बनाया। पंत बल्लेबाजी, कप्तानी और कीपिंग सभी में फेल रहे हैं। दिल्ली के खिलाफ उनका खाता नहीं खुला। हैदराबाद के खिलाफ 15 और पंजाब के खिलाफ 2 रन बनाए।

पंजाब किंग्स के कप्तान और बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने दो मैचों की दो पारियों में 21 चौके-छक्के लगाए हैं। वह ऑरेंज कैप की रेस में भी चौथे स्थान पर हैं। अय्यर ने 149 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेटर और सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड 24 चौके-छक्के लगाकर टूर्नामेंट में ऑरेंज कैप की रेस में पांचवें स्थान पर हैं। एक और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर और लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए इंपेक्ट प्लेयर के तौर पर अपना प्रभाव छोड़ते हुए मिशेल मार्श ने 3 मैचों की 3 पारियों में 21 चौके-छक्के लगाए हैं। वह ऑरेंज कैप की रेस में छठे स्थान पर हैं।

पंजाब किंग्स धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में सात दिन करेगी नेट प्रैक्टिस

धर्मशाला, एजेंसी

आईपीएल सीजन-2025 में होने वाले आईपीएल मैचों के दौरान पंजाब किंग्स की टीम 11 दिन धर्मशाला में ठहरेगी। इस दौरान तीन मैच खेलेगी और

मैचों के बीच सात दिन अभ्यास कर मैदान और पिच के मिजाज को भी जानेगी। पंजाब की टीम अपने दूसरे होम ग्राउंड अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में 4 मई को लखनऊ के साथ होने वाले मैच के लिए पहली मई को पहुंच जाएगी। दो दिन धर्मशाला में अभ्यास करने के बाद 4 मई को पंजाब की टीम आईपीएल का मैच खेलेगी।

लखनऊ की टीम 4 मई को होने वाले मैच से दो दिन पूर्व ही धर्मशाला आएगी। धर्मशाला में पंजाब किंग्स से मुकाबले से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम 27 अप्रैल को मुंबई में मुंबई से मैच खेलेगी। इसके बाद वह कुछ दिन आराम करने के बाद दो मई को धर्मशाला आएगी। 3 मई को अभ्यास करने के बाद लखनऊ की टीम 4 मई को मैच खेलेगी। दिल्ली कैपिटल्स की टीम 6 मई को धर्मशाला आएगी, जो 7 मई को अभ्यास करने के बाद 8 मई को मैच खेलेगी।

इसके अलावा 11 मई को होने वाले मुकाबले के लिए मुंबई की 8 या 9 मई को धर्मशाला पहुंचेगी। इसके बाद अभ्यास करने के बाद 11 मई को मैच खेलेगी। एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने कहा कि धर्मशाला में होने वाले आईपीएल मैचों के लिए पंजाब की टीम सबसे पहले आएगी। टीम 11 दिन धर्मशाला में रुकेगी। अभी टीमों के अभ्यास का शेड्यूल जारी नहीं हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

एकनाथ शिंदे के पास जाएगी हर फाइल, अजित पवार से ज्यादा हुई पावर, सारी शिकायतें दूर

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार में बीते कई महीनों से चली आ रही खींचतान अब खत्म होती दिख रही है। पूर्व सीएम एकनाथ शिंदे से मुख्यमंत्री पद की कुर्सी गई तो वह होम मिनिस्टर बनना चाहते थे, लेकिन वह भी नहीं मिला तो कुछ मंत्रालय लेकर डिप्टी सीएम बन गए। इसके बाद भी उनकी नाराजगी बनी ही रही। कभी प्रभारी मंत्रियों को लेकर तो कभी मंत्रालयों के फैसलों को लेकर वह खफा दिखते थे। एक मलाल यह भी रहा कि अजित पवार को उनसे ज्यादा तवज्जो दी जा रही है, लेकिन अब देवेंद्र फडणवीस सरकार में उनका कद बढ़ा दिया गया है। अब महाराष्ट्र सरकार के कामकाज की कोई भी फाइल उनसे होकर ही सीएम देवेंद्र फडणवीस तक जाएगी। नई सरकार के गठन के बाद से अजित पवार के पास फाइल जाती थी क्योंकि वह वित्त मंत्री थे और फिर सीएम फडणवीस उसे देखते थे। अब नई व्यवस्था आ गई है, जिसके तहत पहले फाइल अजित पवार पर ही जाएगी। फिर डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के पास फाइलें आएंगी और उनके पास करने के बाद ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के पास पहुंचेंगी। इससे पहले जब एकनाथ शिंदे ही सीएम थे तो यह व्यवस्था थी कि पहले अजित पवार के पास फाइल पहुंचती थी और फिर देवेंद्र फडणवीस के पास से होते हुए मुख्यमंत्री तक पहुंचती थी। अब एक बार फिर से वैसी ही व्यवस्था है, बस क्रम बदल गया। अब फडणवीस सीएम हैं और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे हैं, लेकिन अजित पवार से शिवसेना लीडर का कद बड़ा कर दिया गया है। महाराष्ट्र की चीफ सेक्रेटरी सुजाता सौनिक की ओर से आदेश जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि कोई भी फाइल पहले वित्त मंत्री (डिप्टी सीएम अजित पवार) के पास जाएगी और फिर उन्हें शहरी विकास और हाउसिंग मिनिस्टर (डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे) के पास भेजा जाएगा। अंत में सभी फाइलें सीएम देवेंद्र फडणवीस के पास जाएंगी। इस तरह एकनाथ शिंदे के कद का पूरा ख्याल रखा गया है और वह एक तरह से अजित पवार से सीनियर होंगे। शिवसेना के नेताओं की लगातार यह शिकायत थी कि उनके लीडर एकनाथ शिंदे को सरकारी कामकाज उतना महत्व नहीं मिल रहा है, जितना उनका कद है और पार्टी की ताकत है। ऐसे में अब शिवसैनिकों के गुस्से को भी कंट्रोल किया जा सकेगा। स्थानीय निकाय के चुनावों से पहले यह फैसला अहम है।

फरीदाबाद में सूटकेस में हाथ-पैर बंधी महिला की सिर कटी लाश मिली, सीसीटीवी फुटेज की छानबीन

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद के मवई गांव के पास झाड़ियों में एक लाल सूटकेस में हाथ-पैर बंधी महिला की सिर कटी लाश मिलने से सनसनी फैल गई। यह जानकारी पुलिस ने बुधवार को दी। नहर पार स्थित गांव मवई के पास झाड़ियों में बुधवार दोपहर शूटकेस में सिर कटी महिला की लाश अर्धनग्न हालत में थी। उसके हाथ और पांव भी बंधे थे। साथ ही उसके शव को सिमेंट के कट्टे में रखकर शूटकेस में बंद किया गया था। महिला की उम्र 25 साल के आसपास आंकी जा रही है। खेड़ीपुल थाना की पुलिस अज्ञात के खिलाफ हत्या का मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी है। डीसीपी सेंट्रल उषा ने बताया कि महिला की पहचान नहीं हो पाई है। धड़ पर कुछ गुदा भी नहीं है। दोपहर करीब डेढ़ बजे डायल-112 पर सूचना मिली थी कि झाड़ियों में एक लाल रंग का शूटकेस पड़ा है और उसमें से दुर्गंध आ रही है। सूचना पाते ही पुलिस और फारेंसिक टीम मौके पर पहुंची और शूटकेस को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। शूटकेस को खोलने पर प्लास्टिक कट्टे में बंद एक महिला का शव पाया गया। शव अर्धनग्न अवस्था में था और उसका सिर कटा था। साथ ही दोनों हाथ और पांव रस्सी से बंधे थे। डीसीपी के अनुसार, प्रथम दृष्ट्या हत्या कर शव को करीब सप्ताह पहले झाड़ियों में फेंका गया होगा। लेकिन लोगों की उसपर नजर नहीं गई।

शिमला में उपभोक्ताओं को पानी के लिए ज्यादा पैसे खर्च करने होंगे

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल की राजधानी शिमला और आसपास के इलाकों में उपभोक्ताओं को पानी के लिए ज्यादा पैसे खर्च करने होंगे। शिमला जल प्रबंधन निगम लिमिटेड (एसजेपीएनएल) ने पानी पर लगने वाले टैरिफ में 10 फीसदी की बढ़ोतरी की है। दिल्ली सरकार की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, नई दरें घरेलू, वाणिज्यिक और धार्मिक संस्थानों सहित सभी उपभोक्ताओं पर लागू होंगी। शिमला नगर निगम (एसएमसी) क्षेत्र के भीतर और एसएमसी क्षेत्र के बाहर के उपभोक्ताओं के लिए टैरिफ अलग-अलग होंगे। पीटीआई-भाषा की रिपोर्ट के मुताबिक, 0-20 केएल स्लैब पर संशोधित शुल्क 21.23 रुपये प्रति किलो लीटर, 20-30 स्लैब पर 36.61 रुपये प्रति किलोलीटर और नगर निगम सीमा के भीतर उपभोक्ताओं के लिए 30 किलोलीटर से अधिक खपत के लिए 69.89 रुपये होगा। यही नहीं न्यूनतम मेंटिनेंस चार्ज बढ़ाकर 121 रुपये प्रति माह कर दिया गया है। दोषपूर्ण मीटर के लिए चार्ज 488.48 रुपये प्रति माह होगा।

शिमला नगर निगम क्षेत्र के बाहर के उपभोक्ताओं के लिए शुल्क 20 किलोलीटर तक की खपत के लिए 48.31 रुपये होगा। इसके बाद 20-30 किलोलीटर स्लैब के लिए 73.21 रुपये और 30 किलोलीटर से अधिक के लिए 102.49 रुपये होगा जबकि शिमला एमसी की सीमा के बाहर घरेलू जल कनेक्शन के लिए न्यूनतम मेंटिनेंस चार्ज 242 रुपये प्रति माह होगा। दोषपूर्ण मीटर के लिए रेट 1,948.58 रुपये प्रति माह होगा। शिमला नगर निगम सीमा के भीतर और बाहर होटल और रेस्तरां जैसे प्रतिष्ठानों के लिए जल आपूर्ति कनेक्शन के लिए प्रति किलोलीटर चार्ज 20 किलोलीटर तक की खपत के लिए 116.93 रुपये, 30-75 किलोलीटर के लिए 155.88 रुपये और 75 किलोलीटर से अधिक की खपत के लिए 214.34 रुपये होगा। प्लग किए गए कनेक्शन के मामले में 242 रुपये प्रति माह जबकि दोषपूर्ण मीटर के लिए 8,557.67 रुपये प्रति माह का चार्ज लिया जाएगा। एसएमसी सीमा के भीतर और बाहर वाणिज्यिक कनेक्शन के लिए चार्ज 20 किलोलीटर तक की खपत के लिए 58.56 रुपये, 30 किलोलीटर के लिए 92.09 रुपये, 75 किलोलीटर के लिए 122.40 रुपये और 75 किलोलीटर से अधिक के लिए 168.38 रुपये होगा। एसएमसी सीमा के भीतर और बाहर सरकारी संस्थानों, अस्पतालों, धर्मशालाओं और धार्मिक स्थलों के लिए संशोधित चार्ज 92.25 रुपये प्रति किलोलीटर होगा और सभी श्रेणियों के लिए पानी के बिल का 30 फीसदी सीवरेज चार्ज के रूप में लिया जाएगा। इसके अलावा, 2,000 लीटर क्षमता वाले टैंकर के लिए वाणिज्यिक और घरेलू उपभोक्ताओं के लिए टैंकर चार्ज 1,797 रुपये और 1,331 रुपये कर दिया गया है और 4,000 लीटर क्षमता वाले टैंकर के लिए वाणिज्यिक और घरेलू उपयोग के लिए 3,593 रुपये और 2,662 रुपये वसूले जाएंगे। अधिकारियों ने कहा कि 6,000 लीटर क्षमता वाले टैंकर के लिए संशोधित चार्ज घरेलू उपयोग के लिए 3,993 रुपये और वाणिज्यिक उपयोग के लिए 5,390.55 रुपये होगा।

11.56 किमी रूट पर नई मेट्रो लाइन का सर्वे शुरू, सेक्टर-142 से कनेक्ट होगा बॉटेनिकल गार्डन

नोएडा एजेंसी। नोएडा सेक्टर-142 से सेक्टर-38ए बॉटेनिकल गार्डन तक बनने वाली नई मेट्रो लाइन को लेकर नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) ने तैयारी शुरू कर दी है। इस लाइन के लिए टोपोग्राफी और जीपीएस सर्वे शुरू करा दिया गया है। एक्वा लाइन के इस एक्सटेंशन रूट की डीपीआर मंजूरी के लिए केंद्र के पास है।

इस समय एक्वा लाइन पर सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा डिपो तक मेट्रो चल रही है। आने वाले समय में एक्वा लाइन का विस्तार होना है। इस मेट्रो लाइन के एक हिस्से को सेक्टर-51 से ग्रेनो के नॉलेज पार्क-5 तक ले जाया जाना प्रस्तावित है। इसके अलावा सेक्टर-142 से सेक्टर-38ए बॉटेनिकल गार्डन तक भी मेट्रो लाइन का विस्तार होगा। सेक्टर-51 से ग्रेनो डिपो के बीच चल रही मेट्रो लाइन का सेक्टर-142 स्टेशन है। इन दोनों रूट की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) मंजूरी के लिए केंद्र सरकार के पास है।

केंद्र सरकार से डीपीआर मंजूर होने से पहले एनएमआरसी ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। सेक्टर-142 से बॉटेनिकल गार्डन तक लाइन के लिए टोपोग्राफी और जीपीएस सर्वे की शुरुआत कर दी गई है। एनएमआरसी के अधिकारियों ने बताया कि इस सर्वे के अंतर्गत लेवलिंग जमोट्री, पिलर की ऊंचाई, सड़क की चौड़ाई, रूट पर आने वाली इमारतें, कट, नाले-नालियों की स्थिति समेत अन्य चीजें देखी जाएंगी। यह सर्वे की प्रक्रिया पूरी करने में करीब दो महीने का समय लगेगा। इसके बाद ड्रॉइंग बनाई जाएगी।

मेट्रो का यह नया रूट 11.56 किलोमीटर का होगा। इस पर 8 मेट्रो स्टेशन बनेंगे। इस लाइन पर करीब 2254 करोड़ रुपये की लागत अनुमानित है। इस लाइन पर मेट्रो चलने से नोएडा-दिल्ली से ग्रेटर नोएडा आने-जाने वालों को और अधिक सहूलियत होगी। अभी सेक्टर-38ए बॉटेनिकल गार्डन की तरफ से ग्रेटर नोएडा के लिए मेट्रो की सीधी कनेक्टिविटी नहीं है। सेक्टर-51 से नॉलेज पार्क-5 तक मेट्रो लाइन का भी टोपोग्राफी सर्वे शुरू होगा। इस रूट का यह पहले सर्वे हो चुका है, लेकिन बाद में रूट में कुछ बदलाव किया गया था। ऐसे में दोबारा से सर्वे कराया जाएगा।

फरीदाबाद के 130 उद्योगों-संस्थानों को ईपीएफओ ने भेजा नोटिस

फरीदाबाद एजेंसी। फरीदाबाद में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने सख्त रुख अपनाते हुए 130 उद्योगों और संस्थानों को नोटिस जारी किया है। इन सभी पर कर्मचारियों का करीब सात करोड़ रुपये का पीएफ बकाया है। विभाग की तो से जल्द बकाया वसूली के लिए विशेष अभियान शुरू किया जाएगा। यदि कंपनियां निर्धारित समय तक राशि जमा नहीं करती हैं, तो उनके बैंक खाते सीज कर दिए जाएंगे और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए जाएंगे।

जिले में छोटे बड़े करीब 44 हजार उद्योग और संस्थान है। कई कंपनियां और उद्योग अपने कर्मचारियों के भविष्य निधि (पीएफ) का अंशदान काट तो रही हैं, लेकिन उसे समय पर ईपीएफओ में जमा नहीं कर रही हैं। इससे कर्मचारी वित्तीय संकट से भी जूझना पड़ सकता है। ईपीएफओ अधिकारियों ने कहा पीएफ जमा न करना श्रम कानूनों का उल्लंघन है। बार-बार चेतावनी के बावजूद कई संस्थानों ने अपने कर्मचारियों के पीएफ खाते में रकम जमा नहीं की।

ईपीएफओ ने उन कंपनियों की सूची तैयार की है, जिन पर पीएफ का बकाया है। यदि निर्धारित समय में कंपनियां राशि नहीं चुकाती हैं, तो उनके बैंक खाते सीज कर दिए जाएंगे। साथ ही, ईपीएफओ के पास कानूनी अधिकार हैं कि वह संबंधित संस्थानों के अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करे। इससे पहले भी ईपीएफओ ने बकाया वसूली के लिए कड़ा कदम उठाया था। कई मामलों में कंपनी संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। इस बार भी ईपीएफओ ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी उद्योग या संस्थान को कर्मचारियों के भविष्य निधि के साथ लापरवाही नहीं करने दी जाएगी। ईपीएफओ ने सभी उद्योगों और संस्थानों से अपील की है कि वे अपने कर्मचारियों का पीएफ समय पर जमा करें, जिससे किसी भी तरह की कानूनी कार्रवाई से बचा जा सके।

गुरुग्राम जिले में भी हैं वक्फ की 246 संपत्तियां

कई पर अभी भी चल रहा विवाद

गुरुग्राम एजेंसी।
लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक-2024 बुधवार को पेश हो गया है। संसद में बिल के विरोध में विपक्षी दलों ने जमकर हंगामा किया। सरकार जहां विधेयक को मुस्लिमों के हित में एक सुधारात्मक कदम बता रही,तो वहीं विपक्ष पुरजोर विरोध में उतरा है। गुरुग्राम जिले में वक्फ बोर्ड के पास 246 जगहों पर संपत्ति है, इसकी कीमत करोड़ों रुपये में है। वक्फ बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि गुरुग्राम में भी काफी जमीनें थी,लेकिन शहर में विकास के चलते जमीनों को अधिग्रहण कर लिया गया। पूरे जिले में 246 जगहों पर जमीने है। इनमें सबसे ज्यादा जगह ग्रामीण क्षेत्रों में है। इन जमीनों पर कब्रिस्तान,मस्जिद,किराए के लिए दुकानें और खानगाह(पीर बाबा की मजारें) बनी हुई है।

इन इलाकों में वक्फ बोर्ड की जमीन पर मस्जिद बनाने के लिए जगहों का चयन किया हुआ है। वहां पर अवैध कब्जे किए हुए,जिला प्रशासन को जानकारी भी मुहैया करवाई गई है। कब्जे नहीं हटे है और वहां पर लोगों के द्वारा नमाज भी नहीं पढ़ी जा रही है। इसके अलावा ग्रामीण इलाकों में 30 के लगभग मस्जिदों में अवैध कब्जा है। वक्फ बोर्ड के अधिकारी ने बताया कि गुरुग्राम में पटौदी रोड और सदर बाजार में जामा मस्जिद के पास दुकानों को किराए पर दिया हुआ

है। पटौदी रोड पर बनी दुकानों का किराया तीन से चार हजार रुपये लिए जाते हैं,जबकि जामा मस्जिद के पास दुकानों का किराया 12 हजार रुपये के लगभग है। किराए और जमीनों पर कब्जे को लेकर कोर्ट में कई मामले विचाराधीन है। वक्फ बोर्ड आमदनी होने के बाद कर्मचारियों को वेतन देने के साथ-साथ मस्जिदों के इमाम को वेतन देता है। मस्जिदों का रखरखाव का भी काम करता है। हिंदू संगठनों ने बिल को सराहा,मुस्लिम एकता मंच पढ़ने के बाद प्रतिक्रिया देगा।

हिंदू संगठनों ने की वक्फ संशोधन विधेयक-2024 की सराहना की है। वहीं, मुस्लिम एकता मंच बिल पढ़ने के बाद प्रतिक्रिया देगा। महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव ने कहा कि वक्फ बोर्ड को व्यवस्थित करने के लिए सरकार बिल लेकर आ रही है। वह इसका समर्थन करते हैं।

अब तक वक्फ बोर्ड से कथाकथित कुछ लोगों को ही फायदा होता था। बोर्ड के व्यवस्थित होने से जरूरतमंद लोगों को फायदा पहुंचेगा। वक्फ बोर्ड का मतलब भी पता होना चाहिए,इसके साथ ही उसका मकसद भी स्पष्ट हो, तभी बोर्ड सही तरीके से काम करेगा। बिल का विरोध करने वालों के साथ वह सहमत नहीं है। वहीं, मुस्लिक एकता मंच के चेयरमैन हांजी शहजाद खान ने बिल को लेकर कोई भी प्रतिक्रिया देने से साफ मना कर दिया। उन्होंने कहा कि बिला पास होने के बाद जब पूरी कॉपी आएगी। इसका अध्ययन करने के बाद वह प्रतिक्रिया देंगे। फिलहाल किसी भी तरह की प्रतिक्रिया देना जल्दबाजी होगी। हरियाणा में वक्फ बोर्ड के पास 12 हजार 524 वक्फ संपत्तियां हैं, जिनमें से लगभग दो-तिहाई (8,207) ग्रामीण इलाकों में और बाकी चार हजार 317 शहरी क्षेत्रों में स्थित हैं। संपत्तियां सामूहिक रूप से राज्य भर में 20 हजार 855 एकड़ में फैली हुई हैं। जिलेवार वितरण से पता चलता है कि मुस्लिम बहुल जिला नूंह में दो हजार 218 वक्फ संपत्तियों की सबसे अधिक संख्या है, जिसके बाद अंबाला में एक हजार 80 संपत्तियां और कुरुक्षेत्र में 985 संपत्तियां हैं।

ग्रेटर नोएडा के फ्लैट खरीददारों को झटका, 4200 की रजिस्ट्री अटकी

ग्रेटर नोएडा एजेंसी।
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में चार बिल्डर प्रोजेक्ट में फंसे 4200 फ्लैट खरीदारों की रजिस्ट्री अटक गई है। इन बिल्डरों ने अमिताभ कांत समिति की सिफारिशों के तहत अबतक 25 प्रतिशत रकम जमा नहीं की। इनमें सुपरटेक के दो प्रोजेक्ट एनसीएलटी में हैं। ओरिस व एसडीएस इंफ्रा प्रोजेक्ट ने कोर्ट से स्टे लिया है। हालांकि, प्राधिकरण बिल्डरों को मुकदमे वापिस लेकर बकाया चुकाने के बाद लाभ देने के लिए तैयार है, लेकिन बिल्डरों की ओर से प्राधिकरण के इस प्रस्ताव पर अभी कोई जवाब नहीं आया है।

प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि यमुना क्षेत्र में कुल 11 बिल्डर परियोजना हैं। इन बिल्डरों पर करीब साढ़े तीन हजार करोड़ रुपए बकाया थे, जिन्हें बिल्डर जमा नहीं कर रहे थे। इसके लिए पिछले वर्ष सिंतबर में शासन ने अमिताभ कांत समिति की

सिफारिशों को लागू करते हुए बिल्डरों को 25 प्रतिशत रकम जमा कराकर रजिस्ट्री शुरू करने की छूट दी। इसका लाभ सिर्फ सात बिल्डर परियोजनाओं ने ही लिया। इनमें ओमनिस डेवलपर, एटीएस रियलटी, सनवर्ल्ड, ग्रीनबे, लॉजिक्स बिल्ड स्टेट एवं दो सबलेसी (बिल्डर के आवंटी) अजय रियलकॉन और स्टार सिटी शामिल हैं। वहीं, चार प्रोजेक्ट के बिल्डरों ने बकाया नहीं दिया।

एसडीएस बिल्डर ने प्राधिकरण से बीते दिनों उन्हें भी अमिताभ कांत समिति के तहत जीरो पीरियड का लाभ देने की मांग की थी। जिसपर विचार करते हुए प्राधिकरण ने बोर्ड बैठक में प्रस्ताव रखा था। यमुना सिटी में एसडीएस को दो भूखंड आवंटित हैं, इनमें एसडीएस हाउसिंग व एसडीएस इंफ्राकोन शामिल है। बोर्ड बैठक में निर्णय लिया गया था कि यदि बिल्डर कोर्ट में विचाराधीन मामला वापस लेता है और प्राधिकरण को कुल बकाया का 25 प्रतिशत भुगतान कर देता है तो सिफारिशों का लाभ दे दिया जाएगा। इस फैसले से अन्य बिल्डर को लाभ हासिल करने का रास्ता खुलेगा। यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने कहा, अमिताभ कांत समिति के तहत 11 में से सात बिल्डरों ने 25 प्रतिशत बकाया चुका दिया।

नोएडा में पुलिस को देखते ही भागे बाइक सवार, घिरा पाकर की फायरिंग

मुठभेड़ में 1 बदमाश घायल

नोएडा एजेंसी। नोएडा में पुलिस की दो बदमाशों के साथ मुठभेड़ हुई। एक बदमाश के पैर में गोली लगी है। दोनों राह चलते लोगों से मोबाइल और चेन स्नेचिंग की घटना को अंजाम देते थे। दोनों बदमाश अब तक करीब 50 से ज्यादा घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। मुठभेड़ की घटना नोएडा के थाना सेक्टर-63 की गुरुवार के दिन की है।

डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि थाना सेक्टर 63 की पुलिस बहलोलपुर अंडरपास पर चेकिंग कर रही थी। तभी गढ़ी गोल चक्कर की तरफ से बिना नंबर प्लेट वाली बाइक पर सवार होकर दो संदिग्ध व्यक्ति आते हुए दिखाई दिए। पुलिस के जवानों ने दोनों संदिग्ध को रुकने के लिए कहा। तभी बाइक सवार ने रफ्तार बढ़ाई और ग्रीन बेल्ट की साइड से एफएनजी गोल चक्कर की तरफ जाने वाली सर्विस रोड पर भागने की कोशिश करने लगे।

पुलिस की टीम ने करीब 900 मीटर तक दोनों का पीछा किया। इस दौरान एफएनजी सर्विस रोड पर ग्रीन बेल्ट के गेट से अंदर घुसने से बाइक वहीं गिर गई। खुद को पुलिस से घिरता देख एक बदमाश ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायरिंग की। इसके बाद पुलिस ने अपने बचाव में जवाबी फायर किया। इसमें एक बदमाश को गाली लग गई। घायल बदमाश की पहचान निलेश चौहान निवासी फर्रुखाबाद के रूप में हुई है।

सोसाइटी में सपा नेता पर बरसा दिए लात-घूसे; वीडियो वायरल

नोएडा एजेंसी। सपा नेता और सेक्टर-82 पॉकेट-7 आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष राघवेंद्र के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने ऐक्शन लिया है और एक आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

सपा नेता और सेक्टर-82 पॉकेट-7 आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष को पीटने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि अध्यक्ष कुर्सी पर बैठकर बातचीत कर रहे हैं। इस दौरान सामने खड़े कुछ लोगों से उनकी बहस होती है। ये लोग भी इसी सेक्टर के निवासी बताए जा रहे हैं। इसके बाद दो से तीन लोग जमकर राघवेंद्र को घूसे और थप्पड़ मारकर पीटने लगते है। पीड़ित की शिकायत पर थाना फेज-दो पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लिया है।

पुलिस ने बताया कि सेक्टर 82 में समिति के अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे हैं। सोसाइटी में एक गार्ड आरपी सिंह को ड्यूटी ठीक से न करने को लेकर उसे हटा दिया था। जिसको लेकर बुधवार रात विपक्ष के कुछ लोग अजय एवं नंद किशोर सोलंकी द्वारा इस बात का विरोध किया। इस बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच झगड़ा हो गया। अजय और नंद किशोर व अन्य लोगों ने मिलकर राघवेंद्र दुबे की जमकर पिटाई कर दी। मौके पर लोगों ने किसी तरह दोनों पक्षों को अलग किया।

महाराष्ट्र सदन घोटाले में छगन भुजबल को बरी किए जाने के फैसले को चुनौती, हाईकोर्ट ने 28 अप्रैल तक स्थगित की सुनवाई

मुंबई, एजेंसी।
बॉम्बे हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र सदन घोटाले में एनसीपी मंत्री छगन भुजबल और अन्य को बरी किए जाने को चुनौती देने वाली कार्यकर्ता अंजलि दमानिया की याचिका पर सुनवाई 28 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी। यह फैसला तब आया जब अदालत इस बात पर विचार कर रही थी कि बरी किए जाने को चुनौती देने का कानूनी अधिकार किसके पास है। दमानिया की याचिका न्यायमूर्ति शिवकुमार डिगे की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध की गई, जहां मामले में आरोपी महाराष्ट्र के पूर्व प्रधान सचिव का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता गिरीश कुलकर्णी ने इस बात पर चिंता जताई कि क्या दमानिया, जो न तो शिकायतकर्ता हैं और न ही गवाह, को बरी किए जाने को चुनौती देने का अधिकार है। कुलकर्णी ने तर्क दिया कि ऐसे मामलों में केवल राज्य को ही उच्च न्यायालय जाने का अधिकार है।

उन्होंने आगे बताया कि बॉम्बे हाई कोर्ट के मुख्य

न्यायाधीश ने पहले इस मामले को न्यायमूर्ति एसएम मोदक की पीठ को सौंपा था, जिसका उद्देश्य पहले यह निर्धारित करना था कि दमानिया को आदेश को चुनौती देने का कानूनी अधिकार है या नहीं। हालाँकि, चूँकि न्यायमूर्ति मोदक वर्तमान में न्यायमूर्ति सारंग कोतवाल के साथ खंडपीठ में बैठे हैं। इसलिए उनकी एकल पीठ उपलब्ध नहीं थी, जिसके कारण स्थगन हुआ। दमानिया का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता रिजवान मर्चेंट ने अदालत से आग्रह किया कि वह उच्च न्यायालय रजिस्ट्री को यह स्पष्ट करने का निर्देश दे कि कौन सी पीठ याचिका पर सुनवाई करेगी।

हालांकि, न्यायमूर्ति डिगे ने यह देखते हुए निर्णय टाल दिया कि बुधवार की सुनवाई में लोक अभियोजक अनुपस्थित थे और मामले की सुनवाई 28 अप्रैल को फिर से होगी। दमानिया के अलावा शिवसेना विधायक सुहास कांडे ने भी मामले के सिलसिले में अदालत का दरवाजा खटखटाया है। दमानिया ने मूल रूप से 2021 में अपनी याचिका दायर की थी, लेकिन बॉम्बे उच्च न्यायालय की पांच अलग-अलग पीठों ने मेरे समक्ष नहीं का हवाला देते हुए इस पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। दो साल की देरी के बाद, उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, जिसने उन्हें अपनी याचिका पर सुनवाई के लिए मुख्य न्यायाधीश से एक नई पीठ के लिए असाइनमेंट मांगने का निर्देश दिया।

भारतीय रेलवे ने लगाए 2,249 सोलर पावर प्लांट, हरित ऊर्जा की ओर बड़ा कदम

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे ने पर्यावरण संरक्षण और रिन्यूएबल एनर्जी को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। फरवरी 2025 तक रेलवे स्टेशनों और सेवा भवनों में 2,249 सोलर पावर प्लांट लगाए जा चुके हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज बुधवार को लोकसभा में लिखित जवाब में यह जानकारी दी। पिछले पांच वर्षों में रेलवे ने 1,489 सोलर यूनिट स्थापित किए, जो उससे पहले के पांच वर्षों में लगे 628 यूनिट्स की तुलना में 2.3 गुना अधिक हैं। इस पहल में राजस्थान सबसे आगे है, जहां अब तक 275 सोलर पावर प्लांट लगाए जा चुके हैं, जो किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में सबसे अधिक हैं। भारतीय रेलवे रिन्यूएबल एनर्जी को अपनाने के लिए विभिन्न ऊर्जा खरीद मॉडलों का उपयोग कर रहा है। इनमें राउंड द क्लॉक पावर मॉडल अपनाया जा रहा है, जो सौर और पवन ऊर्जा को शामिल करता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सैयद अहमर हसनैन द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन , 55- बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक - सैयद अहमर हसनैन R.N.I.No-UPHIN/2008/27122 - Ph : 0522-4048974, Email : news@group5.in समाचार पत्र के समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

संक्षिप्त समाचार

पत्नी से विवाद के बाद राजमिस्त्री ने खाई चूहा मारने की दवा

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। काजीमोहम्मदपुर थाना क्षेत्र में जेनिथ पेट्रोल पंप के पीछे मोहल्ले में पत्नी से विवाद के बाद मंगलवार की रात एक युवक ने चूहा मारने की दवा खा ली। जानकारी मिलने पर परिजन परेशान हो गए। सूचना पर गश्ती पुलिस पदाधिकारी सुदर्शन कुमार ने युवक को सदर अस्पताल में भर्ती कराया। वहां से डॉक्टर ने उसे एसकेएमसीएच रेफर कर दिया। फिलहाल युवक खतरे से बाहर बताया गया है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पत्नी से विवाद के बाद चूहा मारने की दवा खाने की बात सामने आई है। बताया गया कि लालबाबू दास साहेबगंज थाना क्षेत्र का रहने वाला है। वह राजमिस्त्री है। पत्नी झाड़ू पोछा का काम करती है। पिछले दो साल से लालबाबू दास काजीमोहम्मदपुर थाना क्षेत्र में अघोरिया बाजार और रामदयालु रोड स्थित मोहल्ले में पत्नी व दो बच्चों के साथ किराए के मकान में रह रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पत्नी के अक्सर फोन पर बात करने को लेकर दोनों के बीच लड़ाई होती है। मंगलवार रात भी दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद लालबाबू दास ने चूहा मारने की दवा खा ली। वहीं, पुलिस की पूछताछ में पत्नी ने बताया कि वह फोन पर अपने मायके बात करती है। इधर, काजीमोहम्मदपुर थानेदार जय प्रकाश सिंह ने बताया कि युवक का फर्दबयान होने के बाद आगे की कारवाई की जाएगी।

सदर अस्पताल में सीसीयू भवन को मिली प्रशासनिक स्वीकृति

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। सदर अस्पताल में बनने वाले क्रिटिकल केयर यूनिट भवन के लिए प्रशासनिक स्वीकृति मिल गई है। राज्य स्वास्थ्य विभाग ने इस बारे में बीएमएसआईसीएल को पत्र भेज दिया है। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री स्वास्थ्य आधारभूत योजना से सदर में यह भवन बनेगा। सदर अस्पताल में बनने वाली सीसीयू 100 बेड का होगा। इसे बनाने में 44 करोड़ 50 लाख की राशि खर्च की जाएगी। वर्ष 2022 में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के निरीक्षण के दौरान सदर अस्पताल में सीसीयू बनाने का प्रस्ताव तैयार हुआ था। पुराने एमसीएच भवन को तोड़कर यहां सीसीयू बनाया जाना था। स्वास्थ्य विभाग ने बीएमएसआईसीएल को निर्देश दिया है कि सीसीयू का निर्माण किसी अन्य योजना से नहीं कराएं। इसके अलावा कार्य के भुगतान से पहले भवन का भौतिक सत्यापन कर लिया जाए। सदर में सीसीयू बनने से गंभीर मरीजों को एसकेएमसीएच या दूसरे सेंटर रेफर नहीं किया जाएगा। दिल और दूसरी गंभीर बीमारियों के मरीजों का इलाज सीसीयू में हो सकेगा। अभी मुजफ्फरपुर में सिर्फ एसकेएमसीएच में ही सीसीयू है।

पटना में सुबह-सुबह लग गई आग, सिलेंडर रिसाव के बाद अगलगी में 4 दुकानें खाक

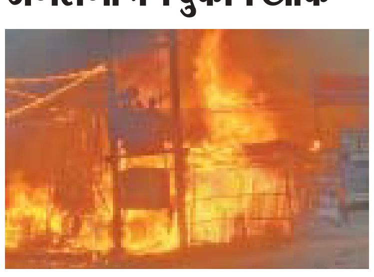

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना में सुबह-सुबह अगलगी की बड़ी घटना हुई है। पटना से सटे दानापुर के रूपसपुर थाना क्षेत्र के गोला रोड मोड़ के पास गुरुवार की सुबह एक चाय दुकान में सिलेंडर रिसाव से आग लग गई। इस अगलगी में चार आसपास की दुकानें जलकर राख हो गई हैं। आग लगने के बाद वहां अफरातफरी की स्थिति बन गई। इस अगलगी की जो तस्वीर सामने आई है उसमें नजर आ रहा है कि आग की लपटें काफी उपर उठ रही हैं। काफी दूर से ही आसमान में उठते काले धुएं को देखा जा सकता था।

प्रदेश में 32 हजार शिक्षकों को 3 महीने से नहीं मिला वेतन

पटना, एजेंसी। बिहार में नियोजित से सरकारी शिक्षक घोषित हुए करीब 32 हजार को पिछले तीन महीनों से वेतन नहीं मिला है। ये सभी सक्षमता परीक्षा-1 उत्तीर्ण होने के बाद विशिष्ट शिक्षक बने थे। एक जनवरी, 2025 के प्रभाव से इन सभी को नया वेतनमान दिया जाना है। शिक्षा विभाग इसको लेकर जिलों से निरंतर समीक्षा कर रहा है, पर अभी तक शत-प्रतिशत को वेतन नहीं दिया जा सका है। शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, एक लाख 72 हजार से अधिक शिक्षक सक्षमता परीक्षा-1 उत्तीर्ण होने के बाद विशिष्ट शिक्षक बने हैं। इनमें एक लाख 50 हजार विशिष्ट शिक्षकों के नया वेतन से संबंधित सारी प्रक्रिया पूरी कर वेतन भुगतान का आदेश संबंधित जिलों को दे दिया गया है। इन शिक्षकों का डाटा एचआरएमएस पोर्टल ऑन बोर्डिंग कर दिया गया है। इनमें एक लाख 40 हजार को वेतन का भुगतान भी कर दिया गया है। जिलों को निर्देश है कि सभी को वेतन का भुगतान शीघ्र करें।

सक्षमता-2 के शिक्षकों के मामले में शीघ्र कार्रवाई का निर्देश

शिक्षा विभाग ने सक्षमता परीक्षा-2 उत्तीर्ण शिक्षकों के वेतन भुगतान से संबंधित कार्रवाई शीघ्र पूरा करने का निर्देश जिलों को दिया है। विभाग ने कहा है कि विशिष्ट शिक्षकों को प्रान नंबर आवंटित करें। इसके बाद ही विशिष्ट शिक्षकों का डाटा एचआरएमएस पोर्टल के माध्यम से ऑन बोर्डिंग करने की कार्रवाई विभाग के स्तर से की जाएगी। सक्षमता परीक्षा-2 उत्तीर्ण शिक्षकों की संख्या 65 हजार है।

एक मार्च को 58 हजार से अधिक नियोजित शिक्षकों को विशिष्ट शिक्षक का नियुक्ति पत्र सौंपा गया है। मालूम हो कि सक्षमता परीक्षा-1 में कुल एक लाख 87 हजार नियोजित शिक्षक उत्तीर्ण हुए थे। इसके बाद इनके प्रमाणपत्रों आदि की जांच कर एक लाख 72 हजार से अधिक विशिष्ट शिक्षक के रूप में नियुक्ति पत्र दिया गया है। अपने ही विद्यालय से ये सभी शिक्षक नये सिरे से सरकारी शिक्षक के रूप में योगदान दिये हैं।

पटना के महावीर मंदिर में रामनवमी पर बड़ी तैयारी, रात में ही खुल जाएगा गर्भगृह, 12 बजे मुख्य पूजा

पटना, एजेंसी। रामनवमी में पटना जंक्शन स्थित महावीर मंदिर में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए शनिवार की रात दो बजे मंदिर के मुख्य गर्भगृह में जागरण आरती होगी। इसके बाद सवा दो बजे से गर्भगृह का पट भक्तों के लिए खोल दिया जाएगा, जहां वे दो विग्रहों (महावीर और हनुमान) की पूजा-अर्चना और दर्शन कर सकेंगे। रविवार को 12 बजे मंदिर में श्रीराम जन्मोत्सव पर पुष्पवर्षा होगी। इसके अलावा मंदिर में ध्वज परिवर्तन, जन्मोत्सव आरती, प्रसाद वितरण किया जाएगा। रामनवमी पर मंदिर में दो लाख से ज्यादा भक्तों के पहुंचने की उम्मीद मंदिर प्रबंधन को है।

एलईडी स्क्रीन पर लाइव होगा: वीर कुंवर सिंह पार्क से लेकर महावीर मंदिर परिसर तक भक्तों को धूप से बचाने के लिए पंडाल बनाया गया है और उसमें पंखा लगाया गया है। इसके अलावा पानी, शर्बत और मोबाइल शौचालय की भी जगह-जगह व्यवस्था की गई है। लाइव दर्शन के लिए वीर कुंवर सिंह पार्क से लेकर मंदिर तक भक्त मार्ग और मंदिर परिसर तक कुल 14 बड़े एलईडी स्क्रीन लगाए गए हैं।

दोपहर 12 बजे होगी मुख्य पूजा : रामनवमी के दिन रविवार को मुख्य ध्वज स्थल पर सुबह 12 बजे से पूजन प्रारंभ होगा। पूजा के बाद आरती होगी। इसके बाद पुष्प वर्षा होगी। मध्याह्न 11.50 से 12 तक भगवान राम का जन्मोत्सव होगा। मंदिर की ओर से प्रकाशित हनुमान चालिसा की दो लाख प्रतियां वितरित की जाएंगी।

दुष्कर्म के फरार आरोपी को 9 दिन में दबोचा: किशनगंज के घर से गिरफ्तार

एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज में एससी-एसटी थाना पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दुष्कर्म और एससी-एसटी एक्ट के तहत दर्ज मामले में आरोपी बाबूलाल कर्मकार को गिरफ्तार कर लिया है। कांड दर्ज होने के मात्र 9 दिनों के भीतर पुलिस ने यह कार्रवाई की है।

गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तारी

एससी-एसटी थानाध्यक्ष दीपू कुमार ने बताया कि आरोपी बाबूलाल कर्मकार को उसके घर से गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया। पीड़िता ने 21 मार्च को प्राथमिकी दर्ज करवाई गई थी। जिसमें आरोपी पर दुष्कर्म करने और पीड़िता के पिता के साथ अभद्र व्यवहार करने, जातिसूचक गालियां देने का आरोप लगाया गया था।

इस तरह दिया गया घटना को अंजाम

प्राथमिकी के अनुसार, आरोपी व्यक्ति पीड़िता के गांव में आता-जाता था और पीड़िता के विरोध करने के बावजूद उसे अकेला देखकर परेशान करता था। 10 फरवरी को जब वह अपने घर में काम कर रही थी। तभी आरोपी जबरन घर में घुस आया और दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

दुष्कर्म की शिकार पीड़िता न्याय के लिए एससी-एसटी थाना पहुंची थी, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत संज्ञान लिया और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी। मंगलवार की रात पुलिस को आरोपी के घर पर मौजूद होने की सूचना मिली, जिसके बाद छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द ही न्यायालय में पेश किया जाएगा। एससी-एसटी थानाध्यक्ष दीपू कुमार ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है और सभी सबूतों को एकत्र किया जा रहा है। आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अनंत सिंह पर गोलियां बरसाने वाले विवेका पहलवान की मौत

बाहुबली पर हमले के लिए हुई थी 10 साल की सजा, गैंगवार में दोनों ने खोए रिश्तेदार

पटना, एजेंसी। बिहार के मशहूर पहलवान %बिहार केसरी% विवेकानंद सिंह (70) का निधन हो गया। उन्होंने पटना के आरोग्य अस्पताल में 2 अप्रैल की देर रात अंतिम सांस ली। विवेका पहलवान के नाम से जाने जानेवाले विवेकानंद सिंह को 27 मार्च को हार्ट अटैक आया था, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अंतिम संस्कार बाढ़ के उमानाथ सती स्थान में होगा। अनंत सिंह के एक्स पर विवेका पहलवान के निधन के बाद शोक व्यक्त किया गया है। विवेका पहलवान और मोकामा बाहुबली अनंत सिंह की दुश्मनी किसी से छिपी नहीं थी। विवेका पहलवान ने मोकामा में अनंत सिंह को खुली चुनौती दी थी। 2004 में अनंत सिंह पर जानलेवा हमला हुआ था, जिसका आरोप विवेका पहलवान पर लगा था। बाद में इस केस में उन्हें 10 साल की सजा हुई थी।

6 दिन अस्पताल में भर्ती रहे थे अनंत सिंह

अनंत सिंह और विवेका पहलवान रिश्तेदार थे, लेकिन नदमा गांव 2004 में अनंत सिंह के घर पर ताबड़तोड़ गोलियां चली थीं। बताया जाता है

कि अनंत सिंह अपने साथियों के साथ छत पर सोए थे। तभी उन पर जानलेवा हमला हुआ। इस हमले में अनंत सिंह को गोली पीठ में लगी और वो सीने तक पहुंच गई थी। अनंत सिंह के भाई दिलीप सिंह बाहुबली को आनन-फानन में पटना लेकर पहुंचे थे। खजांची रोड के आलोक नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। अनंत सिंह का ऑपरेशन करना था, लेकिन ऑपरेशन से पहले अस्पताल में फोन से धमकी दी गई थी। कहा गया अगर अनंत का ऑपरेशन हुआ तो सबको मार दिया जाएगा। अनंत के भाई दिलीप सिंह ने अपने देख रेख में ऑपरेशन कराया था। अनंत सिंह इस दौरान 6 दिन अस्पताल में भर्ती रहे थे। हमले का सारा आरोप विवेका पहलवान पर लगा था। इस मामले में विवेका पहलवान को 10 साल की सजा हुई थी।

गैंगवार में दोनों ने अपने रिश्तेदारों को खोया

बताया जाता है कि दोनों के बीच हुए गैंगवार में दोनों ने अपने करीबियों को खोया। अनंत सिंह के बड़े भाई फाजो सिंह और विरंची सिंह की हत्या गैंगवार में हुई। विवेका पहलवान के भाई संजय सिंह की भी हत्या गैंगवार में ही हुई थी। अनंत सिंह के भाई विरंची सिंह की जब हत्या हुई तो दोनों गुटों में गैंगवार और बढ़ गया। 1995 के विधानसभा चुनाव में अनंत सिंह के घर पर हमला हुआ था जिसमें अंधाधुन गोलीबारी दोनों तरफ से हुई थी। अनंत सिंह के बहनोई की भी मौत हो गई थी।

नीलम देवी की विवेका पहलवान ने की थी मदद

बाद के दिनों में अनंत सिंह और विवेका पहलवान के बीच सुलह हो गई थी। एके 47 मामले में जब अनंत सिंह जेल गए और विधायकी खत्म हुई तो मोकामा में विधान सभा का उपचुनाव हुआ, अनंत ने अपनी पत्नी नीलम देवी को उपचुनाव में खड़ा करवाया। उस चुनाव में विवेका पहलवान ने अनंत सिंह की मदद की थी और नीलम देवी चुनाव जीत गई थीं।

दानापुर मंडल के हाल्ट पर ट्रेनों का अस्थायी ठहराव बढ़ा

नालंदा, एजेंसी। दानापुर मंडल के चम्पापुर हाल्ट, सालिमपुर बिहार हाल्ट एवं करौटा स्टेशन पर दिये गये विभिन्न ट्रेनों का अस्थायी ठहराव 30 अप्रैल तक बढ़ाया गया है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दानापुर मंडल के पटना-बख्तियापुर रेलखंड पर स्थित चम्पापुर हाल्ट, सालिमपुर बिहार हाल्ट एवं करौटा स्टेशन पर निम्नलिखित ट्रेनों के दिये गये अस्थायी ठहराव को 30 अप्रैल, 2025 तक बढ़ाया जा रहा है जिनका विवरण निम्नानुसार है - 1. चम्पापुर हाल्ट - गाड़ी सं. 63207/63212 झाझा-पटना-झाझा मेमू, 13207/13208 जसीडीह-पटना-जसीडीह एक्सप्रेस एवं 53227 मोकामा-पटना पैसेंजर का अस्थायी ठहराव ।

2. सालिमपुर बिहार - गाड़ी सं. 63209 देवघर-पटना मेमू एवं 63212 पटना-झाझा मेमू का अस्थायी ठहराव ।

भोजपुर में तीन भाइयों की बेहरमी से पिटाई : मिठाई के दुकान से गल्ला लेकर

आरा (भोजपुर), एजेंसी। आरा शहर के नवादा थाना क्षेत्र के बहिरो गांव में मिठाई की दुकान पर पैसे से भरा बक्सा (गल्ला) छिनने के विवाद को लेकर तीन भाइयों को बदमाशों ने छनौटा,लाठी-डंडा से जमकर पिटाई कर दी। मारपीट की घटना में तीनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद अन्य लोगों के बीच बचाव के बाद मामले को शांत कराया गया और तीनों जख्मियों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया,जहां डॉक्टरों की देखरेख में इलाज चल रहा है। जख्मियों में नवादा थाना क्षेत्र के बहिरो गांव निवासी स्व. धर्म दयाल यादव के तीन बेटे सुमंत कुमार (35),आदित्य कुमार (32) और मुकेश कुमार यादव (30) शामिल हैं। इधर, घटना की जानकारी देते हुए जख्मियों के चाचा बंशी यादव ने बताया कि मेरे भतीजे बहिरो लख के पास मिठाई का दुकान कई वर्षों से चलाते है।

पत्थर बरसाए फिर अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को ले गए, बिहार में पुलिस पर फिर हमला

पटना, एजेंसी। बिहार में पुलिस पर हमले नहीं रुक रहे हैं। जहानाबाद के शकूराबाद थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर गांव में अवैध बालू लदा ट्रैक्टर पकड़ने गई पुलिस पर ग्रामीणों ने पथराव कर गाड़ी को छुड़ाकर ले भागने में सफल रहे मिली जानकारी के अनुसार डायल 112 नंबर की पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि इब्राहिमपुर नदी से अवैध रूप से बालू का उठाव कर एक ट्रैक्टर जा रही है। सूचना पर 112 की पुलिस घटनास्थल पर जैसे ही पहुंची पुलिस की गाड़ी देख ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर लेकर भागने लगा। पुलिस ने घेर कर ट्रैक्टर जैसे ही पकड़ने के लिए आगे बढ़ी अपने को पुलिस से घिरा देख ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर को छोड़कर फरार हो गया। हालांकि, बालू लदे ट्रैक्टर को जब्त कर जब पुलिस थाने लाने के लिए प्रयास कर रही थी तभी ट्रैक्टर मालिक निरंजन सिंह संजय कुमार सहित काफी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई तथा ग्रामीणों ने पुलिस के साथ गाली गलौज व नोंक झोंक करने लगे। हालांकि, एक ही गाड़ी से पुलिस टीम रहने के कारण ग्रामीणों की भीड़ को देखते हुए और पुलिस बल बुलाने के लिए थाने को सूचना किया थाने से अतिरिक्त बल वहां पहुंचने के पहले ट्रैक्टर मालिक के द्वारा ट्रैक्टर को वहां से ले भगाकर छिपा दिया गया।

पासवान फैमिली में 90 बीघा जमीन-मकान को लेकर घमासान

बेटी बोली-50 साल से मां रह रही, पिता की मौत के बाद चाचा चाहते हैं हिस्सा

पटना, एजेंसी। पार्टी में दो फाड़ होने के करीब साढ़े 3 साल बाद पासवान फैमिली में अब संपत्ति पर विवाद शुरू हो गया है। विधानसभा चुनाव से पहले एक बार दिवंगत रामविलास पासवान की फैमिली सुर्खियो में है। इस बार मामला उनकी पैतृक संपत्ति पर कब्जे का है। मामला पुलिस थाने तक पहुंच गया है। दिवंगत रामविलास की पहली पत्नी राजकुमारी देवी ने देवरानी पशुपति पारस की पत्नी शोभा देवी और स्व. रामचंद्र पासवान की पत्नी सुनैना देवी पर मानसिक तौर पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। खगड़िया के अलौली थाना में एफआईआर भी दर्ज कराई है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। वहीं बिहार भ्रमण पर निकले पशुपति पारस ने इसे पूरे मामले को पॉलिटिकल माइलेज लेने के लिए एक ड्रामा करार दिया है। उन्होंने कहा, 'ये पूरा मामला जमीन बंटवारे का है।' चिराग पासवान फिलहाल दिल्ली में हैं और उन्होंने इस प्रकरण पर किसी तरह का कोई बयान नहीं दिया है। वे अपनी पार्टी के नेताओं के माध्यम से पूरे मामले की जानकारी ले रहे हैं। अपनी बड़ी बहन को उन्होंने पटना से मां के पास गांव भेजा है।

पहले जमीन पर कब्जा किया, अब घर से बेदखल करना चाहते हैं : रामविलास पासवान और उनकी पहली पत्नी की बड़ी बेटी आशा देवी ने बताया, 'जब तक पिता रामविलास पासवान थे, सबकुछ सही चल रहा था। किसी प्रकार का कोई विवाद नहीं था। गांव शहरबन्नी के माकान और करीब 90 बीघा पुस्तैनी जमीन की देखरेख की पूरी जिम्मेदारी मां राजकुमारी देवी ही करती थी।'

उन्होंने बताया, 'पिछले 50 साल से इसकी कस्टोडियन मां ही थी। उनके अलावा कोई गांव के घर में नहीं रहता था। परिवार के बाकी लोग खगड़िया, पटना या फिर दिल्ली रहते थे। किसी

खास मौके पर घंटा- दो घंटा के लिए आते थे। इसके बाद निकल जाते थे।' 'पिता की मौत के बाद ही परिवार का रुख बदल गया। सबसे पहले इन्होंने बिना बंटवारे के ही सारी जमीन पर कब्जा कर लिया। पहले उससे जितना पैदावर होता था उसका हिसाब मां के पास आता था लेकिन 2-3 साल पहले अचानक ये सब चाचा ने अपने कब्जे में लिया।% अब ये लोग घर पर भी कब्जा करना चाहते हैं। दो मंजिला मकान में कुल 5 कमरे हैं। इनमें 3 कमरा नीचे और 2 कमरा ऊपर है। ऊपर का कमरा ज्यादा अच्छा है। मां उसी कमरे में रहती हैं। ये लोग उसी कमरे पर कब्जा जमाना चाहते हैं। यही विवाद का कारण है।

शहरबन्नी, खगड़िया, पटना और दिल्ली की जमीन में हिस्सा चाहिए : बुधवार को रामविलास पासवान की पहली पत्नी राजकुमारी देवी ने शहरबन्नी स्थित पैतृक आवास पर मीडिया से बात करते हुए कहा कि शहरबन्नी, चातर, खगड़िया, पटना और दिल्ली में जो जमीन है, उसका कागजी बंटवारा कर लिया जाए। हमें कोई आपत्ति नहीं है। छह साल पहले दोनों पक्षों ने गांव की 50 बीघा जमीन अपने कब्जे में ली थी। हमने तब भी विरोध नहीं किया। राजकुमारी ने कहा कि मेरे साथ जो घटना हुई, उसे पारस गुट के लोग राजनीतिक रंग दे रहे हैं। मीडिया में झूठ फैलाया जा रहा है। रामविलास पासवान के निधन के बाद से चिराग पासवान ही हमारी देखभाल कर रहे हैं। कई बार उन्होंने पैसे भी भेजे। पहली बार जब पैसे भेजे, तो दिल भर आया था। अब तबीयत में सुधार है। तीन दिन बाद आज खाना खाए हैं। पैतृक संपत्ति में 30 बीघा जमीन मेरी दोनों गोतनी (शोभा देवी, सुनैना देवी) के पास है और 20 बीघा मेरे पास। अब मुझे शहरबन्नी, खगड़िया, पटना और दिल्ली की संपत्ति में हिस्सा चाहिए। यह घर तीनों भाइयों ने मिलकर बनाया है। खेत और बाकी संपत्ति में भी हमें हिस्सा चाहिए।

विवाद क्यों हुआ : आशा ने बताया, 'हर बार की तरह दोनों चाची शोभा देवी और सुनैना देवी शहरबन्नी गांव आई। उनके खाने और रहने की व्यवस्था मां रामकुमारी देवी ने ही की। शाम में जब वे निकलने लगीं तो दोनों ने उनके कपड़े, दवाइयां और जरूरी सामान कमरे से निकाल कर उसमें ताला जड़ दिया।' उन्होंने कहा, 'घर में उनका भी अधिकार है। आप नीचे के तीन कमरे में रहिए। ये दो कमरों पर अब हमारा कब्जा रहेगा। 75 वर्षीय राजकुमारी देवी इसी कमरे में रहती थी।

वक्फ संशोधन विधेयक पास होने के बाद मां के पास आएंगे चिराग

इस पूरे मामले में चिराग पासवान अभी तक खामोश हैं। उनका एक भी बयान सामने नहीं आया है। उनके बहनोई मृणाल शेखर पासवान ने बताया, 'घटना की जानकारी मिलने के बाद उनका फोन आया। तुरंत भगिना को उन्होंने नानी के पास भेजा। पूरे मामले की जानकारी ली। वक्फ संशोधन विधेयक पास होने के बाद वे मां से मिलने के लिए शहरबन्नी आएंगे।'

पारस के प्रवक्ता ने कहा, चिराग ड्रामा कर रहे हैं

वहीं, इस पूरे मामले पर अपना पक्ष रखने के लिए पशुपति पारस ने रालोजपा के प्रवक्ता श्रवण अग्रवाल को आगे किया है। उन्होंने कहा, 'पारिवारिक मामले को राजनीतिक लाभ लेने के लिए तूल दिया जा रहा है। आज तक शहरबन्नी में पुलिस रामविलास पासवान के घर की सुरक्षा के लिए पहुंचती थी। चिराग पासवान ने उसी घर में पुलिस को घुसा दिया। 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती के मौके पर पटना में पशुपति पारस के कार्यक्रम को असफल करने के लिए ये साजिश रची जा रही है।'

विविएन वेस्टवुड का फैशन शोः

करीना से लेकर दिशा पटानी तक बॉलीवुड हसीनाओं ने बिखेरा जलवा

प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर विविएन वेस्टवुड ने भारत में अपना पहला फैशन शो आयोजित किया, जो मुंबई के ऐतिहासिक गेटवे ऑफ इंडिया पर हुआ। इस शो में फैशन और फिल्म इंडस्ट्री की कई जानी-मानी हस्तियां एकत्रित हुईं। बॉलीवुड की प्रमुख एक्ट्रेसेस जैसे करीना कपूर, जान्हवी कपूर, दिशा पटानी ने इस इवेंट में अपने ग्लैमरस अंदाज से फैशन की दुनिया में चार चांद लगाए।

राशि ने अपनी एनर्जेटिक जिम रूटीन से फिटनेस को बनाया मजेदार!

कौन कहता है कि वर्कआउट सिर्फ पसीना बहाने और थकने का नाम है? पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना फिटनेस को एक नया रूप दे रही हैं, जहां मेहनत और मस्ती का अनोखा मेल देखने को मिल रहा है! अपनी सीमाओं को लगातार आगे बढ़ाने वाली राशि इन दिनों जिम में पहले से ज्यादा मेहनत कर रही हैं, लेकिन उनके वर्कआउट सेशन्स में सिर्फ इंटेंस एक्सरसाइज़ ही नहीं, बल्कि ढेर सारी मस्ती और जोश भी शामिल है। अपनी हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में, राशि एकदम बीस्ट मोड में नजर आ रही हैं–वेट लिफ्टिंग, एगिलिटी ड्रिल्स और जबरदस्त वर्कआउट कर रही है। लेकिन जो चीज़ उनकी रूटीन को सबसे ज्यादा प्रेरणादायक बनाती है, वो है उनकी इंफेक्शियस एनर्जी और चुलबुला अंदाज। एक्सरसाइज़ के बीच-बीच में वह अपने ट्रेनर के साथ मजेदार पल भी शेयर कर रही हैं, यह साबित करते हुए कि मेहनत और मस्ती एक साथ चल सकते हैं। उन्होंने इस पोस्ट के साथ लिखा, एवरी डे, आई शो अप। एवरी डे, आई कम्प्लेन। एवरी डे, आई सर्वाइव। रिलेटेबल? राशि के फिटनेस सफर की यह झलक प्रशंसकों को काफी पसंद आ रही है, लोग उनकी मेहनत और पॉजिटिव एनर्जी की तारीफ कर रहे हैं। 'द साबरमती रिपोर्ट' में अपने दमदार किरदार से सबका दिल जीतने वाली राशि आज की सबसे प्रतिभाशाली पैन-इंडिया स्टार्स में से एक मानी जाती हैं और वह स्क्रीन के अंदर और बाहर, दोनों जगह अपने फैंस को लगातार प्रभावित कर रही हैं। राशि ने हाल ही में इस साल के लिए कुछ रोमांचक प्रोजेक्ट्स की ओर इशारा किया है, हालांकि अभी तक ज्यादा डिटेल्स सामने नहीं आई हैं। इसके अलावा, उन्हें एक्सेल एंटरटेनमेंट के ऑफिस में स्पॉट किया गया, जिससे फैंस के बीच उनके अगले प्रोजेक्ट को लेकर एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है। फिटनेस, मस्ती और प्रोफेशनल सफलता को बैलेंस करते हुए राशि खन्ना लगातार यह साबित कर रही हैं कि वह इंडस्ट्री की सबसे शानदार और दमदार कलाकारों में से एक हैं!

करीबी दोस्त ने किया खुलासा

जल्द शादी के बंधन में बंधेंगे जैस्मिन और अली गोनी

टीवी जगत के चर्चित सितारे अली गोनी और जैस्मिन भसीन की लव स्टोरी किसी से छिपी नहीं है। दोस्ती से शुरू हुआ इनका रिश्ता बिग बॉस 14 में जाकर मोहब्बत की दहलीज तक जा पहुंचा। यहां दोनों ने एक-दूजे से प्यार का इजहार किया। लंबे वक्त से एक-दूसरे को डेट कर रहे कपल के प्रशंसकों को अब इनकी शादी का इंतजार है। यह इंतजार अब पूरा होने की घड़ी आ गई है, ऐसा दावा एक करीबी दोस्त ने किया है।

इस साल हो जाएगी शादी

अली गोनी की करीबी दोस्त कृष्णा मुखर्जी ने हाल ही में अली और जैस्मिन की शादी को लेकर बड़ा खुलासा किया है। दरअसल, कृष्णा हाल ही में रश विद रुचि के पॉडकास्ट में नजर आईं, जहां उनसे अली और जैस्मीन की शादी के बारे में पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा, इस साल हो रही है, या फिर अगले साल हो रही है उनकी शादी, दोस्तों। कृष्णा ने आगे कहा, इस साल हो जाएगी, इस साल के आखिर तक हो जाएगी।

ज्ञानवापी फाइल्स का पहला पोस्टर जारी

दर्जी कन्हैया लाल की भूमिका में नजर आएंगे विजय राज

दर्जी कन्हैया लाल की क्रूर हत्या पर आधारित एक फिल्म ज्ञानवापी फाइल्स- ए टेलर मर्डर स्टोरी रिलीज के लिए तैयार है, जिसमें मशहूर बॉलीवुड अभिनेता विजय राज मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का पहला आधिकारिक पोस्टर आज जारी किया गया, जो एक बेहद चर्चित प्रोजेक्ट की शुरुआत है। अभिनेता का फिल्म से पहला लुक भी जारी हुआ है।

फिल्म का पहला पोस्टर

निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज की तारीख का भी एलान किया है। यह फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म की घोषणा आज 2 अप्रैल 2025 को सोशल मीडिया पर की गई। फिल्म के पहले पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा गया, उस कहानी के गवाह बनें, जिसे बताया जाना चाहिए। ज्ञानवापी फाइल्स- ए टेलर मर्डर स्टोरी 27 जून को सिनेमाघरों में।

कैसी होगी फिल्म की कहानी

मामले की संवेदनशील प्रकृति को देखते हुए फिल्म की घोषणा ने पहले ही महत्वपूर्ण चर्चा को जन्म दे दिया है। हालांकि, फिल्म निर्माताओं ने अभी तक कहानी कहने के तरीके के बारे में विवरण का खुलासा नहीं किया है, लेकिन उम्मीद है कि इस परियोजना में हत्या और उसके बाद की घटनाओं को गहराई से दिखाया जाएगा।

क्या था पूरा मामला

दरअसल, कन्हैया लाल की जून 2022 में उदयपुर में दो हमलावरों ने दिनदहाड़े सिर काटकर हत्या कर दी थी। हमलावरों ने बाद में हत्या की बात कबूल करते हुए एक वीडियो जारी किया, जिसमें दावा किया गया कि यह नूपुर शर्मा के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट करने का बदला था। भाजपा के पूर्व प्रवक्ता शर्मा ने पैगंबर मुहम्मद के बारे में टिप्पणी करके विवाद खड़ा कर दिया था, जिसके कारण व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए थे।

कांचा गाचीबोवली मामले को लेकर ऋचा चड्ढा ने राहुल गांधी को घेरा

बॉलीवुड अभिनेत्री ऋचा चड्ढा अपनी फिल्मों के अलावा बेबाकी से अपनी राय रखने के लिए भी जानी जाती हैं। अब एक बार फिर अभिनेत्री ने एक मामले पर अपनी राय रखी है। उन्होंने तेलंगाना में 400 एकड़ की वन भूमि को नष्ट किए जाने पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की आलोचना की है।

रिचा ने राहुल गांधी से कही बात

अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर इस मामले से जुड़े एक वीडियो को अपने एक्स अकाउंट पर री-शेयर करते हुए राहुल गांधी को मेंशन करते हुए लिखा, राहुल गांधी, बहुत मोहब्बत हो गई। कुछ मोहब्बत प्रकृति के लिए भी करो। अपनी इस पोस्ट में ऋचा चड्ढा ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को भी मेंशन किया है।

मामले को लेकर काफी एक्टिव हैं अभिनेत्री

ऋचा इस मामले पर लगातार सक्रिय दिख रही हैं और वो इस पूरे मामले को लेकर लगातार ट्वीट कर रही हैं या लोगों के ट्वीट को रिट्वीट कर रही हैं। एक और पोस्ट को री-शेयर करते हुए अभिनेत्री ने लिखा, कांचा गाचीबोवली को बचाओ। मुख्यमंत्री को टैग करो, नेतृत्व को टैग करो। जंगल किसी की व्यक्तिगत संपत्ति नहीं है।

सरकार के फैसले का हो रहा विरोध

बता दें कि हैदराबाद विश्वविद्यालय के परिसर में स्थिति कांचा गाचीबोवली जंगल में जैव विविधता से भरपूर जमीन की निकासी और नीलामी के खिलाफ तेलंगाना में प्रदर्शन हो रहे हैं। आज तेलंगाना पुलिस ने विश्वविद्यालय के छात्रों और यूनिवर्सिटी से जुड़े प्रदर्शन कर रहे लोगों पर लाठीचार्ज भी किया। क्योंकि उन्होंने अपना विरोध प्रदर्शन तेज कर दिया था। उनमें से कुछ को हिरासत में भी लिया गया। हालांकि, विरोध के बावजूद तेलंगाना सरकार ने रंगारेड्डी जिले के कांचा गाचीबोवली में 400 एकड़ वन भूमि को साफ कर दिया है। सरकार इस भूमि की नीलामी करने की योजना बना रही है, जिससे 10,000 से 15,000 करोड़ रुपये के बीच राजस्व मिलने की उम्मीद है, साथ ही विश्व स्तरीय आईटी पार्क और शहरी स्थान विकसित करने का प्रस्ताव है।

सहज किरदार और हर विधा में करना चाहता हूं कामः राघव जुयाल

अभिनेता राघव जुयाल ने अपनी आकांक्षाओं के बारे में बात की और कहा कि वह हर विधा में काम करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि वह मजेदार और सहज किरदार निभाना चाहते हैं। राघव ने कहा, मैं हर विधा में काम करना चाहता हूं और मजेदार, सहज किरदार निभाना चाहता हूं, जहां मैं बस आराम से रह सकूं और अच्छा समय बिता सकूं, लेकिन साथ ही शानदार और चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं भी निभाना चाहता हूं, जो मुझे प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा, मैं अभिनय करूंगा, मैं डांस करूंगा, मैं होस्ट करूंगा और मैं इस इंडस्ट्री में पेश की जाने वाली हर चीज करूंगा। मैं कुछ भी मिस नहीं करना चाहता, मैं सब कुछ करना चाहता हूं। राघव हाल ही में एक्शन फिल्म किल में नजर आए थे। उन्होंने कहा कि आलोचना एक व्यक्ति को अपने काम को बेहतर बनाने में मदद करती है। आलोचकों ने उनके जीवन को आकार दिया है। उन्होंने बताया, मेरी जिंदगी आलोचकों द्वारा बनाई गई है, मेरे करियर में बदलाव उनके द्वारा प्राप्त मान्यता के कारण हुआ, खासकर किल के साथ। यह एक अभिनेता के लिए काम करता है क्योंकि इससे अधिक अवसर भी मिलते हैं। अपनी छवि को किसी ऐसी चीज से बदलना अविश्वसनीय रूप से कठिन है जिसके लिए आप प्रसिद्ध हैं। राघव को स्लो स्पीड की शैली में उनके डांस और भारत में स्लो मोशन वॉक के लिए स्लो मोशन किंग के रूप में जाना जाता है। वे डांस रियलिटी शो डांस इंडिया डांस 3 में एक प्रतियोगी और फाइनलिस्ट होने और डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स 2 जैसे शोज में उनकी टीम की प्रस्तुति से लोकप्रिय हुए थे।

उन्होंने 2014 में चारुदत्त आचार्य के निर्देशन में बनी कॉमेडी ड्रामा फिल्म सोनाली केबल से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी।

स्त्री 2 के बाद बड़ा धमाल मचाएंगी श्रद्धा

श्रद्धा कपूर ने हाल ही में हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 से दर्शकों का दिल जीता था। इसके बाद से उन्होंने अपनी अगली फिल्म की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की थी। हालांकि, अब खबर आ रही है कि श्रद्धा जल्द ही तुम्बाड़ के निर्देशक राही अनिल बर्वे के साथ एक नया प्रोजेक्ट शुरू करने वाली हैं। इस फिल्म का निर्माण एकता कपूर करेंगी।

तुम्बाड़ के निर्देशक के साथ करने जा रहीं काम

हालांकि, अभी इसकी कहानी और नाम का खुलासा नहीं हुआ है। पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक श्रद्धा और एकता कपूर कई फिल्मों को लेकर बातचीत कर रही हैं।

कार्तिक आर्यन, करण जौहर और महावीर जैन एक बड़े बजट की कॉमेडी ट्राइलॉजी के लिए साथ आएः रिपोर्ट

कार्तिक आर्यन और करण जौहर एक बार फिर साथ काम करने के लिए तैयार हैं, और इस बार, वे निर्माता महावीर जैन के साथ एक महत्वाकांक्षी कॉमेडी ट्राइलॉजी के लिए साथ आ रहे हैं। हाल ही में कार्तिक और करण ने रोमांटिक कॉमेडी तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग शुरू की थी, और अब यह जोड़ी एक हाई-कॉन्सेप्ट फिल्म के लिए साथ आ रही है, जो हंसी, सरप्राइज और शानदार विजुअल्स से भरपूर होगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रोजेक्ट का निर्देशन फुकरे फ्रेंचाइजी के निर्देशक मृगदीप सिंह लांबा करेंगे। इस प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने खुलासा किया, मृगदीप सिंह लांबा लंबे समय से इस हाई-कॉन्सेप्ट कॉमेडी पर काम कर रहे हैं, और इसे एक ट्राइलॉजी के रूप में बनाया जा रहा है, जिसमें कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका निभाएंगे। करण को यह कॉन्सेप्ट बेहद पसंद आया और उन्होंने तुरंत इस प्रोजेक्ट को बड़े पर्दे के लिए प्रोड्यूस करने के लिए हामी भर दी। इस स्क्रिप्ट में हर वर्ग के सिनेमा प्रेमियों से जुड़ने की क्षमता है।

फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है, और टीम इसकी भव्यता और विजुअल अपील पर काम कर रही है ताकि इसे एक अनोखा सिनेमाई अनुभव बनाया जा सके। फिल्म की अवधारणा को लेकर सूत्र ने आगे बताया, ÷यह सिर्फ एक कॉमेडी से कहीं बढ़कर है, क्योंकि मेकर्स इसे बड़े स्केल और शानदार विजुअल्स के साथ दर्शकों को चौंकाने के इरादे से बना रहे हैं। फिलहाल फिल्म की प्री-प्रोडक्शन प्रक्रिया चल रही है और यह सितंबर 2025 में फ्लोर पर जाएगी। प्रोजेक्ट के पैमाने को देखते हुए, निर्माता 2026 में रिलीज़ की उम्मीद कर रहे हैं। इस सहयोग से कार्तिक आर्यन की फिल्मोग्राफी में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होने की उम्मीद है, क्योंकि वह लगातार खुद को एक बहुमुखी कलाकार के रूप में स्थापित कर रहे हैं, खासकर कॉमेडी शैली में। करण जौहर के लिए भी यह फिल्म उनके बैनर धर्मा प्रोडक्शंस के तहत एक और रोमांचक प्रोजेक्ट साबित होगी, जहां वह कॉमेडी जॉनर को एक नए दृष्टिकोण से एक्सप्लोर कर रहे हैं। वहीं, मृगदीप सिंह लांबा के निर्देशन में, जो पहले भी दर्शकों को पसंद आने वाली एंटरटेनिंग फिल्में दे चुके हैं, इस फिल्म से काफी उम्मीदें लगाई जा रही हैं।

कार्तिक आर्यन की फिल्म से आउट हुई श्रीलीला, इस बॉलीवुड अभिनेत्री ने छीना रोल

पुष्पा 2 के किसिक गाने में अपने बेहतरीन डांस से सभी को अपना दीवाना बना चुकीं श्रीलीला को बॉलीवुड की एक फिल्म से दरकिनार कर दिया है और अब उनकी जगह एक बॉलीवुड अभिनेत्री को ले लिया गया है, जो पहले ही उई अम्मा गाने से आपको अपना दीवाना बना चुकी हैं। श्रीलीला इन दिनों अपनी कई फिल्मों को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं, जिनमें हाल ही में साउथ अभिनेता नितिन के साथ उनकी तेलुगु फिल्म रॉबिनहुड रिलीज हुई है। वहीं श्रीलीला, कार्तिक के साथ एक अनाम फिल्म में नजर आएंगी, लेकिन वहीं अब उन्हें कार्तिक की ही एक फिल्म से निकाल दिया गया है, जिसकी वजह और कोई नहीं बल्कि रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी हैं। खबर के मुताबिक, श्रीलीला को कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म पती पत्नी और वो के सीक्वल में फाइनल कर लिया गया था, लेकिन आखिरी मौके पर फिल्म के निर्माताओं ने उन्हें हटा दिया। कहा जा रहा है कि यह फिल्म पति पत्नी और वो का सीक्वल है, जिसमें श्रीलीला को लगभग फाइनल कर ही लिया गया था।

रान्या राव केस में आया नया मोड़

तीसरे आरोपी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

रान्या राव सोना तस्करी मामले में एक नया मोड़ आया है। इस हाई-प्रोफाइल केस में तीसरे आरोपी साहिल जैन को विशेष आर्थिक अपराध कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। आज यानी 2 अप्रैल 2025 को राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने साहिल को कोर्ट में पेश किया। उनकी हिरासत की अवधि खत्म होने के बाद यह फैसला लिया गया। दूसरी ओर, कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव ने जमानत के लिए कर्नाटक हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मंगलवार को उनके वकील बी एस गिरीश ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की। इससे पहले निचली अदालतों ने उनकी जमानत को तीन बार खारिज कर दिया था। रान्या पर गंभीर आरोप हैं, जिसके चलते कोर्ट ने उन्हें राहत देने से इनकार किया था। 27 मार्च को बेंगलुरु की 64वीं सीसीएच सत्र अदालत ने उनकी जमानत याचिका ठुकराई थी। उससे पहले 14 मार्च को विशेष आर्थिक अपराध कोर्ट और मजिस्ट्रेट कोर्ट ने भी उनकी अर्जी नामंजूर कर दी थी।

डीआरआई ने कोर्ट को दी ये जानकारी

डीआरआई ने कोर्ट को जानकारी दी है कि रान्या ने हवाला के जरिए सोना खरीदने की बात कबूल की है। जांच में यह भी सामने आया कि साहिल जैन इस तस्करी के नेटवर्क में अहम भूमिका निभा रहे थे। डीआरआई ने कस्टम्स एक्ट की धारा 108 के तहत जांच शुरू की है, ताकि इस मामले में वित्तीय अनियमितताओं और कानून के उल्लंघन की गहराई तक जाया जा सके। यह मामला तब शुरू हुआ जब रान्या को हवाई अड्डे पर पकड़ा गया। उनके पास बरामद सोने की कीमत करीब 12 करोड़ रुपये से ज्यादा आंकी गई है।

साभार एजेंसी

ट्रंप ने विभिन्न देशों पर व्यापक नए शुल्क की घोषणा की, महंगाई और व्यापार युद्ध का खतरा बढ़ा

» वाशिंगटन, भाषा।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को लगभग सभी अमेरिकी व्यापारिक साझेदार देशों पर दूरगामी प्रभाव वाले नए शुल्क लगाने की घोषणा की। इसमें चीन से आयात पर 34 प्रतिशत कर और यूरोपीय संघ (ईयू) और अन्य पर 20 प्रतिशत कर लगाया गया है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था की संरचना के काफी हद तक ध्वस्त होने और व्यापक व्यापार युद्ध शुरू होने का खतरा है।ट्रंप ने व्हाइट हाउस के रोज़ गार्डन में यह घोषणा करते हुए कहा कि वे दर्जनों ऐसे देशों पर शुल्क दरें बढ़ा रहे हैं जो अमेरिका के साथ सार्थक व्यापार अधिशेष रखते हैं। साथ ही, उन्होंने आर्थिक आपातकाल के जवाब में सभी देशों से आयात पर 10 प्रतिशत का बेसलाइन कर लगाया है। राष्ट्रपति ने कहा कि शुल्क घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए लगाए गए हैं। उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमेरिका द्वारा निर्मित वैश्विक व्यापार प्रणाली का वर्णन करने के लिए आक्रामक शब्दों का इस्तेमाल किया।

उन्होंने कहा, हमारे देश को अन्य देशों द्वारा लूटा गया और जबर्दस्ती की गई। यह कदम ऐतिहासिक कर वृद्धि के बराबर है जो वैश्विक व्यवस्था को टूटने के कगार पर पहुंचा सकता है। यह कई अमेरिकियों के लिए एक ऐसे बदलाव की शुरुआत है, जो शायद दर्दनाक होगा। इससे मध्यम वर्ग की ज़रूरत वाली चीजें जैसे घर, वाहन और कपड़े महंगे होंगे। वहीं शांति और आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए गठबंधनों में बाधा उत्पन्न होगी। ट्रंप ने कहा कि वह अमेरिकी सरकार के लिए सैकड़ों अरबों का नया राजस्व लाने और वैश्विक व्यापार में निष्पक्षता बहाल करने के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा, करदाताओं को 50 से अधिक वर्षों से लूटा जा रहा है। ...लेकिन अब ऐसा नहीं होने वाला है। ट्रंप ने शुल्क लगाने के लिए राष्ट्रीय आर्थिक आपातकाल की घोषणा की। उन्होंने वादा किया है कि करों के परिणामस्वरूप कारखानों की नौकरियां अमेरिका में वापस आ जाएंगी, लेकिन उनकी नीतियों से अचानक आर्थिक मंदी का खतरा है क्योंकि उपभोक्ताओं और व्यवसायों को कीमतों में भारी बढ़ोतरी का सामना करना पड़ सकता है। ट्रंप ने एक महत्वपूर्ण चुनावी वादा पूरा किया क्योंकि उन्होंने 1977 के अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन शक्ति अधिनियम के तहत कांग्रेस के बिना व्यापार भागीदारों पर जवाबी शुल्क लगाए हैं। लेकिन बुधवार को उनकी यह कार्रवाई मुद्रास्फीति से निपटने के लिए पिछले साल के चुनाव में ट्रंप के मतदाता जनादेश को खतरे में डाल सकती है। राष्ट्रपति की उच्च दरें उन विदेशी इकाइयों को प्रभावित करेंगी जो अमेरिका को खरीदने से ज़्यादा सामान बेचती हैं। ट्रंप प्रशासन ने अनिवार्य रूप से उन देशों के साथ व्यापार असंतुलन के बराबर राजस्व जुटाने के लिए अपनी शुल्क दरों की गणना की है। ट्रंप ने फिर उस दर को आधा कर दिया और खुद को बहुत दयालु बताया। व्हाइट हाउस का कहना है कि शुल्क और अन्य व्यापार असंतुलन के कारण पिछले साल।,200 अरब डॉलर का असंतुलन हुआ। प्रशासनिक अधिकारियों ने सुझाव दिया कि अन्य देशों को अपने आयात पर नए शुल्क को कम करने के लिए कई तरह की कार्रवाई करनी पड़ सकती है, और उन देशों द्वारा जवाबी शुल्क लगाने से स्थिति और खराब हो सकती है।

भारतीय मूल के अमेरिकी सांसदों ने ट्रंप के जवाबी शुल्क की आलोचना की

न्यूयॉर्क। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसदों और प्रवासी समुदाय ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए जवाबी शुल्क को बिना सोचा समझा और आत्म-विनाशकारी करार देते हुए इसकी आलोचना की है। अमेरिकी सांसदों और प्रवासी समुदाय के इन लोगों ने दोनों देशों के नेताओं से इन चुनौतियों से निपटने के लिए बातचीत करने का आग्रह किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर व्यापक रूप से 26 प्रतिशत का रियायती जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की है। ट्रंप ने बुधवार को व्हाइट हाउस के रोज गार्डन से विभिन्न देशों पर शुल्क लगाने की घोषणा करते हुए कहा, भारत हमसे 52 प्रतिशत शुल्क लेता है, इसलिए हम उनसे इसका आधा - 26 प्रतिशत शुल्क लेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने वैश्विक स्तर पर अमेरिकी उत्पादों पर लगाए गए उच्च शुल्कों का मुकाबला करने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए लगभग 60 देशों पर जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की है। सांसदों ने यह भी कहा कि ट्रंप के जवाबी शुल्क से भारतीय सामान की बाजार में प्रतिस्पर्धा कम हो जाएगी। अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि ट्रंप का जवाबी शुल्क कामकाजी परिवारों पर एक प्रकार का कर है, ताकि वह सबसे धनी अमेरिकियों के लिए करों में कटौती कर सकें। इलिनोइस से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद कृष्णमूर्ति ने कहा, नवीनतम तथाकथित मुक्ति दिवस शुल्क बिना सोचा समझा और आत्मघाती हैं, जो इलिनोइस को ऐसे समय में वित्तीय पीड़ा पहुंचा रहे हैं, जब लोग पहले से ही अपने छोटे व्यवसायों को बचाए रखने और भोजन की व्यवस्था करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कृष्णमूर्ति ने कहा कि जवाबी शुल्क वैश्विक मंच पर अमेरिका को अलग-थलग कर देते हैं, अमेरिका के सहयोगियों को अलग-थलग कर देते हैं और उसके विरोधियों को सशक्त बनाते हैं। कृष्णमूर्ति ने अमेरिकी नागरिकों से आग्रह किया कि वे ट्रंप से कहें कि वे देश को मंदी की ओर ले जाने से पहले अपनी विनाशकारी शुल्क नीतियों को समाप्त करें। उन्होंने कहा कि जवाबी शुल्क की अमेरिकी अर्थव्यवस्था या राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में कोई भूमिका नहीं है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर 27 प्रतिशत का जवाबी शुल्क लगाया

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/नई दिल्ली। अमेरिका ने भारत पर 27 प्रतिशत का जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन का मानना है कि अमेरिकी वस्तुओं पर भारत उच्च आयात शुल्क वसूलता है, ऐसे में अब देश के व्यापार घाटे को कम करने और विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए यह कदम उठाना जरूरी था। हालांकि, इस कदम से अमेरिका को भारत के कुछ क्षेत्रों के निर्यात पर असर पडने़ के आसार हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि भारत अपने प्रतिस्पर्धियों की तुलना में बेहतर स्थिति में है क्योंकि अन्य देशों की तुलना में भारत पर लगाया गया शुल्क कम है। इन देशों में बांग्लादेश (37 प्रतिशत), चीन (54 प्रतिशत), वियतनाम (46 प्रतिशत) और थाइलैंड (36 प्रतिशत) शामिल हैं जिन्हें बढ़े हुए शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने वैश्विक स्तर पर अमेरिकी उत्पादों पर लगाए गए उच्च शुल्क दरों का मुकाबला करने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए लगभग 60 देशों पर जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की है। ट्रंप ने बुधवार को व्हाइट हाउस के रोज़ गार्डन से विभिन्न देशों पर शुल्क लगाने की घोषणा करते हुए कहा, यह मुक्ति दिवस है, एक लंबे समय से प्रतीक्षित क्षण। दो अप्रैल, 2025 को हमेशा के लिए उस दिन के रूप में याद किया जाएगा, जिस दिन अमेरिकी उद्योग का पुनर्जन्म हुआ, जिस दिन अमेरिका के भाग्य का पुनः उदय हुआ, जिस दिन हमने अमेरिका को फिर समृद्ध बनाने का काम शुरू किया। हम अमेरिका को समृद्ध, अच्छा और समृद्ध बनाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका अन्य देशों से मोटरसाइकिल पर केवल 2.4 प्रतिशत शुल्क लेता है। इस बीच, थाइलैंड और अन्य देश बहुत अधिक यानी 60 प्रतिशत तक शुल्क वसूल रहे हैं। भारत 70 प्रतिशत शुल्क लेता है, वियतनाम 75 प्रतिशत शुल्क लेता है और अन्य इससे भी अधिक शुल्क वसूलते हैं। ट्रंप ने शुल्क की घोषणा करते समय एक चार्ट दिखाया जिसमें भारत, चीन, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ जैसे देशों द्वारा लगाए गए शुल्क के साथ-साथ जवाबी शुल्क भी दर्शाए गए थे। चार्ट ने संकेत मिलता है कि भारत ने मुद्रा में छेड़छाड़ और व्यापार बाधाओं सहित 52 प्रतिशत का शुल्क लगाया है। अमेरिका भी अब भारत से रियायती जवाबी शुल्क वसूलेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, भारत, बहुत, बहुत सख्त है। बेहद सख्त है। प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) अभी-अभी यहां से गए हैं। वह मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं, लेकिन मैंने उनसे कहा, आप मेरे दोस्त हैं, लेकिन आप हमारे साथ सही व्यवहार नहीं कर रहे हैं। वे हमसे 52 प्रतिशत शुल्क लेते हैं। आपको समझना होगा, हमने उनसे वर्षों तथा दशकों तक शुल्क के नाम पर कुछ भी नहीं लिया।

करदाताओं को 50 से अधिक वर्षों से लूटा जा रहा : ट्रंप

अमेरिका के जवाबी शुल्क पर दुनिया भर के नेताओं ने दी सधी प्रतिक्रिया

» बैंकॉक, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को लगभग सभी अमेरिकी व्यापारिक साझेदार देशों पर दूरगामी प्रभाव वाले नए शुल्क लगाने की घोषणा की। इसमें चीन से आयात पर 34 प्रतिशत कर और यूरोपीय संघ (ईयू) और अन्य पर 20 प्रतिशत कर तथा भारत पर व्यापक रूप से 26 प्रतिशत का रियायती जवाबी शुल्क लगाया गया है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था की संरचना के काफी हद तक ध्वस्त होने और व्यापक व्यापार युद्ध शुरू होने का खतरा है। ट्रंप इन आयात करों को जवाबी शुल्क कहते हैं और इनकी सीमा 10 प्रतिशत से 49 प्रतिशत तक है। सरल शब्दों में कहें तो अमेरिका अपने व्यापारिक साझेदारों पर उतना ही शुल्क लगाएगा जितना वे लगाएंगे। ट्रंप के अनुसार, ये देश दशकों से अमेरिका के साथ यही करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा, करदाताओं को 50 से अधिक वर्षों से लूटा जा रहा है... लेकिन अब ऐसा नहीं होने वाला है। राष्ट्रपति ने वादा किया कि करों के परिणामस्वरूप अमेरिका के कारखानों में नौकरियां वापस आएंगी, लेकिन उनकी नीतियों से अचानक आर्थिक मंदी का खतरा है क्योंकि उपभोक्ताओं और व्यवसायों को कीमतों में भारी बढ़ोतरी का सामना करना पड़ सकता है।

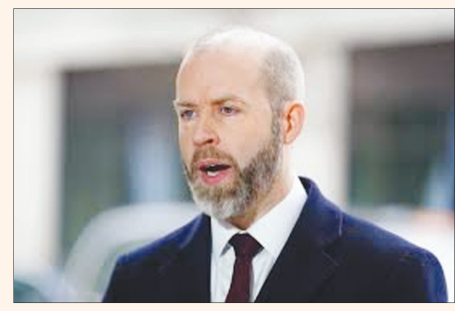

उन्होंने इसे न केवल एक आर्थिक मुद्दा बताया, बल्कि इसे राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न भी बताया, जो हमारी जीवन-शैली के लिए खतरा है। ट्रंप की इस घोषणा के बाद वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल मच गई। बृहस्पतिवार को अमेरिकी शेयर वायदा में तीन प्रतिशत तक की गिरावट आई और तोक्यो के बाजार में एशिया में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। तेल की कीमतें दो डॉलर प्रति बैरल से अधिक गिर गईं और बिटकॉइन की कीमत में 4.4 प्रतिशत की गिरावट आई। ट्रंप की घोषणा के बाद ब्रिटेन की सरकार ने कहा कि अमेरिका ब्रिटेन का सबसे करीबी सहयोगी बना हुआ है। व्यापार मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स ने कहा कि ब्रिटेन को उम्मीद है कि वह ट्रंप द्वारा घोषित ब्रिटिश वस्तुओं पर 10 प्रतिशत शुल्क के प्रभाव को कम करने के लिए एक व्यापार समझौता कर लेगा। उन्होंने कहा, कोई भी व्यापार युद्ध नहीं चाहता और हमारा इरादा समझौता सुनिश्चित करना है। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने ईयू के विरुद्ध नए 20 प्रतिशत शुल्क को गलत बताते हुए कहा कि इससे किसी भी पक्ष को लाभ नहीं होगा। मेलोनी ने फेसबुक पर पोस्ट कर कहा, हम अमेरिका के साथ एक समझौते की दिशा में काम करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे, जिसका उद्देश्य एक व्यापार युद्ध से बचना है। ब्राजील की सरकार ने कहा कि वह इस मामले को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में ले जाने पर विचार कर रही है। बाद में ब्राजील की कांग्रेस ने सर्वसम्मति से एक विधेयक पारित किया, जो ब्राजील की सरकार को देश के सामान पर शुल्क लगाने वाले किसी भी देश या व्यापार समूह के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने की अनुमति देता है। अमेरिका को सबसे बड़े निर्यातकों में से एक एशियाई देशों ने प्रभावित होने वाले वाहन निर्माताओं एवं अन्य व्यवसायों का समर्थन करने के लिए त्वरित कार्रवाई करने का संकल्प जताया। दक्षिण कोरिया के व्यापार मंत्रालय ने कहा कि दक्षिण कोरिया के कार्यवाहक नेता प्रधानमंत्री हान डक-सू ने अधिकारियों से कहा है कि वे नए 25 प्रतिशत शुल्क के संभावित प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए व्यापारिक समूहों के साथ काम करें ताकि नुकसान को कम से कम किया जा सके। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि चीन अपने अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए दृढ़ता से जवाबी कदम उठाएगा।

अमेरिका ने अपने कर्मियों पर चीनी नागरिकों के साथ रोमांटिक, यौन रिश्ता रखने पर प्रतिबंध लगाया

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिकी सरकार ने चीन में अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों, साथ ही परिवार के सदस्यों और सुरक्षा मंजूरी प्राप्त ठेकेदारों पर चीनी नागरिकों के साथ किसी भी प्रकार का रोमांटिक या यौन रिश्ता रखने पर प्रतिबंध लगा दिया है। एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को इस बारे में जानकारी मिली है। मामले से अवगत चार लोगों ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर एपी को इस नीति के बारे में बताया जिसे जनवरी में अमेरिकी राजदूत निकोलस बर्न्स ने चीन छोडने़ से कुछ समय पहले लागू किया था। कुछ अमेरिकी एजेंसियों ने पहले से ही ऐसे रिश्तों को लेकर सख्त नियम लगा रखे हैं।

हालांकि, अन्य देशों में अमेरिकी राजनयिकों के लिए स्थानीय लोगों के साथ डेटिंग करना और उनसे शादी तक करना भी असामान्य नहीं है। पिछले साल गर्मियों में इस नीति को सीमित रूप में लागू किया गया था, जिसके तहत अमेरिकी कर्मियों को चीन में अमेरिकी दूतावास और पांच वाणिज्य दूतावासों में गार्ड एवं अन्य सहायक कर्मचारियों के रूप में काम करने वाले चीनी नागरिकों के साथ रोमांटिक और यौन रिश्ता रखने पर रोक लगा दी गई थी। प्रतिबंध से अवगत दो लोगों ने एपी को बताया कि नई नीति पर पहली बार पिछली गर्मियों में चर्चा हुई थी। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी संबंधी प्रतिनिधि सभा की चयन समिति ने टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया। नई नीति के दायरे में मुख्य भूमि चीन में अमेरिकी मिशनों को शामिल किया गया है, जिसमें बीजिंग में दूतावास और गुआंगझू, शंघाई, शेनयांग और वुहान में वाणिज्य दूतावास के साथ हांगकांग के अर्द्ध-स्वायत्त क्षेत्र में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

वैश्विक व्यवस्था में हो रही उथल-पुथल, हर क्षेत्र को अपने बारे में स्वयं सोचना होगा : जयशंकर

» बैंकाक, भाषा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा घोषित जवाबी शुल्क के बीच, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि दुनिया स्व-सहायता के युग की ओर बढ़ रही है और हर क्षेत्र को खुद पर ध्यान देना होगा। जयशंकर ने बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) के 20वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि छोटी आपूर्ति श्रृंखलाएं और निकट पड़ोसी अब पहले की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं। उन्होंने कहा, वास्तविकता यह है कि दुनिया स्व-सहायता के युग की ओर बढ़ रही है। हर क्षेत्र को खुद पर ध्यान देने की जरूरत है, चाहे वह खाद्य, ईंधन और उर्वरक आपूर्ति, टीके या त्वरित आपदा प्रतिक्रिया हो। विदेशमंत्री ने कहा, हम अपनी आंखों के सामने इसे घटित होते देख रहे हैं। समय वास्तव में बदल गया है। छोटी आपूर्ति श्रृंखलाएं और निकट पड़ोसी पहले की तुलना में कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं।

जयशंकर जहां बिम्सटेक मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए यहां हैं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए बृहस्पतिवार को यहां पहुंचे। मंत्री ने कहा कि बिम्सटेक शिखर सम्मेलन बहुत अनिश्चित और अस्थिर समय में हो रहा है जबकि वैश्विक व्यवस्था उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। उन्होंने कहा, इससे हमें बिम्सटेक को और अधिक महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण से देखने के लिए प्रोत्साहित होना चाहिए। नई व्यवस्था, जिसकी रूपरेखा अब दिखाई देने लगी है, मूल रूप से अधिक क्षेत्रीय और एजेंडा-विशिष्ट है। मंत्री ने कहा, वह युग जब कुछ शक्तियां अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को अपने हाथ में लेती थीं।

भारत और थाईलैंड ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नियम-आधारित व्यवस्था का समर्थन किया : प्रधानमंत्री मोदी

» बैंकाक, भाषा।

भारत और थाईलैंड ने अपने संबंधों को प्रगाढ़ कर रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने का बृहस्पतिवार को फैसला किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र में मुक्त, समावेशी और नियम आधारित व्यवस्था का समर्थन करते हैं तथा विस्तारवाद के बजाय विकास की नीति में विश्वास करते हैं। मोदी ने यह टिप्पणी थाईलैंड की अपनी समकक्ष पैतोंगतार्न शिनावात्रा के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद एक संयुक्त प्रेस सम्मेलन में की। इस वार्ता के दौरान उन्होंने द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों पर व्यापक चर्चा की। मोदी ने शिनावात्रा के साथ हुई बातचीत के बारे में कहा, "हमने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और थाईलैंड के बीच पर्यटन, संस्कृति और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग पर जोर दिया है।

हमने आपसी व्यापार, निवेश और व्यवसायों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि एमएसएमई, हथकरघा और हस्तशिल्प में सहयोग के लिए भी समझौते किए गए हैं। मोदी ने कहा कि भारत की एक्ट ईस्ट नीति और हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण में थाईलैंड का विशेष स्थान है। मोदी ने कहा आज हमने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। सुरक्षा एजेंसियों के बीच रणनीतिक वार्ता स्थापित करने पर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि भारत आसियान में एकता और केंद्रीयता का पूर्ण समर्थन करता है। मोदी ने कहा, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हम दोनों एक मुक्त, समावेशी और नियम-आधारित व्यवस्था का समर्थन करते हैं। हम विस्तारवाद नहीं, विकासवाद की नीति में विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा, मैं अपनी यात्रा के अवसर पर 18वीं शताब्दी के रामायण भित्ति चित्रों पर आधारित एक विशेष डाक टिकट जारी करने के लिए थाईलैंड सरकार का आभारी हूं। मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री शिनावात्रा ने उन्हें त्रिपिटक भेंट किया। उन्होंने कहा बुद्ध की भूमि भारत की ओर से, मैंने इसे हाथ जोड़कर स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि भारत और थाईलैंड के बीच सदियों पुराने संबंध उनके गहरी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक डोर से बंधे हैं। मोदी ने कहा कि बौद्ध धर्म के प्रसार ने हमारे देश के लोगों को हर स्तर पर जोड़ा है। उन्होंने कहा, अयुत्या से नालंदा तक विद्वानों का आना-जाना हुआ है। रामायण कथा थाईलैंड के लोक जीवन में गहराई से समाई हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने थाईलैड की अपनी समकक्ष शिनावात्रा के साथ वार्ता की

बैंकाक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को थाईलैंड की अपनी समकक्ष पैतोंगतार्न शिनावात्रा के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। मोदी बृहस्पतिवार को छठे बिम्सटेक (बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर थाईलैंड पहुंचे, जिसके बाद उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्होंने रामकिएन - थाई रामायण की मनमोहक प्रस्तुति भी देखी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा,गार्ड ऑफ ऑनर के साथ विशेष औपचारिक स्वागत। थाईलैंड की प्रधानमंत्री ने आज बैंकॉक के गवर्नमेंट हाउस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने कहा, दोनों नेता भविष्य में भारत-थाईलैंड साझेदारी का मार्ग प्रशस्त करने के लिए व्यापक चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने बैंकॉक पहुंचने के बाद रामकिएन की प्रस्तुति देखी। पीएमओ ने कहा कि यह भारत और थाईलैंड के बीच समृद्ध सभ्यतागत संबंधों को प्रदर्शित करता है। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा,एक अद्वितीय सांस्कृतिक जुड़ाव थाई रामायण, रामकिएन की मनोरम प्रस्तुति देखी। यह वास्तव में शानदार अनुभव था, जिसमें भारत और थाईलैंड के बीच साझा सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को खूबसूरती से प्रदर्शित किया गया।

इजराइल के हवाई हमलों में 50 से अधिक फलस्तीनियों की मौत

» दीर अल-बलाह, भाषा।

इजराइल द्वारा रात भर किए गए हमलों में गाजा पट्टी में कम से कम 55 लोगों की मौत हो गई। अस्पताल के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इस हमले से एक दिन पहले ही इजराइल के वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने कहा था कि उनका देश गाजा के बड़े क्षेत्र पर कब्जा कर लेगा और फलस्तीनी क्षेत्र में एक नया सुरक्षा गलियारा स्थापित करेगा।

गाजा पट्टी के दक्षिणी भाग में स्थित खान यूनिस के अधिकारियों ने बताया कि 14 लोगों के शव नासेर अस्पताल ले जाए गए हैं, जिनमें से नौ एक ही परिवार के हैं। उन्होंने बताया कि मृतकों में पांच बच्चे और चार महिलाएं शामिल हैं। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि हमलों के बाद बच्चों और महिलाओं समेत 19 लोगों के शव खान यूनिस स्थित एक अस्पताल लाए गए हैं। वहीं, गाजा पट्टी स्थित अहली अस्पताल में सात बच्चों समेत 21 लोगों के शव लाए गए। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा था कि इजराइल गाजा में एक नया सुरक्षा गलियारा स्थापित कर रहा है।

म्यांमा भूकंप

भूकंप के समय मुस्लिम रमजान के अंतिम जुमे (शुक्रवार) पर अलविदा की नमाज अदा कर रहे थे

मांडले में भारतीय टीम बचाव कार्य के साथ स्थानीय लोगों का दिल भी जीत रही

» मांडले (म्यांमा), भाषा।

म्यांमा में गत शुक्रवार को 7.7 तीव्रता का भूकंप आने और उसके बाद मदद को पहुंची भारतीय टीम विपरीत परिस्थितियों में राहत एवं बचाव कार्य को अंजाम तो दे ही रही है साथ ही स्थानीय लोगों की भावनाओं का सम्मान कर उनका दिल भी जीत रही है। इसी का उदाहरण मांडले में मलबे से एक शव को निकालते समय देखने को मिला। मलबे में फंसे शव को देखकर प्रतीत होता था कि महिला और उसका बच्चा उस समय भूकंप की चपेट में आ गए जब वे नमाज़ पढ़ रहे थे। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के कर्मियों ने पूर्व शाही राजधानी मांडले में स्ट्रीट 86ए के पास इस आपदा स्थल पर स्थानीय लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए शव निकालने से कदम पीछे खींच लिए।

एनडीआरएफ के एक सदस्य ने बताया, लेकिन समय गुजरने के साथ ही शव सडने़ लगा था। परिजनों को एहसास हुआ कि शव को पूरी तरह से निकालने के लिए उनके पास विशेषज्ञता का अभाव है, इसलिए वे हिचकिचाने लगे। उनकी शुरुआती अनिच्छा बाद में अपील में बदल गई। उन्होंने बताया कि एनडीआरएफ कर्मियों ने अपना कार्य पुनः शुरू किया, महिला के शव को सावधानीपूर्वक बाहर निकाला तथा नमाज़ की उसकी अंतिम मुद्रा की गरिमा को बनाए रखा। मौके पर मौजूद एनडीआरएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, जो लोग मदद स्वीकार करने में झिझक रहे थे, अब वे आभार जताते थक नहीं रहे हैं। म्यांमा में एनडीआरएफ खोज एवं बचाव अभियान दल के उप टीम लीडर डिप्टी कमांडर कुणाल तिवारी ने बताया कि टीम को शव प्रबंधन में प्रशिक्षित किया गया है। आदम हुसैन (65) ने बताया कि भूकंप उस समय आया जब मुस्लिम पवित्र महीने रमजान के अंतिम जुमे (शुक्रवार) पर अलविदा की नमाज अदा कर रहे थे। राहत और बचाव कार्यों के लिए मांडले शहर को चार सेक्टरों- अल्फा, ब्रावो, चार्ली और डेल्टा में बांटा गया है। स्थानीय अधिकारियों ने डेल्टा को भारत को आवंटित किया है, जबकि अन्य तीन सेक्टरों को चीन, रूस और म्यांमा अग्निशमन सेवा विभाग द्वारा संभाला जा रहा है। एनडीआरएफ टीम ने मांडले में आवंटित 15 कार्यस्थलों में से 11 पर अभियान शुरू किया है और अब तक लगभग 30 शवों को निकाला है। हुसैन ने कहा, हम भारत द्वारा किए गए प्रयासों से बहुत संतुष्ट हैं। मेरी बेटी, जो गंभीर रूप से घायल हो गई थी, उसका भारतीय सेना द्वारा स्थापित फील्ड अस्पताल में सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया गया है।

म्यांमा भूकंप : मृतकों की संख्या बढ़कर 3,085 हुई

बैंकॉक। म्यांमा में करीब एक सप्ताह पहले आए भीषण भूकंप में मरने वालों की संख्या बृहस्पतिवार को बढक़र 3,085 हो गई। देश की सैन्य सरकार ने यह जानकारी दी। एक संक्षिप्त बयान में सेना ने कहा कि 4,715 लोग घायल हुए हैं तथा 341 लापता हैं। पिछले शुक्रवार को आए 7.7 तीव्रता वाले भूकंप का केंद्र म्यांमा के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले के पास था। इससे कई इलाकों में हजारों इमारतें ढह गईं, सड़कें टूट गईं और पुल नष्ट हो गए। स्थानीय मीडिया में हताहतों की जो संख्या बताई गई है वह आधिकारिक आंकड़ों से कहीं अधिक है। चूंकि दूरसंचार सेवाएं व्यापक रूप से बंद हैं तथा कई स्थानों तक पहुंचना कठिन है इसलिए ऐसा माना जा रहा है कि जैसे-जैसे अधिक विवरण सामने आएगा, मृतक संख्या में तेजी से वृद्धि हो सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि उसके प्रारंभिक आकलन के अनुसार, चार अस्पताल और एक स्वास्थ्य केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है जबकि 32 अस्पताल और 18 स्वास्थ्य केंद्र आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। भारत का एक मोबाइल अस्पताल और रूस-बेलारूस का संयुक्त अस्पताल भी अब मांडले में लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करा रहे हैं।

नेतन्याहू पहुंचे हंगरी, हंगरी ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय से हटने की योजना बनाई

» बुडापेस्ट, भाषा।

हंगरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह युद्ध अपराध और जनसंहार के लिए दुनिया के एकमात्र स्थाई वैश्विक न्यायाधिकरण से हटने की प्रक्रिया शुरू करेगा। प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान के चीफ ऑफ स्टाफ गेरगेली गुलेयास ने एक संक्षिप्त बयान में कहा, हंगरी अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय से हटेगा। सरकार संवैधानिक और अंतरराष्ट्रीय कानूनी ढांचे के अनुसार बृहस्पतिवार को वापसी की प्रक्रिया शुरू करेगी। यह घोषणा ऐसे समय में की गई जब इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट पहुंचे हैं।

गाजा पट्टी में युद्ध के लिए उनके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट जारी है। ओरबान के नेतृत्व वाली हंगरी की सरकार ने नवंबर में नेतन्याहू को यह निमंत्रण दिया था, वहीं नीदरलैंड के हेग स्थित आईसीसी ने मानवता के विरुद्ध अपराध के आरोप में उनके खिलाफ वारंट जारी किया था। नेतन्याहू के करीबी सहयोगी ओरबान ने गिरफ्तारी वारंट को निंदनीय करार दिया था। नियम के अनुसार आईसीसी के सदस्य देशों को वारंट का सामना कर रहे संदिग्धों को उनकी धरती पर कदम रखने पर हिरासत में लेना होता है।